THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 71 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.13 2081 सोमवार, 3 जून-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बंगाल में चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ता की हत्या

कोलकाता, 2 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में चुनाव के बाद हुई हिंसा में कुछ लोगों ने भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी। भाजपा ने इस हत्या का आरोप तृणमूल कांग्रेस पर लगाया है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि यह हत्या पारिवारिक कलह का नतीजा है। पुलिस के मुताबिक घटना कालीगंज में हुई। भाजपा कार्यकर्ता हफीजुर शेख शनिवार रात कैरम खेल रहा था। 10-12 लोग मोटरसाइकिल पर आए। उन्होंने पहले शेख को गोली मारी और फिर चाकू घोंपकर मार डाला। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सोनिया गांधी ने तेलंगाना की आकांक्षाओं को पूरा किया : रेवंत रेड्डी

सीएम ने सोनिया गांधी के साथ मीरा कुमार और सुषमा स्वराज की भी चर्चा की

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को तेलंगाना राज्य की मां बताया और कहा कि मां और तेलंगाना की धरती के बीच एक मजबूत रिश्ता राजनीति से ऊपर है। रविवार को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सोनिया गांधी को स्थापना दिवस समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था, क्योंकि उन्होंने तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया है। उन्होंने उन नेताओं की भी आलोचना की जिन्होंने यह सवाल उठाया कि सोनिया गांधी को किस हैसियत से आमंत्रित किया गया। रेवंत रेड्डी ने कहा, क्या बच्चे के घर में मां को आमंत्रित करने के लिए अनुमति की आवश्यकता होती है? हमने महात्मा गांधी को किस हैसियत से राष्ट्रपिता के रूप में मान्यता दी थी? जब तक तेलंगाना का इतिहास है, सोनिया गांधी को तेलंगाना समाज द्वारा मां के रूप में मान्यता दी जाती रही है और उनका सम्मान किया जाता रहा है। मां और इस भूमि के बीच एक मजबूत बंधन राजनीति से ऊपर है। उन्होंने कहा कि आज तेलंगाना राज्य का गठन सोनिया गांधी द्वारा बहादुरी से उठाया गया पहला कदम है। रेवंत रेड्डी ने कहा, उस दिन यूपीए सरकार की अध्यक्ष के रूप में उन्होंने दृढ़ निश्चय के साथ तेलंगाना राज्य के निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इसी तरह, दूसरा श्रेय स्वतंत्रता सेनानी बाबू जगजीवन राम की बेटी मीरा कुमारी को जाता है, जो उस समय लोकसभा की अध्यक्ष थीं। एक महिला के रूप में, एक माँ के रूप में जो जानती है कि एक बच्चे को खोना कितना दर्दनाक होता है, मीरा कुमारी ने तेलंगाना आंदोलन को पूरा समर्थन दिया और लोकसभा में तेलंगाना विधेयक पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता सुषमा स्वराज ने लोकसभा में विपक्ष की नेता के रूप में तेलंगाना विधेयक को पूरा समर्थन दिया था। तेलंगाना के लोग इन तीन महिला नेताओं द्वारा किए गए बलिदान और योगदान को कभी नहीं भूलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के चार करोड़ लोगों की ओर से, राज्य सरकार अलग राज्य के सपने को पूरा करने के लिए सोनिया गांधी, मीरा कुमारी और सुषमा स्वराज के प्रति आभार व्यक्त करती है और तीनों नेता तेलंगाना के इतिहास में हमेशा के लिए रहेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी और राहुल ने तेलंगाना स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने रविवार को तेलंगाना के लोगों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। "सभी नागरिकों, विशेषकर तेलंगाना के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई! तेलंगाना एक समृद्ध विरासत, मिश्रित संस्कृति और उद्यमी लोगों से संपन्न है। यह देश के एक महत्वपूर्ण सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभरा है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि तेलंगाना और उसके लोग राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा, "तेलंगाना के भाइयों और बहनों को उनके राज्य दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्रीय प्रगति में राज्य के योगदान पर हर भारतीय को गर्व है।" मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि राज्य को समृद्ध इतिहास और बहुत जीवंत संस्कृति का वरदान प्राप्त है, प्रधानमंत्री ने कहा, "हम आने वाले समय में राज्य के विकास के लिए लगातार काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" इस बीच, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना की पार्टी सरकार लोगों को दी गई 'गारंटियों' को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सोनिया गांधी का यह वीडियो संदेश यहां परेड ग्राउंड में आयोजित 10वें तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह में चलाया गया। तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए सोनिया गांधी ने याद दिलाया कि उन्होंने 2004 में करीमनगर में वादा किया था कि उनकी सबसे पुरानी पार्टी अलग राज्य के लिए लोगों की मांग को पूरा करेगी और लोगों के संकल्प ने उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने की ताकत दी। राज्य की मांग को पूरा करना।इस बीच, राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस "प्रजाला तेलंगाना' के दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध है - सभी के लिए न्याय, समानता और सशक्तिकरण। दस साल पहले, डॉ. मनमोहन सिंह और श्रीमती सोनिया गांधी के नेतृत्व में, तेलंगाना एक अलग राज्य बन गया। भारत का सबसे युवा राज्य, लाखों लोगों की आकांक्षाओं को आकार दे रहा है। तेलंगाना आंदोलन के लिए बलिदान देने वालों को मेरी श्रद्धांजलि," राहुल गांधी ने एक पोस्ट में एक्स पर कहा है।

अब हैदराबाद केवल तेलंगाना की राजधानी

आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की कोई राजधानी नहीं

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। देश के सबसे व्यस्त शहरों में से एक हैदराबाद आज से दो प्रदेशों की राजधानी नहीं रहा। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के मुताबिक रविवार से हैदराबाद अब केवल तेलंगाना की राजधानी है, जो कि अब तक आंध्र प्रदेश की भी हुआ करता था।

10 सालों तक दो प्रदेशों की राजधानी था हैदराबाद

2 जून 2014 में जब आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद तेलंगाना राज्य बना था, तभी से हैदराबाद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों ही प्रदेशों की लगभग 10 सालों तक राजधाना बना रहा। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन के मुताबिक हैदराबाद 10 साल से ज्यादा समय के लिए दोनों राज्य की राजधानी नहीं रह सकता है। उपधारा (1) में दी गई समय अवधि के बाद हैदराबाद केवल

तेलंगाना की राजधानी है, जबकि आंध्र प्रदेश के लिए नई राजधानी बनाई जाएगी।

फरवरी 2014 में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन विधेयक संसद में बना था

आंध्र प्रदेश में लंबे समय से तेलंगाना राज्य की मांग हो रही थी। इसके बाद सर्वसम्मति से फरवरी 2014 में संसद में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन विधेयक पास किया गया और 2 जून 2014 को देश में नया राज्य तेलंगाना बना। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पिछले महीने ही अधिकारियों को सरकारी गेस्ट हाउस आंध्र प्रदेश से वापस लेने के लिए कहा था, जो कि आंध्र प्रदेश को 10 सालों के लिए दिया गया था।

विभाजन के 10 साल बाद भी दोनों राज्यों में कई मुद्दों को लेकर विवाद

विभाजन के 10 सालों के बाद भी दोनों राज्यों के बीच कई मुद्दों पर अभी भी विवाद है और संपत्ति बंटवारे को लेकर समाधान नहीं निकला है। तेलंगाना सरकार ने विभाजन को लेकर कई मुद्दों पर कैबिनेट मीटिंग में चर्चा करने की मांग की थी लेकिन चुनाव आयोग ने कथित तौर पर लोकसभा चुनाव के कारण आचार संहिता के कारण इसे मंजूरी नहीं दी।

यह एग्जिट नहीं, मोदी पोल है' : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान है। एग्जिट पोल के आंकड़ों को इंडिया ब्लॉक के नेता ने मानने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस ने एग्जिट पोल के नतीजों को एक मनोवैज्ञानिक खेल बताया। इन्हीं सब को लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने आज एक बैठक की। बैठक के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने

पत्रकारों से बात की। उन्होंने इस दौरान सिद्धू मूसेवाला के एक गाने की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि यह मोदी मीडिया पोल है।

यह लोग रहे मौजूद :

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक की।

ये एग्जिट पोल झूठे :

बैठक में कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ये एग्जिट पोल झूठे हैं। इंडिया गठबंधन को 295 सीटों से कम सीटें नहीं मिलने जा रही हैं।

पीएम मोदी ने हीटवेव और चक्रवात को लेकर की चर्चा

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने इस साल भीषण गर्मी पड़ने की भविष्यवाणी की है। मई के माह में तापमान 50 के पार जा चुका है। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में हीटवेव की स्थिति से निपटने की तैयारी और देश में शुरू हुए मानसून को लेकर बैठक रविवार को दिल्ली में समीक्षा बैठक की। अधिकारियों ने मौसम विभाग की अनुमान से प्रधानमंत्री को अवगत करवाया। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में हीटवेव बने रहने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ऑफिस ने बताया कि इस साल मानसून सामान्य या सामान्य से ज्यादा रहने का अनुमान है। हालांकि प्रायद्वीपों में सामान्य से कम रह सकता है।

राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में कुछ दिनों तक बनी रहेगी हीटवेव :

अधिकारियों ने मौसम विभाग की अनुमान से प्रधानमंत्री को अवगत करवाया। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में हीटवेव बने रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री ऑफिस ने बताया कि इस साल मानसून सामान्य या सामान्य से ज्यादा रहने का अनुमान है। हालांकि प्रायद्वीपों में सामान्य से कम रह सकता है। प्रधानमंत्री ने आग की घटनाओं से निपटने के लिए रोकथाम और पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया है।

आग की घटनाओं से निपटने और उनकी रोकथाम के लिए तैयारी के निर्देश :

प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश देते हुए कहा कि आग और बिजली से बचने के लिए अस्पतालों और सार्वजनिक जगहों पर लगातार जांच करें। प्रधानमंत्री के सचिव, कैबिनेट सचिव, गृह सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव सहित अन्य अधिकारी इस बैठक में मौजूद रहे।

इन विषयों पर चर्चा :

प्रधानमंत्री मोदी आज विभिन्न विषयों पर सात बैठक किये हैं। चक्रवात के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए पहली बैठक की। इस दौरान विशेष रूप से पूर्वोत्तर के राज्यों की स्थिति पर चर्चा की।

पीएमओ ने बताया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री को प्रभावित राज्यों पर चक्रवात के प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। मिजोरम, असम, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ के कारण मानव जीवन के नुकसान और घरों और संपत्तियों को हुए नुकसान पर भी चर्चा की गई।

अमित शाह ने 150 डीएम से की बात : जयराम रमेश

ईसी ने कहा- इस जानकारी का आधार क्या, प्रमाण सहित दें उत्तर

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश को पत्र भेजकर उनके एक बयान पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिसमें उन्होंने दावा करते हुए कहा कि निवर्तमान गृह मंत्री 150 कलेक्टर (डीएम) से फोन पर बात करते हैं।

आयोग ने रमेश को नोटिस भेजकर कहा है कि आप अपनी बातों का प्रमाण सहित उत्तर हमारे पास भेजें, क्योंकि चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए देश का सारा प्रशासन आयोग के पास आ जाता है। जिलाधिकारी और जिले के अन्य बड़े अधिकारी रिटर्निंग ऑफिसर के तौर पर आयोग के निर्देशन में काम करते हैं। अत: आपको ये बताना होगा कि आपकी इस जानकारी और इस सार्वजनिक पोस्ट का आधार क्या है!

आयोग ने जयराम रमेश को लिखा है कि आप एक राष्ट्रीय पार्टी के काफी वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं। आप सभी तथ्यों के साथ दो जून शाम सात बजे तक अपना जवाब आयोग के पास भेज दें, ताकि समुचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

दरअसर, एक जून को जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि जाती हुई सरकार इतनी परेशान है कि मतगणना से पहले सरकार के गृह मंत्री फोन से सभी जिलों के जिलाधिकारियों और कलेक्टर से संपर्क कर रहे हैं.। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और बीजेपी चुनाव में जनता के निर्णय से आशंकित हैं। मतगणना में बीजेपी, पीएम और गृह मंत्री हारेंगे और सत्ता से बाहर जाएंगे जबकि 'इंडिया' ब्लॉक की जीत होगी। इसलिए जिलाधिकारी और अन्य अधिकारी उनके दबाव में न आएं। वो सबकी निगाह में हैं, सबकी नजरें उन पर हैं।

अरुणाचल में एक बार फिर बीजेपी सरकार

सिक्किम में सत्तारूढ दलों की वापसी

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा एक बार फिर बहुमत के साथ सरकार बनाती दिख रही है। अभी तक आए रूझानों के मुताबिक बीजेपी को 60 विधानसभा सीटों में से 46 सीटें मिलती दिखाई दे रही हैं। जबकि नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) 5 सीटों पर आगे चल रही है।

भाजपा पहले ही 60 सदस्यीय विधानसभा में 10 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है, जिसके लिए चुनाव 19 अप्रैल को पहले चरण में लोकसभा चुनाव के साथ ही हुए थे।

अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए भी 19 अप्रैल 2024 को वोटिंग हुई थी। 2019 के अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 41 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल कर सरकार बनाई थी और पेमा खांडू ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

60 सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र होने के बावजूद अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव 57 सीटों के लिए कराए गए थे क्योंकि भाजपा के तीन उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध घोषित किए जा चुके थे। जनता दल (यूनाइटेड) ने सात सीटें, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने पांच, कांग्रेस पार्टी ने चार, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) ने एक सीट और निर्दलीय ने दो सीटें हासिल की थी।

केजरीवाल ने किया सरेंडर

आधे घंटे बाद कोर्ट ने 5 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा, बोले- पता नहीं कब वापस आऊंगा

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार (2 जून) की शाम 5 बजे तिहाड़ जेल में सरेंडर किया। इससे पहले वे आम आदमी पार्टी (आप) के दफ्तर गए और कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने कहा, मैं देश बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। मुझे नहीं पता कब वापस आऊंगा। वहां मेरे साथ क्या-क्या होगा, मुझे नहीं पता।

दिल्ली सीएम ने कहा, 2024 लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल कल सामने आए। लिखकर ले लीजिए, ये सभी एग्जिट पोल फर्जी हैं। एक एग्जिट पोल ने राजस्थान में बीजेपी को 33 सीटें दी थीं, जबकि वहां सिर्फ 25 सीटें हैं। असली मुद्दा यह है कि उन्हें ऐसा क्यों करना पड़ा? उन पर दबाव बनाया गया होगा।

वहीं, सरेंडर करने के करीब 30 मिनट बाद ही राउज एवेन्यू कोर्ट ने

केजरीवाल को 5 जून तक ईडी की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया। एजेंसी ने केजरीवाल की कस्टडी के लिए आवेदन दायर किया था। दिल्ली सीएम के अंतरिम जमानत पर होने के चलते आवेदन पेंडिंग था।

ड्यूटी जज संजीव अग्रवाल ने सुनवाई की और आवेदन को स्वीकार किया। केजरीवाल को जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था।

केजरीवाल पहले राजघाट गए, फिर हनुमान मंदिर में पूजा की

दिल्ली के मुख्यमंत्री पहले दोपहर 3:30 बजे राजघाट पहुंचे। यहां उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद केजरीवाल ने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में भी दर्शन किए।

इसके बाद वे आम आदमी पार्टी के ऑफिस पहुंचे। दिल्ली शराब नीति मामले में उनकी अंतरिम जमानत शनिवार (1 जून) को खत्म हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को चुनाव प्रचार के लिए उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। केजरीवाल ने जमानत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया है। उन्होंने आज एक्स पर लिखा- सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मैं 21 दिन चुनाव प्रचार के लिए बाहर आया। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का बहुत बहुत आभार।

पुणे पोर्श केस- नाबालिग ने कबूली शराब पीने की बात

पुलिस को बताया- नशे में था, घटना याद नहीं, माता-पिता 5 जून तक हिरासत में

पुणे, 2 जून (एजेंसियां)। पुणे पोर्श केस के आरोपी नाबालिग ने पुलिस की पूछताछ में स्वीकार किया है कि दुर्घटना की रात वह बहुत नशे में था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाबालिग ने कहा कि उसे हादसे के बारे में ज्यादा कुछ याद नहीं है।

पुलिस ने आरोपी की मां की मौजूदगी में उससे बाल सुधार गृह में 1 जून को पूछताछ की थी। जुवेनाइल बोर्ड ने 31 मई को नाबालिग से पूछताछ करने के लिए पुलिस को इजाजत दी थी। हादसे के बाद से नाबालिग से कोई पूछताछ नहीं की गई थी और न ही कोई बयान दर्ज किया गया था। इस बीच पुणे की एक अदालत ने रविवार (2 जून) को नाबालिग के पिता विशाल अग्रवाल और मां शिवानी अग्रवाल एविडेंस मिटाने के मामले में 5 जून तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दोनों पर ब्लड सैंपल से छेड़छाड़ का आरोप है।

यूएन में गूंजती थी जिस भारतीय महिला अफसर की आवाज

35 साल की सेवा के बाद हुई रिटायर

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहली महिला स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज रिटायर हुईं। रुचिरा 2 अगस्त, 2022 को न्यूयॉर्क में भारत की स्थायी प्रतिनिधि/राजदूत बनीं थी। वे 35 साल की सेवा के बाद रिटायर हुई हैं। इस दौरान उन्होंने भूटान, दक्षिण अफ्रीका और यूनेस्को में भारतीय राजदूत के रूप में काम किया। कंबोज 1987 बैच की आईएफएस अधिकारी हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा, भारत को असाधारण वर्षों और अविस्मरणीय अनुभवों के लिए धन्यवाद। पिछले दो सालों में, रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास युद्ध के दौरान, कंबोज ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में चर्चाओं में भारत का नेतृत्व किया।

यूएन में भारत की पहली महिला स्थायी प्रतिनिधि :

रुचिरा कंबोज 1987 की सिविल सेवा परीक्षा में पूरे भारत में महिलाओं में अव्वल रहीं और उसी साल की विदेश सेवा परीक्षा में भी

टॉप रहीं। 2 अगस्त 2022 को वह न्यूयॉर्क में भारत की स्थायी प्रतिनिधि/राजदूत बनीं। कंबोज हिंदी, अंग्रेजी और फ्रेंच तीन भाषाओं की जानकार हैं।

उन्होंने 1989 से 1991 तक फ्रांस में भारतीय दूतावास में तीसरे सचिव के रूप में अपने कूटनीतिक कैरियर की शुरूआत की। इंडियन मिशन की वेबसाइट के अनुसार, 2002 से 2005 तक वह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर रहीं, जहां उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार, मध्य पूर्व संकट आदि जैसे कई राजनीतिक मुद्दों को देखा।

नियंत्रण रेखा के पार लॉन्च पैड सक्रिय

60 से 70 आतंकवादी घुसपैठ की फिराक में- डीजीपी आरआर स्वैन

जम्मू कश्मीर, 2 जून (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि रंजन (आरआर) स्वैन ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार लॉन्च पैड सक्रिय है और करीब 60 से 70 आतंकवादी देश की सीमा में घुसपैठ की फिराक में हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर सुरक्षाबल पूरी सतर्कता के साथ तैनात हैं और दुश्मन के किसी भी नापाक इरादे को कामयाब नहीं होने देंगे। डीजीपी ने कहा कि सुरक्षा को लेकर हुई विभिन्न बैठकों में यह निष्कर्ष सामने आया है कि सीमा पार से घुसपैठ कर आतंकियों को भेजना, हथियार नशे की खेप को भेजने के प्रयास अब भी किए जा रहे हैं, जिन्हें नाकाम बनाने के लिए सुरक्षाबल सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि इन नापाक साजिशों को समय-समय पर विफल भी किया गया है। अभी भी खतरा बना हुआ है और प्रदेश में अस्थिरता लाने की दुश्मन बार-बार चाल चल रहा है, जिसे विफल बनाने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। डीजीपी स्वैन ने कहा, किसी भी समय, अलग-अलग स्थानों पर पांच या छह के समूहों में लगभग 60-70 घुसपैठिये हमारी सीमा में घुसने के लिए इंतजार कर रहे होंगे।' उन्होंने जोर देकर कहा कि सेना, अर्धसैनिक बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस पूरी तरह से दृढ़ हैं कि हम विरोधी को सफल नहीं होने देंगे।

दूसरे युवक के साथ बनाई रील तो पत्नी को मार डाला, शरीर के 14 टुकडों में शव बरामद

भोपाल, 2 जून (एजेंसियां)। भोपाल के ईंटखेड़ी में रहने वाले एक युवक ने दूसरे युवक के साथ पत्नी के रील बनाने के वीडियो देखे तो उसने पत्नी की हत्या कर दी। उसने पहले पत्नी के साथ मारपीट की और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। उसके बाद शव को कचरसा खंती में ले जाकर जला दिया। जब शव पूरी तरह नहीं जला तो वहीं पर दफना दिया। इधर, महिला के गायब होने पर परिजनों ने निशातपुरा में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी, जिसके बाद से पुलिस और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। घटना के 10 दिन बाद पति खुद थाने पहुंचा और पत्नी की हत्या की बात स्वीकार कर ली।

पेरिस से मुंबई आ रही विस्तारा फ्लाइट में बम की सूचना से सनसनी

कराई गई इमर्जेंसी लैंडिंग, 306 पैसेंजर थे सवार

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। फ्रांस की राजधानी पेरिस से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई आ रही विस्तारा की फ्लाइट में बम होने की सूचना से सनसनी मच गई। इस बाबत हैंड रिटन लेटर मिलने के बाद क्रू मेंबर में खलबली मच गई। मुंबई एयरपोर्ट को इसकी तत्काल सूचना दी गई, जिसके बाद विस्तारा फ्लाइट की इमर्जेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में कुल 306 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। इससे पहले चेन्नाई से मुंबई और दिल्ली से वाराणसी जा रही फ्लाइट में भी बम होने की सूचना से खलबली मच गई थी। एयरपोर्ट पर इमर्जेंसी डिक्लेयर कर विमान की लैंडिंग कराई गई और पूरे विमान को खंगाला गया था। हालांकि, इन विमानों से ऐसा कुछ नहीं मिला था। पेरिस से मुंबई आ रही विस्तारा की फ्लाइट में बम होने की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में इसकी सूचना मुंबई एयपोर्ट को दी गई। इसके बाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमर्जेंसी घोषित कर दिया गया। साथ ही फ्लाइट की इमर्जेंसी लैंडिंग कराई गई। दरअसल, फ्लाइट के एयर सिकनेस बैग में हैंड रिटन लेटर मिला। इसमें फ्लाइट में बम होने की जानकारी लिखी थी। फ्लाइट में 306 यात्री सवार थे। बम होने की जानकारी के बाद विमान की सेफ लैंडिंग कराई और सबसे पहले यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

पुलिस आरक्षक जुआ फड़ से हर दिन लेता था चार हजार रुपये एसपी ने चौकी प्रभारी और आरक्षक को किया निलंबित

सागर, 2 जून (एजेंसियां)। सागर जिले के सानौधा थाना की शाहपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में जुआ फड़ संचालित होने के मामले में एसपी अभिषेक तिवारी ने शाहपुर चौकी प्रभारी और एक आरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार 30 मई को थाना सानौधा की पुलिस चौकी शाहपुर के तहत आने वाले बासूखेड़ा गांव में जुआ फड़ संचालित होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर रहली एसडीओपी ने स्पेशल टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की।

तेलंगाना स्थापना दिवस पर सोनिया ने कहा

रेवंत रेड्डी सरकार करेगी सभी गारंटी पूरी

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना राज्य की स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने पर देशभर से नेताओं की बधाई संदेश मिल रहे हैं। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने इस अवसर पर एक वीडियो संदेश में राज्य के लोगों को बधाई दी और कांग्रेस पार्टी के अलग राज्य बनाने में दिए गए योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य की रेवंत रेड्डी सरकार सभी गारंटी पूरी करेगी। आंध्र प्रदेश से अलग कर तेलंगाना राज्य की स्थापना में आई दिक्कतों का उल्लेख करते हुए सोनिया ने कहा कि उन्होंने 2004 में करीम नगर में तेलंगाना के लोगों से वादा किया था कि कांग्रेस पार्टी उनके अलग राज्य के सपने को पूरा करेगी। इस बयान के बाद उनकी अपनी पार्टी के अंदर भी असहमति हुई थी। कई लोगों ने हमारी पार्टी भी छोड़ी, मगर लोगों के धैर्य और संकल्प ने उन्हें तेलंगाना के सपने को पूरा करने की शक्ति, साहस और प्रेरणा दी। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय जनता ने कांग्रेस पार्टी को एक समृद्ध और विकसित तेलंगाना के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी है। वह उन सभी सपनों को पूरा करना अपना कर्तव्य समझती हैं। उन्होंने राज्य की जनता को विश्वास दिलाया कि तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व की कांग्रेस सरकार अपनी गारंटी को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

पानी की कमी से तालाब में हुई आक्सीजन की कमी, सैकड़ों मछलियां मरी

इंदौर, 2 जून (एजेंसियां)। पिपलियापाला तालाब का पानी कम होने व प्रदूषित होने का असर अब नजर आ रहा है। तालाब की सैकड़ों मछलियां मर कर किनारे पर आ गई है। मरी हुई मछलियों को नगर निगम उठवा भी नहीं पा रहा है। इस कारण बदबू रिजनल पार्क के कई हिस्सों में फैल रही है। तालाब का जलस्तर कम हो गया है। गर्मी के कारण पानी में आक्सीजन की मात्रा कम हो रही है। जो मछलियों की मौत की वजह बन रही है। पिपलियापाला तालाब में बारिश का पानी एकत्र होता है। मार्च तक तालाब का जलस्तर ठीक था, लेकिन बीते दो माह में तालाब का जलस्तर तेजी से कम होने लगा। तालाब में मछली पालन भी होता है। जलस्तर कम होने के बाद तालाब में पानी प्रदूषित होने लगा है और उसमे आक्सीजन की मात्रा कम हो गई है। पार्क के कर्मचारियों का कहना था कि चार दिन पहले ज्यादा मछलियां नहीं मरी थी, लेकिन शनिवार से किनारे पर सैकड़ों मरी हुई मछलियां नजर आई।

आधी रात को महिला की गला दबाकर हत्या, देखता रह गया पति

कुरुक्षेत्र, 2 जून (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र के गांव बहादुरपुरा के सामुदायिक केंद्र परिसर में सो रही एक महिला की आधी रात को गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतक महिला की पहचान मूल रूप से उत्तरप्रदेश की रहने वाली 38 वर्षीय सावित्री के रूप में हुई है। वारदात से पहले आरोपियों ने महिला के पति के साथ भी मारपीट की तो वहीं सो रहे दो बच्चों को कमरे में बंद कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

खेमकरण वासी गांव धर्मपुर मैथरा जिला संभल, उत्तर प्रदेश हाल ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाते हुए बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता है। परिवार के साथ गांव के सामुदायिक केंद्र में रहता है। उसके तीन बेटे हैं, जिनमें से बड़ा बेटा अजय बनारस में प्राईवेट नौकरी करता है तो वहीं दो बच्चे उनके पास रहते हैं।

छोटे भाई ने महिलाओं से की लाठी-डंडे से मारपीट, धीरेंद्र शास्त्री बोले- मैं उसके बर्ताव से दुखी हूं

भोपाल, 2 जून (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कभी अपने बयानों की वजह से तो कभी अपने भाई की हरकतों की वचह से चर्चा में बने रहते हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई का नाम है शालिग्राम गर्ग जो आए दिन अपनी किसी न किसी हरकत की वजह से चर्चा में आ जाते हैं। दरअसल, मामला सोशल मीडिया से शुरू हुआ। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था। यह वीडियो मारपीट का था। इस वीडियो में शालिग्राम गर्ग को उनके साथियों के साथ एक परिवार के घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट करते हुए देखा जा रहा है।

यमुनोत्री धाम में दो और यात्रियों की मौत

यात्रा में अब तक गई 73 श्रद्धालुओं की जान

उत्तरकाशी, 2 जून (एजेंसियां)। यमुनोत्री धाम में गोवा और राजस्थान के दो तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। राज्य आपदा परिचालन केंद्र के मुताबिक यमुनोत्री धाम में अब तक 17 यात्रियों की मौत हो चुकी है। वहीं, चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 73 यात्रियों की जान जा चुकी है। जानकारी के अनुसार, 31 मई की रात 72 बर्षीय यशवंत सांवत(72)और 60 वर्षीय बाबू लाल की जानकीचट्टी और यमुनोत्री के बीच अलग-अलग स्थानों पर तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसएचओ संतोष सिंह कुंवर ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पंचनामा की कार्रवाई कर शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है।

'अगर इसमें कोई धोखाधड़ी होती है तो कम से कम 3 साल की जेल होनी चाहिए

' एग्जिट पोल के बाद यह क्या बोल गए कपिल सिब्बल?

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की वोटिंग पूरी हो चुकी है और रिजल्ट 4 जून को घोषित किए जाएंगे। इस बीच एग्जिट पोल ने भी साफ कर दिया है कि लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ मोदी सरकार बनने जा रही है। इन सभी के बीच इंडिया ब्लॉक ने एग्जिट पोल की भविष्यवाणी को सिरे से खारिज कर दिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि एग्जिट पोल और 4 जून के नतीजों में बहुत बड़ा अंतर होगा। इस बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी पवित्र अधिकारों का उल्लेख किया। सिब्बल ने यह साफ कर दिया कि पवित्र अधिकार यानी वोट के जरिए ही सरकारें चुनी जाती हैं। अगर इसमें कोई धोखाधड़ी होती है तो कम से कम 3 साल की जेल होनी चाहिए।

पवित्र अधिकार है - वोट देना

कपिल सिब्बल ने कहा, 'मेरे हिसाब से तो एक ही पवित्र अधिकार है - वोट देना। उसी के आधार पर सरकारें चुनी जाती हैं। अगर वहां कोई धोखा होता है, अगर किसी का नाम वोटर लिस्ट से कट जाता है या किसी को भी इन अधिकारों से वंचित किया जाता है तो उस पर कम से कम 3 साल की जेल होनी चाहिए। यह एक गंभीर मामला है, चुनाव आयोग को इस पर ध्यान देना चाहिए और सरकार से इस पर कानून बनाने के लिए कहना चाहिए। वोट देने के लिए एक स्थायी न्यायाधिकरण बनाया जाना चाहिए जो तुरंत निर्णय ले सके।'

तीर्थ यात्रियों से भरा पिकअप पलटा

20 से अधिक लोग घायल

शिवपुरी, 2 जून (एजेंसियां)। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के फोरलेन हाईवे पर खालसा होटल पास रविवार सुबह एक तीर्थ यात्रियों से भरा पिकअप वाहन पलट गया। हादसे में पिकअप में सवार 20 से अधिक लोग घायल हो गए। जिन्हें इलाक के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार मैक्स पिकअप वाहन में सवार करीब 40 तीर्थ लोग मथुरा से उज्जैन जय गुरुदेव आश्रम पर होने वाले वार्षिक भंडारे में शामिल होने के लिए जा रहे थे। कोलारस थाना क्षेत्र में फोरलेन हाईवे पर खालसा होटल के पास पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में 20 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को कोलारस के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां से कुछ गंभीर रूप से घायलों को शिवपुरी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे में घायल तीर्थ यात्री ओमप्रकाश ने बताया कि वह मथुरा से उज्जैन आश्रम पर होने वाले वार्षिक भंडारे में जा रहे थे। तेज गति से उनका पिकअप हाईवे पर पलट गया, जिसमें करीब 40 लोग सवार थे। इनमें 20 के ज्यादा महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हादसे की सूचना पर कोलारस पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कोलारस स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। साथ ही केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ऑर्गन ट्रैफिकिंग का मास्टरमाइंड हैदराबाद के होटल से गिरफ्तार

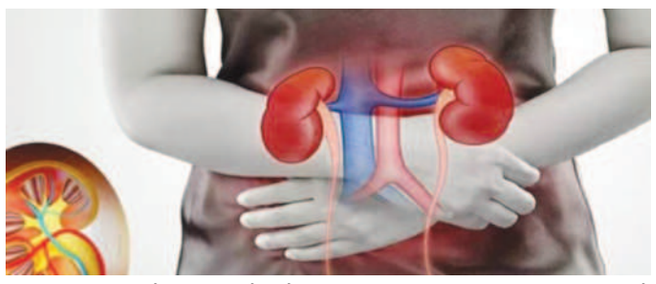

कोच्चि, 2 जून (एजेंसियां)। केरल में ऑर्गन ट्रैफिकिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। वहीं अब इस मामले में शामिल अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी नेटवर्क के कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने ये जानकारी दी है। बताया जा रहा है, 41 साल का बल्लमकोंडा राम प्रसाद इस मामले का मास्टरमाइंड है और ये हैदराबाद के एक होटल में छिपा हुआ था। राम प्रसाद आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा का निवासी है, इसे प्रतापन के नाम से भी जाना जाता है, इसे केरल पुलिस की विशेष जांच टीम ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि आंध्र निवासियों के माध्यम से किडनी ट्रांसप्लांट से संबंधित लेन-देन किया गया है। दावा किया गया कि प्रतापन सबसे पहले अपनी किडनी दान करने के लिए अंग तस्करी माफिया के संपर्क में आया था,लेकिन कुछ बीमारियों से पीड़ित होने के कारण उसका अंग नहीं लिया गया। बाद में फिर वह एक ग्रुप में शामिल हो गया, और उस ग्रुप का मुख्य व्यक्ति बन गया। सोशल मीडिया के माध्यम से अंग प्राप्तकर्ताओं से संपर्क किया, पुलिस ने इसका दावा किया है। बताया जा रहा है, भारत से दानदाताओं को ईरान भेजा जाता है, जहां उन्हें सबिथ नासर नामक व्यक्ति प्राप्त करता है। सबिथ नासर पहले से ही पुलिस हिरासत में है। वहीं अंग दान करने के बाद, दानदाताओं को नासर द्वारा भारत वापस भेज दिया गया। नसर और प्रतापन के अलावा, पुलिस ने साजिथ श्याम नामक व्यक्ति को भी पकड़ा है, जिस पर गिरोह के पैसे को नियंत्रित करने का संदेह है। त्रिशूर जिले के वलप्पाडु के रहने वाले नासर को केंद्रीय एजेंसियों से मिली सूचना के बाद दो हफ्ते पहले कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) से हिरासत में लिया गया था।

'अगर ईवीएम से कोई छेड़छाड़ नहीं की गई होगी तो नतीजे कांग्रेस के पक्ष में होंगे'

शिमला, 2 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व मंडी संसदीय क्षेत्र से निवर्तमान सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा है कि लोकसभा के चुनाव परिणाम एग्जिट पोल के विपरीत आएंगे और देश मे इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के चारों लोकसभा व छह विधानसभा चुनाव परिणाम भी कांग्रेस के पक्ष में आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का नारा असफल हो गया है और भाजपा 200 पार भी नहीं कर पाएगी। प्रतिभा सिंह ने कहा कि चुनावों में भाजपा ने मुद्दों पर कोई बात नहीं की। बढ़ती मंहगाई व बेरोजगारी पर पूरी तरह खामोश रही। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश में लोगों ने कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान किया है। उन्होंने कहा कि 4 जून चुनाव परिणाम पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में ही आएंगे। प्रतिभा सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने चुनाव परिणाम प्रभावित करने के लिए जो-जो हतकंडे अपनाए हैं वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं। अनाप शनाप बयानबाजी कर लोगों में भय पैदा करने का असफल प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को धनबल से कमजोर करने की कोशिश की गई है पर जनबल ने इसे पूरी तरह नकार दिया है।

उज्जैन में पॉक्सो एक्ट के आरोपी की जमानत याचिका रद्द, पीड़िता को लगातार दे रहा था धमकी

उज्जैन, 2 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने महिला संबंधी अपराधों में जमानत पर बाहर घूम रहे आदतन अपराधियों की जमानत निरस्त करने का ऐलान किया था। इस पर अमल भी शुरू हो गया है। सीएम मोहन यादव के शहर उज्जैन में पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने पॉस्को एक्ट के आरोपी की जमानत निरस्त करवा दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशानुरूप महिला अपराधों में जमानत पर बाहर घूम रहे आदतन अपराधियों की जमानत निरस्ती की कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके तहत उज्जैन जिले में पहला प्रकरण पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में नीलगंगा थाना पुलिस ने अंजाम दिया है। पॉक्सो एक्ट के आरोपी सौरभ श्रीवास की जमानत विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट 2012) षष्ठम जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने उसे न्यायिक निरोध में लेकर केंद्रीय जेल भैरवगढ में निरूद्ध करने के आदेश दिए हैं।

पंजाब में दो मालगाड़ियों की टक्कर

कई डिब्बे पटरी से उतरे, दो लोको पायलट घायल

फतेहगढ़, 2 जून (एजेंसियां)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में रविवार को दो मालगाड़ियों की टक्कर हो गई। इस घटनामें कई डिब्बे पटरी से उतर गये। हादसे में दो लोको पायलटों के घायल होने की जानकारी मिल रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हादसा फतेहगढ़ साहिब में माधोपुर से पास हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मालगाड़ियों के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। शुरुआती वीडियो में दिख रहा है कि एक मालगाड़ी दूसरी पर चढ़ गई है। डिब्बों को काफी नुकसान पहुंचा है और उनके पहिये खुलकर पटरी पर और आसपास बिखड़ गये हैं। उनमें लदा माल भी बिखड़ गया है। गनीमत यह रही कि एक मालगाड़ी के डिब्बे गिरकर बगल की पटरी पर यात्री गाड़ी को छूकर रह गए। हादसे में अब तक किसी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। दोनों घायल लोको पायलटों को श्री फतेहगढ़ साहिब सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आने वाली है कोरोना से बड़ी महामारी

डब्ल्यूएचओ ने शुरू की अभी से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पूरी दुनिया को एक और बड़ी महामारी झेलने के लिए तैयार रहने को कहा है। यह महामारी कोविड-19 यानि कोरोना से भी बड़ी हो सकती है। टॉप ब्रिटिश वैज्ञानिक की चेतावनी के बाद डब्ल्यूएचओ ने अभी से इस बीमारी से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार पैट्रिक वालेंस ने दुनिया को कोविड से भी खतरनाक बीमारी आने की चेतावनी देते हुए सचेत रहने को कहा है। वालेंस ने दुनिया को चेताते हुए कहा कि यदि हम अभी से इस बीमारी को लेकर सतर्क हो जाते हैं तो इसके आने के वक्त हम कोविड जैसे प्रतिबंधों का सामना करने से बच सकते हैं।

यही रात आखिरी, यही रात भारी

सारण-महाराजगंज में हो सकता है खेला क्या है आरजेडी-बीजेपी का दावा?

छपरा, 2 जून (एजेंसियां)। संसदीय चुनाव का मतदान समाप्त हो चुका है। अब मतगणना की प्रतीक्षा है। सोमवार की रात इस इंतजार की आखिरी रात है। यह रात सियासी लड़ाकों के लिए भारी है। क्योंकि, मंगलवार 4 जून को उनका मंगल और अमंगल तय होने वाला है। इसके पहले आए मीडिया हाउस के एग्जिट पोल, एनडीए की सुनामी बता रहे हैं।

हालांकि, आइएनडीआइए गठबंधन सरकार बनाने का दावा कर रहा है। सारण और महाराजगंज संसदीय सीट के रिजल्ट को लेकर भी अपने-अपने दावे हैं। सारण की राजनीति की बारीक समझ रखने वाले हों या सियासी दलों के स्थानीय नेता-कार्यकर्ता, सभी ईवीएम में बंद वोटों की गुणा-गणित बैठा ताबड़तोड़ अलग-अलग दावे ठोक रहे हैं। कोई भी दलीय सख्सियत अपने प्रत्याशी को कमतर कर नहीं आंक रहा। लेकिन, कहते हैं न कि दावा है दावे का क्या। ये दावे कितने सटिक हैं यह तो ईवीएम में कैद जनता का फैसला सामने आने पर ही पता चल पायेगा।

दिल्ली में पानी की किल्लत

आतिशी ने सीएम योगी और नायब सिंह सैनी से की अपील, बोलीं- आपके जवाब का इंतजार रहेगा

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। एक तरफ भीषण गर्मी और दूसरी तरफ पानी की किल्लत। ये दिल्ली की वर्तमान स्थिति है। ग्राउंड लेवल का पानी दिन प्रतिदिन नीचे जा रहा है और दिल्लीवासियों को भीषण गर्मी के साथ पीने के पानी की दिक्कतों का भी सामना करना पड़ रहा है। इस बीच दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से एक महीने की अवधि के लिए दिल्ली को अतिरिक्त

पानी छोड़ने का अनुरोध किया है। बता दें कि इससे पहले सीएम अरविंद केजरीवाल भी इस तरह की अपील कर चुके हैं। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने सीएम योगी आदित्यनाथ और सीएम नायब सिंह सैनी को लिखे पत्र में कहा, यह पत्र इसलिए लिख रही हूं ताकि तत्काल आपका ध्यान इस बात पर ला सकूं कि दिल्ली वर्तमान में पानी की संकट से जूझ रहा है। एक तरफ तापमान जहां 50 डिग्री से अधिक पहुंच चुका है। वहीं दूसरी तरफ पहली बार दिल्ली में पानी की मांग इतनी अधिक बढ़ी है। यह अबतक का सबसे कठिन गर्मी के मौसम का दौर है। दिल्ली सरकार पानी की मांग की आपूर्ति के लिए हर संभव प्रयास करने में जुटी हुई है। मेरी अपील है कि दिल्ली का पडोसी राज्य होने के नाते उत्तर प्रदेश और हरियाणा को इस संकट की खड़ी में दिल्ली की मदद करनी चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 3 जून, 2024 3

युविचार

खो कर पता
चलती है कीमत
किसी की
पास अगर हो तो
अहसास कहाँ होता है

केसीआर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के तत्वावधान में तेलंगाना राज्य के गठन के दशकीय समारोह को भव्य तरीके से मनाया गया। शहर के तेलंगाना भवन में आयोजित समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख केसीआर शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि आज एक भावनात्मक दिन है। उन्होंने बताया कि कैसे तेलंगाना और तेलंगाना के लोगों का अपमान किया गया था। उन्होंने याद दिलाया कि अविभाजित विधानसभा में तेलंगाना शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध था। केसीआर ने याद दिलाया कि पृथक तेलंगाना आंदोलन के पहले चरण के दौरान कांग्रेस पार्टी के 11 सांसद जीतने के बावजूद इंदिरा गांधी ने दया नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, ऐसे समय में प्रो. जयशंकर ने तेलंगाना के लिए काम किया। जयशंकर तेलंगाना के लिए केसीआर जैसे किसी व्यक्ति के आने का इंतजार कर रहे थे। केसीआर ने दावा किया कि उन्होंने उनसे कई बार यही बात कही थी। जयशंकर ने मुझे अंत तक तेलंगाना के लिए खड़े रहने के लिए कहा था। उस समय कांग्रेस और टीडीपी नेताओं ने अपने स्वार्थ के लिए काम किया। तेलंगाना राज्य के लिए किसी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। केसीआर ने याद दिलाया कि तेलंगाना के नेता, अगर वे सीएम थे, तो पूरे कार्यकाल तक पद पर नहीं रहे और बीच में ही उन्हें हटा दिया गया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने उस समय आंदोलन का रास्ता अपनाया था जब एक शक्तिशाली सीएम था जिसके हाथ में केंद्र सरकार भी थी। मुझे लगा कि तेलंगाना के किसानों के साथ न्याय तभी होगा जब तेलंगाना अस्तित्व में आएगा। केसीआर भावुक थे कि अगर उन्हें वे दिन याद आते तो उन्हें दुख होता। अगर कोंडा लक्ष्मण बापूजी ने हमें एक कार्यालय दिया, तो उनका घर तोड़ दिया गया। केसीआर ने कहा, तेलंगाना राज्य कई प्रयासों से हासिल किया गया है। केसीआर ने कहा कि कोई भी बीआरएस पार्टी को नष्ट नहीं कर सकता। हम विधानसभा में हार गए। जब मैंने फिर से बस यात्रा शुरू की, तो तेलंगाना दहाड़ उठा। अब जो सामने आ रहा है वह अस्थायी झटका है। क्या कांग्रेस, जो उनसे पहले विपक्ष में थी, हार गई है। केसीआर ने विश्वास व्यक्त किया कि बीआरएस पार्टी भविष्य में सत्ता में वापस आएगी। केसीआर ने कहा कि वह राज्य सरकार के कार्यों से हैरान हैं। उन्होंने कहा, मैं सरकार की अक्षमता को नहीं समझ पा रहा हूं। एक सीएम स्तर का व्यक्ति कह रहा है कि हरीश राव की वजह से बिजली काट दी गई है। केसीआर ने टिप्पणी की कि सरकार ने पद छोड़ना शुरू कर दिया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हर चीज का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वे ताड़ी की दुकानों पर हमला करके ताड़ी श्रमिकों को जीवित नहीं रहने दे रहे हैं। उन्होंने महबूबनगर एमएलसी सीट जीतने के लिए पार्टी के जिला नेताओं को बधाई दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर वे जीतते हैं तो वे हताश नहीं होंगे और अगर हारते हैं तो भी वे निराश नहीं होंगे। केसीआर ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि निकट भविष्य में शासन की जिम्मेदारी फिर से उनके कंधों पर होगी।

लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुई हैं : बंडी संजय

–हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद बंडी संजय कुमार ने आज एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि 10 साल बाद भी आंदोलन की 'पानी, फंड और नियुक्तियों" की आकांक्षाएं पूरी नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीआरएस पार्टी के नक्शेकदम पर चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के साथ शासन करके तेलंगाना को कांग्रेस के बड़े नेताओं के लिए एटीएम बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि 6 गारंटियों सहित चुनावी वादों को रौंद दिया गया है। चाहे लोगों का कोई भी वर्ग हिल गया हो, लोगों में निराशा और गुस्सा है। आंदोलन की आकांक्षाओं को लागू करने के लिए भाजपा एक और लड़ाई के लिए तैयार है। मैं तेलंगाना के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे मुझे आशीर्वाद दें और मेरे साथ खड़े हों। राज्य के गठन के अवसर पर तेलंगाना के सभी लोगों को बधाई। मैं उन सभी कवियों, कलाकारों, छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, वकीलों, श्रमिकों, किसानों, महिलाओं और राजनीतिक दलों के नेताओं को बधाई देता हूं जिन्होंने एक साथ संघर्ष किया और तेलंगाना राज्य का निर्माण हासिल किया, जिसे लोगों ने शहीदों के बलिदान के साथ मिलकर लड़ा था। मैं विशेष रूप से तेलंगाना आंदोलन में भाग लेने वाले सभी लोगों, विशेष रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं, जिन्होंने लाठीचार्ज, मुकदमे, गिरफ्तारी और जेल का सहारा लिए बिना भाग लिया। संसद के अंदर और बाहर, तेलंगाना राज्य को प्राप्त करने में भाजपा की भूमिका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यदि तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने तेलंगाना राज्य के गठन का समर्थन करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। कुछ सांसदों ने संसद में तेलंगाना विधेयक को रोकने के लिए मिर्च स्प्रे का छिड़काव किया। आज हम महान नेता सुषमा स्वराज को याद करने से खुद को नहीं रोक सकते, जिन्होंने उन्हें सहन किया और विधेयक पारित किया, उन्होंने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना के गठन के 10 साल बाद भी, पानी, धन और नियुक्तियों की तेलंगाना आंदोलन की आकांक्षाओं को लागू नहीं किया गया था स्वराज्य की स्थापना के बाद, तेलंगाना के शासकों ने स्वार्थी उद्देश्यों के लिए पड़ोसी राज्य को पानी गिरवी रख दिया। समृद्ध राज्य को पूरी तरह से कर्ज के जाल में धकेल दिया गया। पेपर लीक और परीक्षा रद्द करने के नाम पर, उन्होंने नौकरी की नियुक्तियां नहीं कीं और बेरोजगार लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया। लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया है। राज्य भ्रष्टाचार, तानाशाही और परिवारवाद से तबाह हो गया है। अगर हमें खुश होना है कि बीआरएस शासकों को उखाड़ फेंका गया है और दस साल का शासन टूट गया है। सत्ता में आई कांग्रेस सरकार भी बीआरएस के रास्ते पर चल रही है। छह महीने के कांग्रेस शासन के दौरान, इसने छह गारंटी सहित चुनावी वादों को रौंद दिया। हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार किया जा रहा है। कलेश्वरम, फोन टैपिंग और वडला टेंडर सहित हर चीज में कमीशन वसूलने का काम था। कांग्रेस तेलंगाना को बड़े लोगों के लिए एटीएम में बदलकर राज्य के हितों को गिरवी रख रही है। उन्होंने कहा, 10 साल से शहीदों की आत्मा को पीड़ा हो रही है। आंदोलन की आकांक्षाएं पूरी न होने से बेचैनी और गुस्सा कार्यकर्ताओं को सताता रहता है।

हरियाणा के राज्यपाल दत्तात्रेय ने तेलंगाना स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी हैं। रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में राज्यपाल ने कहा कि काफी संघर्ष और बलिदान के बाद 2014 में तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना छात्रों, युवाओं, किसानों, मजदूरों, कलाकारों, बुद्धिजीवियों, व्यापारियों और राजनीतिक दलों के नेताओं के संघर्ष का परिणाम है।

हरियाणा के राज्यपाल ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि तेलंगाना राज्य के गठन को 10 साल हो गए हैं। राज्य स्तर पर एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन करके राज्य की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, जिसके लिए मैं नई सरकार और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को बधाई देता हूं। दत्तात्रेय ने कहा, मैं तेलंगाना राज्य के लिए संघर्ष के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले और अमर हो गए लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं। मैं तेलंगाना के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। उन्होंने आगे उम्मीद जताई कि तेलंगाना के युवा, किसान, मजदूर और हर नागरिक शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर और जरूरतमंदों के लिए रोजगार पैदा करके राज्य के विकास में योगदान देंगे। साथ ही, हम तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और इतिहास को संरक्षित करने और देश और दुनिया में इसका प्रचार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

हरीश राव ने फोन टैपिंग मामले के मुख्य आरोपी से अमेरिका में मुलाकात की : कोमाटीरेड्डी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने रविवार को सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए कहा कि बीआरएस विधायक हरीश राव ने पूर्व राज्य खुफिया प्रमुख टी प्रभाकर राव से गुप्त रूप से मुलाकात की है, जो फोन टैपिंग मामले में मुख्य आरोपी हैं और अब इलाज के बहाने अमेरिका में हैं, और उनसे भारत न आने का अनुरोध किया है। यहां मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के निर्देश पर हरीश राव 26 मई को गुप्त रूप से अमेरिका गए और प्रभाकर राव से मुलाकात की। कोमाटिरेड्डी ने कहा, हरीश राव ने कथित तौर पर प्रभाकर राव से भारत न आने का अनुरोध किया है क्योंकि उनकी गिरफ्तारी की संभावना है। इसके अलावा, केसीआर के परिवार के सदस्यों द्वारा किए गए सभी अत्याचार सामने आएंगे। बीआरएस नेताओं को डर है कि अगर प्रभाकर राव सरकारी गवाह बन गए तो पार्टी के लिए और परेशानी बढ़ जाएगी और केसीआर भी फोन टैपिंग मामले में जेल चले जाएंगे। आसन्न संकट को देखते हुए हरीश राव ने प्रभाकर राव को चिकित्सा उपचार के नाम पर कुछ और समय अमेरिका में रहने की सलाह दी है। उन्होंने तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह को एक दिन पहले आयोजित करने के लिए बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव की भी आलोचना की और केसीआर को तेलंगाना कि जिन्ना करार दिया।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने एडीजी (रेलवे और सड़क सुरक्षा) महेश एम भागवत को वर्ष 2022 स्वतंत्रता दिवस पर विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया।

हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नरेट में राज्य स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य स्वतंत्रता दिवस समारोह आज हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नरेट आईसीसीसी बिल्डिंग, रोड नंबर 12, हैदराबाद में आयोजित किया गया। परिमाला हाना नूतन आईपीएस, ज्वाइंट सीपी एडमिन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर ज्वाइंट सीपी ने सबसे पहले सभी को तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य ने आज दस साल पूरे कर लिए हैं। पुलिस विभाग के कर्मचारी नियमित प्रशिक्षण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करें। इस कार्यक्रम में सुधारानी सस्ते एडीओ, श्रीनिवासुलु, मुख्य लेखा अधिकारी, उर्मिला जेएओ, श्री वाई सत्यनारायण, डीएसपी, संचार, विजय भास्कर रेड्डी, एसीपी आईसीसीसी बिल्डिंग प्रभारी और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल में विदाई समारोह आयोजित

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 106वें एडवांस नेविगेशन कोर्स (एएनसी) और 138वें एब-इनिशियो नेविगेशन कोर्स का विदाई समारोह नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल (एनटीएस), वायु सेना स्टेशन बेगमपेट में आयोजित किया गया। एयर कमोडोर ललित कुमार जैन, अध्यक्ष, 2 वायु सेना चयन बोर्ड इस समारोह के समीक्षा अधिकारी थे। 106वें एएनसी के स्नातक पाठ्यक्रम में भारतीय नौसेना के दो अधिकारी, भारतीय तटरक्षक बल के एक अधिकारी और एक मित्र विदेशी देश के एक अधिकारी सहित सात अधिकारी शामिल थे और 138वें एब-इनिशियो नेविगेशन पाठ्यक्रम में भारतीय वायुसेना के दो फ्लाइट कैडेट और एक मित्र विदेशी देश के एक अधिकारी शामिल थे। समारोह के दौरान दोनों पाठ्यक्रमों के मेधावी प्रशिक्षुओं को ट्रॉफी, पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

आरओ ने दोनों पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन विपुल जोशी को भी बधाई दी। ये अधिकारी प्रशिक्षक के रूप में आगे बढ़ेंगे और अपनी-अपनी सेवाओं में निर्देशात्मक कार्यभार संभालेंगे। 138वें एब-इनिशियो पाठ्यक्रम के फ्लाइट कैडेट, जिन्होंने एनटीएस में अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, उन्हें 15 जून 2024 को वायु सेना अकादमी, डंडीगल में निर्धारित संयुक्त स्नातक परेड के दौरान भारतीय वायुसेना में अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

यह पिछले सात दशकों से उड़ान कैडेटों को कुशल नाविकों में बदल रहा है और भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र देशों के अधिकारियों के चयनित एविएटरों को उन्नत नेविगेशन कौशल और निर्देशात्मक तकनीक प्रदान कर रहा है।

डीजीपी कार्यालय में राज्य स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को राज्य डीजीपी कार्यालय में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। मल्टीजोन II पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जी. सुधीर बाबू ने राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया और सलामी दी।

कार्यक्रम में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) एम. रमण कुमार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी चौ. योगेश्वर राव, स्टोर डीएसपी ए. वेणुगोपाल, डीजीपी कार्यालय के कर्मचारी और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इसी क्रम में खुफिया मुख्यालय में भी तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। खुफिया अतिरिक्त डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी आईपीएस ने राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया और सलामी दी। कार्यक्रम में खुफिया कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।

ठेकेदार फर्म पर जीएसटी का छापा

पकड़ी गई 3.12 करोड़ की टैक्स चोरी

बरेली, 2 जून (एजेंसियां)। शहर के एक प्रतिष्ठान पर जीएसटी टीम कुछ दिनों से नजर रखे हुए थी। जिसके बाद शनिवार को प्रतिष्ठान पर राज्यकर की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) ने छापा मारा। जांच में 3.12 करोड़ रुपये टैक्स चोरी किए जाने की पुष्टि हुई। मौके पर 21 लाख रुपये जमा कराये गये। शेष धनराशि जमा करने के लिए ठेकेदार ने समय मांगा है। ठेकेदार को प्रतिवर्ष 80 करोड़ रुपये का सरकारी भुगतान हो रहा था।

ठेकेदार की चल रही थी पड़ताल

स्टेडियम रोड स्थित ठेकेदार नरेंद्र कुमार के प्रतिष्ठान पर शनिवार को राज्यकर की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) ने छापा मारा। जिसमें 3.12 करोड़ रुपये टैक्स चोरी पकड़ी गई। जीएसटी एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 ओपी चौबे के अनुसार ठेकेदार की फर्म सर्वश्री नरेंद्र द्वारा सरकारी संस्थानों के सिविल वर्क का ठेका लिया जाता है। टैक्स चोरी की सूचना पर संबंधित ठेकेदार की पड़ताल चल रही थी। सूचना की पुष्टि होने पर एसआईबी टीम ने प्रतिष्ठान पर जाकर जांच की।

ठेकेदार को प्रतिवर्ष 80 करोड़ रुपये का हो रहा था सरकारी भुगतान

जांच के बाद पता चला कि ठेकेदार को प्रतिवर्ष 80 करोड़ रुपये का सरकारी भुगतान हो रहा था पर वह दिल्ली में सर्कुलर ट्रेडिंग के जरिये टैक्स चोरी के उद्देश्य से पंजीकृत बोगस फर्मों से खरीद दिखाता रहा। फर्जी आईटीसी क्लेम से टैक्स का समायोजन किया। तथ्यों के आधार पर ठेकेदार ने गलती स्वीकार की। माना कि 3.12 करोड़ रुपये कम टैक्स अदा किया गया। जो टैक्स चोरी की श्रेणी में आता है। मौके पर 21 लाख रुपये जमा कराये। शेष राशि जमा करने के लिए ठेकेदार ने समय मांगा है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने पीएम मोदी का नाम लेकर क्या कह दिया ऐसा

मच सकता है घमासान, बोले- देर कर दी

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। बिहार बाबू के नाम से प्रसिद्ध सिने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि चार जून का इंतजार कीजिए। इंडी गठबंधन ऐतिहासिक जीत हासिल करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विवेकानंद राक मेमोरियल पर ध्यान- साधना, मीडिया और मतदताओं का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साधना करने में पीएम मोदी ने विलंब कर दिया है। अब उनकी विदाई तय है। पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र में कदमकुआं स्थित संत सेवरीन हाई स्कूल में उन्होंने अपने बड़े पुत्र लव कुमार सिन्हा के साथ मतदान किया।

इंडी गठबंधन वाले दिन में सपना न देखें : रविशंकर प्रसाद

वहीं, पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद ने पटना वीमेंस कालेज मतदान केंद्र पर मतदान करने के बाद कहा कि देशभर की जनता नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्थाई सरकार बनाने के लिए मतदान कर रही है। इंडी गठबंधन वाले दिन में ही सपना न देखें। रविशंकर ने कहा कि देश के किसान, व्यवसायी सहित हर वर्ग के लोग चाहते हैं कि नरेन्द्र मोदी पुनः प्रधानमंत्री बनें। भारत का विकास दर तेजी से बढ़ रहा है। आईएनडीआईए वाले बैठक कर कर सरकार बनाने का सपना न देखें।

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष की शवयात्रा निकालने के आरोपी वकीलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रयागराज, 2 जून (एजेंसियां)। जिला अदालत में वादकारी दंपती से मारपीट और सिविल जज से दुर्व्यवहार मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर सीसीटीवी फुटेज की जांच में प्रकाश में आए वकीलों और जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष के बीच रार बढ़ गई है। आरोपी बनाए गए दो वकीलों के खिलाफ जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ने एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप लगाया है कि हाईकोर्ट के अधिवक्ता रितेश श्रीवास्तव और संजीव सिंह ने उनका सांकेतिक रूप से उनकी शवयात्रा निकाली है। जान से मारने की धमकी दी है। अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मिश्रा रज्जू ने सिविल लाइंस थाने में आरोपी अधिवक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि आरोपियों ने सांकेतिक रूप से उनकी शव यात्रा निकला, जिससे उनकी प्रतिष्ठा पर आंच आई है। आरोपी अधिवक्ताओं के खिलाफ जिला अधिवक्ता संघ ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को भी पत्र लिख कर करवाई करने का अनुरोध किया है।

पटना में बीजेपी कैंडिडेट रामकृपाल यादव पर फायरिंग

सांसद बोले- मैं हिंसा की राजनीति नहीं करता; राजद विधायक रेखा देवी पर उठाए सवाल

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। पटना की पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी रामकृपाल यादव पर शनिवार 1 जून को फायरिंग की गई। जानकारी के मुताबिक, मसौढ़ी से लौटने के दौरान अज्ञात अपराधियों ने उन पर गोली चलाई। हालांकि, रामकृपाल इस हमले में बाल-बाल बच गए। उनके साथ कार में सवार एक समर्थक को चोट आई है। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। रविवार की सुबह टहलने निकले बीजेपी सांसद ने खुद पर हुई फायरिंग को लेकर कहा कि मै हिंसा की राजनीति नहीं करता। 40 सालों मे ये कोई नहीं कह सकता मैंने किसी को पत्थर मारा हो। राजद विधायक रेखा देवी पर आरोप लगाते हुए पूछा कि वो बूथ के अंदर किस अधिकार से गई थीं। रेखा देवी की तरफ से एफआईआर भी की गई, ये तो चोरी भी सीनाजोरी भी वाली बात है। मुझ पर फायरिंग की गई। मेरे समर्थक के साथ मारपीट की गई। पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई करे। वहीं एग्जिट पोल पर रामकृपाल यादव ने कहा कि मोदी जी की सरकार बन रही। मैंने भी निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा की है। जनता ने दिल खोलकर आशीर्वाद दिया है।

एक गांव के बाहर 20-25 लोगों ने हमला कर दिया- रामकृपाल

घटना के बारे में बताते हुए रामकृपाल यादव ने शनिवार को बताया था कि मुझे बूथ पर अवैध तरीके से एक महिला विधायक के घुसने की सूचना मिली थी। उसी का निरीक्षण कर लौट रहा था। इसी दौरान तिनेरी गांव में समर्थकों से मिलने गया था। अचानक पिंजड़ी गांव के बाहरी इलाके में ही 20 से 25 लोगों ने घेरकर हमला कर दिया। ईंट-पत्थर के अलावा फायरिंग भी की गई। गांव के एक समर्थक ने मुझे बचाने की कोशिश की। उसे बंदूक के बट से पीटा गया। मैं हमलावरों को नहीं जानता हूं। आज हमारे दो कार्यकर्ताओं पर हमला हुआ है।

मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

मसौढ़ी एसडीएम अमित कुमार पटेल ने बताया कि सांसद अपने कुछ समर्थकों के साथ तिनेरी गांव गए थे। चुनाव संपन्न होने के बाद अचानक उन पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया गया, जिसमें वो बाल बाल बच गए। लेकिन, उनके साथ चल रहे दो व्यक्ति घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

चलती ट्रेन से उतरने पर महिला पुलिसकर्मी की मौत, शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर हुआ हादसा

शाहजहांपुर, 2 जून (एजेंसियां)। यूपी के शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर रात में चलती ट्रेन से उतरने के दौरान गिरने से एक महिला पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीना ने रविवार को बताया कि चौक कोतवाली में तैनात महिला पुलिसकर्मी किरण कटियार (27) विसरा जांच के लिए नमूना जमा कराने के लिए मुरादाबाद गई थीं। दस्तावेज में कुछ कमी के चलते जांच का नमूना जमा नहीं किया जा सका था। उन्होंने बताया कि महिला सिपाही मुरादाबाद से अमृतसर-सुपरफास्ट ट्रेन से शाहजहांपुर लौट रही थी, लेकिन शाहजहांपुर स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव नहीं था। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षी ने चलती ट्रेन से रोजा स्टेशन पर उतरने का प्रयास किया और वह ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच में गिरकर घायल हो गईं। मीना ने बताया कि कटियार को तत्काल घायल अवस्था में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जान गंवाने वाली सिपाही मूलरूप से कानपुर जिले के बिल्हौर गांव की निवासी थी। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बीजेपी ने इलेक्शन कमीशन से की लालू यादव की शिकायत

वोटिंग के दौरान डाला था गले में आरजेडी का गमछा

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को अंति चरण के लिए वोटिंग प्रक्रिया संपन्न हो गई। इस दौरान बिहार की भी 8 सीटों पर वोटिंग हुई। इस दौरान बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने भी वोटिंग प्रक्रिया में भाग लिया। पर इसे लेकर एक विवाद खड़ा हो गया। बीजेपी ने लालू यादव के खिलाफ इलेक्शन कमीशन से शिकायत की है। ये शिकायत उनके गले में उनकी पार्टी के एक पटके को लेकर की गई है, जो वोटिंग के दौरान लालू यादव के गले में थी।

बीजेपी ने की शिकायत

बीजेपी ने शिकायती पत्र में लिखा कि सातवें और अंतिम चरण के चुनाव के दिन राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सीएम लालू प्रसाद ने अपने पार्टी राजद का चुनाव चिन्ह वाला पट्टा/गमछा गले में लपेट कर अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह प्रदर्शित करते हुए मतदान केंद्र के अंदर मतदान करने के लिए गए। जो कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 130 के प्रावधानों से बैन है। साथ ही यह चुनाव आदर्श आचार संहिता के निर्देशों का भी खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है। इस कारण लालू यादव में पर सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज की जाए और उचित कार्रवाई की जाए।

उनके साथ थी बेटी और पत्नी

इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे मतदान केंद्र में दिख रहे है। उनके साथ उनकी बेटी रोहिणी आचार्य और उनकी पत्नी राबड़ी देवी भी हैं। बीजेपी ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की है।

वेश्यावृत्ति के लिए करता है मजबूर, 8वीं पत्नी को तलाक देने वाले पति पर केस

मुरादाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद में 8वां निकाह करने के बाद गुलाबबाड़ी निवासी व्यक्ति ने पत्नी को मारपीट कर तीन तलाक दे दिया। आरोप है कि उसने पीड़िता पर देह व्यापार के लिए भी दबाव बनाया। मझोला के जयंतीपुर में रहने वाली बिहार के पूर्निया निवासी महिला के अनुसार छह साल पहले उसका निकाह कटघर थाना क्षेत्र के गुलाबबाड़ी निवासी व्यक्ति से हुआ था। पीड़िता के अनुसार निकाह के बाद उसे पता चला कि पति ने धोखा देकर उसके साथ अपना आठवां निकाह किया है। पीड़िता के अनुसार पति जुआरी और शराबी है। अपने नाजायज खर्चों को पूरा करने के लिए आरोपी पति पीड़िता को वेश्वावृत्ति के लिए मजबूर करने लगा। मना करने पर उसके साथ मारपीट करता था। बाद में उसे तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। जिसके बाद से पीड़िता मझोला के जयंतीपुर में अपनी रिश्ते की मामी के यहां रह रही है। पीड़िता के अनुसार 17 मई को दोपहर करीब तीन बजे वह अपनी मामी के घर बैठी थी उसी समय पति अपने भाई और बहनों के साथ आ गया। तीनों पीड़िता को जबरन खींचकर घर से बाहर ले जाने लगे। एसएसपी हेमराज मीणा ने मझोला एसएचओ को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे।

दिल्ली की दंपती को चाहिए था सवर्ण जाति का बच्चा

न मिला तो मजबूरी में तनुज को किया चोरी; सीमा का खुलासा

मेरठ, 2 जून (एजेंसियां)। मेरठ के लालकुर्ती पैठ बाजार से दो महीने के बच्चे तनुज को चोरी करने के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को चारों आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की तो सामने आया कि दिल्ली के दंपती को सवर्ण जाति का बच्चा चाहिए था। जब सवर्ण जाति का बच्चा नहीं मिला तो मजबूरी में तनुज को चोरी करके दिल्ली में बेचा जाना था। पकड़ी गई सीमा ने बताया कि ब्रह्माण, ठाकुर या अन्य किसी जाति का बच्चा होगा तो पैसे भी अच्छे मिलेंगे और टारगेट भी पूरा हो जाएगा। बच्चा चोरी के मामले में गिरफ्तार महिलाओं के खुलासे ने चौंका दिया है।

5 साल से लिव इन रिलेशनशिप में

सरकारी नौकरी लगने पर बॉयफ्रेंड वादे से मुकरा गर्लफ्रेंड से बोला- 5 लाख लो और पीछा छोड़ो

भागलपुर, 2 जून (एजेंसियां)। 'मैं पांच साल से बॉयफ्रेंड के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी, लेकिन जब बॉयफ्रेंड की नौकरी लगी तो वह मुझे पहचानने से भी इंकार कर रहा है, कहता है 5 लाख लो और मेरा पीछा छोड़ दो' ऐसा कहकर पिंकी (बदला हुआ नाम) सुबक-सुबक कर रोने लगती है। बॉयफ्रेंड से मिले धोखे की कहानी पिंकी ने महिला थाने के अधिकारियों को भी बताई है। बॉयफ्रेंड पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। यह मामला भागलपुर के बुद्धुचक थाना क्षेत्र का है, जहां का एक प्रेमी जोड़ा पिछले 5 साल से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा था। लेकिन फिर लड़के की नौकरी इनकम टैक्स विभाग में लग गयी तो वह शादी करने से इनकार कर दिया। पीड़िता ने बताया कि नौकरी लगते ही मेरा बॉयफ्रेंड अमन राज शादी से मुकर गया, लाख कोशिशों के बावजूद शादी के लिए राजी नहीं है। अमन ने झांसा देकर मेरे साथ 5 साल तक शारारिक संबंध बनाया।

बाल कल्याण समिति को माफी

जिला प्रोबेशन विभाग पर 50 हजार का जुर्माना

कानपुर, 2 जून (एजेंसियां)। कानपुर में नाबालिग को माता-पिता की सुपुर्दगी में देने के बजाय नारी निकेतन में रखने और बुलाने के बावजूद जवाब न देने के मामले में बाल कल्याण समिति पर लगाए गए पांच लाख रुपये के जुर्माने से समिति को माफी मिल गई है। याचिका पर हाईकोर्ट ने समिति पर लगाया जुर्माना माफ करते हुए जिला प्रोबेशन विभाग पर पचास हजार रुपये का दंड लगाया है। नाबालिग बच्ची के पिता की ओर से हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की गई थी। इस पर हाईकोर्ट में बाल कल्याण समिति या जिला प्रोबेशन विभाग की ओर से कोई भी जवाब देने नहीं पहुंचा था। नाबालिग ने हाईकोर्ट को बताया था कि वह कक्षा 7 की छात्रा है और तीन महीने से नारी निकेतन में रहने के कारण उसकी परीक्षा भी छूट गई। वह अपने पिता के साथ रहना चाहती है। नाबालिग को बेवजह रखने पर हाईकोर्ट ने बाल कल्याण समिति पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया था। समिति के अध्यक्ष निर्मल कुमार ने बताया कि हाईकोर्ट के सामने जिला प्रोबेशन अधिकारी को पहुंचना था। उन्हें कोर्ट का आदेश भी दे दिया गया था। इसके बावजूद वह नहीं पहुंचे।

जिला प्रोबेशन विभाग पर जुर्माना लगाया

इससे नाराज होकर हाईकोर्ट ने समिति पर जुर्माना लगा दिया था। समिति ने हाईकोर्ट से दोबारा सुनवाई की मांग की थी। दोबारा सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला बदलकर समिति पर लगाए जुर्माने को माफ कर दिया है और जिला प्रोबेशन विभाग पर जुर्माना लगाया है।

शहर में दोगुनी हुई दाह संस्कार की संख्या, गर्मी ने किया मौतों में इजाफा, लकड़ी हुई महंगी

लखनऊ, 2 जून (एजेंसियां)। गर्मी का प्रकोप बढ़ते ही श्मशाम घाटों पर दाह संस्कार की संख्या करीब दोगुनी हो गई है। भैंसाकुंड पर इन दिनों रोजाना 40-42 और गुलालाघाट पर 30-35 दाह संस्कार हो रहे हैं। इनमें बिजली से होने वाले दाह संस्कारों की संख्या शामिल है। भैंसाकुंड श्मशाम घाट पर पहले रोजाना 15 से 20 अंत्येष्टियां होती थीं। अब यह संख्या 40 से 42 तक पहुंच गई है। सेवादा गिरिजाशंकर व्यास बाबा ने यह जानकारी दी। ठाकुरगंज स्थित गुलाला घाट में पांच दिनों से अचानक शवों की संख्या बढ़ी है। सेवादार वीरेंद्र पांडे ने बताया कि रोजाना 30 से 35 शव आ रहे हैं। पहले यह संख्या 15-20 ही थी। गुलालाघाट के सेवादार वीरेंद्र पांडेय ने बताया कि पहले ऐशबाग से शव जलाने के लिए पांच से साढ़े पांच सौ रुपये क्विंटल की दर पर लकड़ी मिलती थी। अब यह 700 रुपये क्विंटल मिल रही है।

शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट में कढ़ाई पनीर खा रहे थे पीसीएस अधिकारी, मुंह में आ गई हड्डी

गजरौला, 2 जून (एजेंसियां)। किसी शाकाहारी व्यक्ति के लिए गलती से मांस खा लेना बहुत बड़ी बात हो जाती है। इस तरह की कई खबरें सामने आती हैं जहां कई बार ऑनलाईन फूड ऑर्डर एप से गलती हो जाती है और कस्टमर को वेज की जगह नॉन वेज खाना डिलिवर हो जाता है, लेकिन इस बार ये गलती एक नामचीन होटल से हुई जहां एक पीसीएस अधिकारी के कढ़ाई पनीर में हड्डी निकल आई। ये मामला है यूपी के अमरोहा जनपद की ओद्योगिक नगरी गजरौला का जहां के एक नामचीन होटल हवेली में खाना खाते समय उत्तराखंड राज्य के सीनियर पीसीएस अधिकारी श्रीश कुमार के कढ़ाई पनीर में हड्डी निकलने से खलबली मच गयी। इस बात से गुस्साए अधिकारी ने पहले तो होटल स्टॉफ को आड़े हाथों ले लिया ओर फिर होटल के मैनेजमेंट को। इसके बाद गुस्साए अधिकारी ने प्रशासन को इस बात की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मोके पर पहुंची खाद्य विभाग की टीम ने सेम्पल कलेक्ट कर उप जिलाधिकारी चंद्रकांता की मौजूदगी में होटल को सील कर दिया। दरअसल, उत्तराखंड के अल्मोड़ा में तैनात राजस्व पुलिस और भूलेख सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर श्रीश कुमार सीनियर पीसीएस अधिकारी हैं। इस समय वह उड़ीसा के वर्कर जिले में भटली लोकसभा के ऑब्जर्वर भी हैं।

बेकसूर को जाना पड़ा जेल

फंसाने के लिए दर्ज कराया था झूठा दुष्कर्म का केस 8 साल बाद कोर्ट ने दिया ये फैसला

एटा, 2 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में अदालत ने छेड़खानी और दुष्कर्म के आरोपी को आठ साल बाद बरी कर दिया। आठ साल बाद माथे ये कलंक हटा तो पीड़ित भावुक हो गया। उसने कहा कि न्यायालय पर पूरा भरोसा था। अदालत ने आरोपी को बरी कर दिया। वहीं वादी के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। जैथरा कस्बा निवासी एक पीड़िता ने 23 जून 2016 को जैथरा कस्बा के मोहल्ला नेहरू नगर निवासी स्वतंत्र पत्रकार सुनील कुमार सहित तीन लोगों के विरुद्ध छेड़खानी का अभियोग पंजीकृत कराया था। जैथरा के तत्कालीन थानाध्यक्ष कैलाश चंद्र दुबे ने 22 जून 2016 की कथित छेड़खानी की घटना में सुनील कुमार को 23 जून को गिरफ्तार कर 24 जून को हथकड़ी में ले जाकर जेल भेज दिया था। 16 जुलाई को जमानत पर छूटने के बाद पीड़ित पत्रकार ने तत्कालीन एसएसपी से अग्रिम विवेचना कराने का अनुरोध किया। एसएसपी के आदेश पर विवेचक ने कोर्ट की अनुमति के बाद अग्रिम विवेचना की, जिसमें सुनील कुमार की नामजदगी गलत पाई गई। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की अदालत में मुकदमें की सुनवाई शुरू हुई। पीड़िता ने कंप्यूटर स्क्रीन पर अभियुक्त को पहचानने से इन्कार कर दिया। पीड़िता की मां ने भी कथित घटना का समर्थन नहीं किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश ने सुनील सहित दूसरे आरोपी वीरेंद्र कुमार को बरी कर दिया। वहीं, कोर्ट ने वादिया द्वारा न्यायालय में झूठे साक्ष्य प्रस्तुत करने पर उसके विरुद्ध परिवाद दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट का फैसला सुनते ही सुनील भावुक हो गए। कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था।

मिल चुका है दो लाख का मुआवजा

पीड़ित पत्रकार ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत की थी थी। जहां छह साल चली लंबी जांच के बाद तत्कालीन एसएसपी अजय शंकर राय, तत्कालीन जैथरा थानाध्यक्ष कैलाश चंद्र दुबे, विवेचक मदन मुरारी द्विवेदी को दोषी पाते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए डीजीपी को आदेश दिए गए। साथ ही, प्रदेश के मुख्य सचिव को पीड़ित पत्रकार को दो लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया गया था। तत्कालीन एसएसपी उदय शंकर सिंह ने 22 मार्च 2022 को पीड़ित के खाते में दो लाख रुपये की राशि का ट्रेजरी से भुगतान करा दिया।

बर्गर में निकला काला कीड़ा तो मच गया बवाल, काउंटर पर बैठी लड़की से भिड़ गए लड़के

गाजियाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर अंबर सिनेमा के पास बिगिज पिज्जा रेस्टोरेंट के बर्गर में कीड़ा निकलने पर हंगामा हो गया। इसका वीडियो भी काफी वायरल हो रहा है। आरोप है कि कीड़ा निकलने के बाद कैशियर ने मामला दबाने की कोशिश में युवकों से अभद्रता भी की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी भी हो गई। युवकों ने रेस्टोरेंट संचालक पर खराब खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने का आरोप लगाते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग में शिकायत की है।

फर्जी आईडी पर सिमकार्ड को विदेश भेज धोखाधड़ी ऑनलाइन खाता खुलवाकर लोगों से ठगी

आगरा, 2 जून (एजेंसियां)। आज के दौर में ज्यादातर लोग स्मार्ट फोन के जरिए अपनी लाइफ को सरल बना रहे है। शॉपिंग करनी हो या बैंक खाता की जानकारी रखनी हो सब ऑनलाइन हो जाता है। आपकी इस सुविधा का शातिर ठग गलत तरीके से प्रयोग भी कर रहे हैं, जिससे लोग ऑनलाइन ठगी का शिकार हो जाते है। आज के दौर में ऑनलाइन ठगी के मामलो में इजाफा देखा गया है। बड़ी चालाकी से ठग लोगो को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाते है और उनके बैंक खाते से पैसा निकाल लेते है।

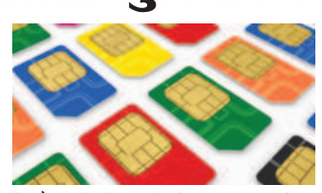

वो पैसा जिसे कड़ी मेहनत कर जोड़ा जाता है। लोगो का ऑनलाइन खाता खुलवाकर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को आगरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अभियुक्त फर्जी आईडी पर एक्टिवेटेड सिमकार्ड को विदेश भेजता था, फर्जी आईडी पर एक्टिवेटेड सिमकार्ड के जरिए लोगो को ऑनलाइन खाता खुलवाने का ऑफर दिया जाता था और ऑनलाइन खाता खुलवाकर उनके पैसे को हड़प लिया जाता था। आगरा के थाना किरावली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की एक युवक फर्जी आईडी पर एक्टिवेटेड सिमकार्ड लेने आया है जिस पर पुलिस ने दबिश दी। पुलिस ने मौके से बंटी नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्ज से पुलिस 25 एक्टिवेटेड सिम कार्ड, 6 एटीएम कार्ड और 2 पैन कार्ड बरामद हुए हैं।

शिवलिंग और ज्योतिर्लिंग के बीच क्या होता है अतंर?

हर शिव भक्त अपने जीवन काल में एक बार 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन की चाह जरूर रखता है। हिंदू धर्म में ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। कहते हैं कि ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने से व्यक्ति के जीवन के सभी दुख-तकलीफ दूर हो जाते हैं। इसके अलावा प्रतिदिन या सोमवार के दिन शिवलिंग की आराधना करने से मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रोजाना शिवलिंग पर जल अर्पित करने से महादेव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की हर इच्छा पूर्ण करते हैं। यहां आपको बता दें कि शिवलिंग और ज्योतिर्लिंग दोनों में अंतर होता है। अधिकत्तर लोगों शिवलिंग और ज्योतिर्लिंग को एक ही समझते हैं लेकिन दोनों का अर्थ अलग-अलग है। तो आइए जानते हैं शिवलिंग और ज्योतिर्लिंग के बीच अंतर के बारे में।

ज्योतिर्लिंग और शिवलिंग में क्या अंतर है?

शिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव जहां-जहां प्रकाश यानी ज्योति के रूप में प्रकट हुए उसे ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। बता दें कि कुल 12 ज्योतिर्लिंग हैं। ये ज्योतिर्लिंग देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित है। मान्यताओं के अनुसार, 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने से महादेव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

वहीं शिवलिंग उसे कहते हैं जिसे मनुष्यों द्वारा बनाया गया है या खुद प्रकट हुए हैं। शिव पुराण के मुताबिक, शिवलिंग का अर्थ अनंत होता है, जिसका कोई अंत नहीं है। भगवान शिव के प्रतीक के रूप में शिवलिंग का निर्माण भक्तों ने पूजा-पाठ और प्राण प्रतिष्ठा कर घर में स्थापित करने के लिए किया है। शिवलिंग की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और पूरे परिवार पर भोले शंकर का आशीर्वाद बना रहता है।

12 ज्योतिर्लिंग के नाम और कहां स्थित है?

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग- गुजरात (गिर सोमनाथ)
मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग- आंध्र प्रदेश (श्रीशैलम)
महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग- मध्य प्रदेश (उज्जैन)
ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग- मध्य प्रदेश (खंडवा
बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग- झारखंड (देवघर)
भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग- महाराष्ट्र
रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग- तमिलनाडु (रामेश्वरम)
नागेश्वर ज्योतिर्लिंग- गुजरात (द्वारका)
काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग- उत्तर प्रदेश (वाराणसी)
त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग- महाराष्ट्र (नासिक)
केदारनाथ ज्योतिर्लिंग- उत्तराखंड (रुद्रप्रयाग)
घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग- महाराष्ट्र (औरंगाबाद)

कल से बनने जा रहा है छह ग्रहों का महायोग

4 जून को छह ग्रहों का दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। इस दिन शनि, वरुण, मंगल, अरुण, बुध और बृहस्पति ग्रह एक साथ वृत्ताकार आकृति बनाने जा रहे हैं। ग्रहों का योग सभी 12 राशियों पर अलग-अलग तरह से प्रभाव डालेगा। तो आइए ज्योतिषी चिराग दारूवाला से जानते हैं कि छह ग्रहों का यह संयोग आपकी राशि के लिए कैसा रहेगा।

मेष - ग्रहों का यह दुर्लभ संयोग मेष राशि वालों के लिए लाभकारी रहने वाला है। आपके कई अधूरे काम पूरे होंगे और आप अपने परिवार के साथ किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। आप अपने करियर में सफल होंगे और अपने पेशेवर जीवन में भी प्रगति करेंगे। यदि आप साझेदारी में व्यापार करते हैं तो आपको लाभ होगा और आपकी प्रतिष्ठा में काफी वृद्धि होगी।

वृषभ -आपके परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है और आपको सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होगी। नौकरीपेशा लोगों का करियर मजबूत होगा। व्यवसायी अच्छा मुनाफा कमा सकेंगे और व्यापार में कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। ग्रहों के शुभ प्रभाव से पैतृक संपत्ति से लाभ होगा।

मिथुन - मिथुन राशि वाले लोगों को बिजनेस और नौकरी में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक लाभ के साथ-साथ आपको अपनी पहचान बनाने का भी प्रयास करना चाहिए। शेयर बाजार का मुनाफा आपको चौंका देगा। कड़ी मेहनत करें जिससे व्यक्तिगत और व्यावसायिक रिश्ते प्रभावित हों। हालाँकि बच्चों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

कर्क - आपको भागदौड़ और खर्चों का सामना करना पड़ेगा। आपके भरोसेमंद लोग आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे। इस अवधि में किसी भी प्रकार के ऋण संबंधी लेन-देन को नज़रअंदाज करना ही समझदारी होगी। विदेश यात्रा भी लाभदायक रहेगी। यदि आप विदेशी कंपनियों में सर्विस या नागरिकता के लिए प्रयास करना चाहते हैं तो उस दृष्टि से ग्रहों की स्थिति अनुकूल रहेगी। शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी फैसला आपके पक्ष में आने के संकेत हैं।

सिंह - सिंह राशि के जातकों के लिए ग्रहों का यह संयोग फलदायी माना जा रहा है। आपको निजी और व्यावसायिक जीवन में लाभ मिलेगा। आप सभी जिम्मेदारियां पूरी करेंगे और बुध की कृपा से आपकी बुद्धि में वृद्धि होगी। पारिवारिक और वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा और आपके आसपास का माहौल सकारात्मक रहेगा।

कन्या - कन्या राशि वालों की किस्मत चमकने की पूरी संभावना है। आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में कई लाभ मिलेंगे और आप धर्मार्थ गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में सफल रहेंगे और कई क्षेत्रों में लाभ होगा। ग्रहों के शुभ प्रभाव से आपकी कई मनोकामनाएं पूरी होंगी और आप अपनी सभी जिम्मेदारियां बखूबी निभाएंगे। परिवार में सुख, शांति और समृद्धि आएगी और संपत्ति और वाहन खरीदने की इच्छा भी पूरी होगी।

तुला - जून 2024 तुला राशि वालों के लिए वैभव और समृद्धि लेकर आ रहा है। आपकी खुशियां बढ़ेंगी और आपको मानसिक शांति मिलेगी। अगर आप स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं तो आपकी सेहत में सुधार होगा। आपको आर्थिक लाभ के कई मौके मिलेंगे और आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा। आप जिस क्षेत्र में काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी और आप अपनी सभी इच्छाओं को पूरा करने के लिए काम करेंगे। वैवाहिक और पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा और सभी सदस्यों के बीच आपसी प्रेम रहेगा।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि के जातकों की धार्मिक गतिविधियों में रुचि रहेगी और सामाजिक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। कारोबार विस्तार के लिए बनाई गई योजनाओं को पूरा करने के लिए समय अच्छा नहीं है। अगर आप रोजगार में बदलाव की योजना बना रहे हैं तो आपको काम में सफलता मिलेगी। करियर में प्रगति के लिए योजनाओं की नए सिरे से समीक्षा करेंगे और उसके अनुसार काम करेंगे।

धनु- शनि के प्रभाव से धनु राशि वालों को जीवन में महत्वपूर्ण सबक और जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ सकता है। आप अपनी माता के स्वास्थ्य और जरूरतों का विशेष ध्यान रखेंगे। शैक्षणिक प्रयासों में विजयी छात्रों के लिए समय आसान रहेगा।

मकर- मकर राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में प्रमोशन के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। व्यापारियों को भी लाभ होगा। आख़िरकार विद्यार्थियों की मेहनत रंग लाएगी। ध्यान और योग से अपनी मानसिक और शारीरिक शक्ति का ख्याल रखें।

कुंभ- इस दौरान भाग्य का साथ मिलने से आपके अधूरे काम पूरे होंगे और आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरीपेशा लोगों को किसी अन्य कंपनी से अच्छा ऑफर मिल सकता है और आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में भी सफल रहेंगे। व्यापारी नई योजनाएं बनाएंगे, जिससे व्यापार का विस्तार होगा और व्यापारिक विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। यदि परिवार में कोई कलह चल रही है तो वह इस माह समाप्त हो जाएगी और पूरा परिवार किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेगा।

मीन- मीन राशि में वरुण और मंगल मीन राशि वालों के लिए बेहतर अंतर्ज्ञान और भावनात्मक स्पष्टता ला सकते हैं। अविवाहित लोग अपने जीवनसाथी की तलाश में रहेंगे और उन्हें सफलता मिलेगी। विदेश यात्रा से आपको लाभ होगा।

घर के अंदर ना लगाएं ये कांटेवाला पौधा, होगा नुकसान लेकिन यहां लगाया तो चमक उठेगा बिजनेस

नागफनी को कैक्टस भी कहा जाता हैये पौधा सही दिशा में ही लगाना चाहिएइसे पानी और दूध से सींचना चाहिए

वास्तु शास्त्र घर के साथ साथ जीवन के लिए शुभ और अशुभ को लेकर कई जानकारियां देता है। वास्तु दोष को लेकर इसके कई नियम हैं जिनका सही तरह से पालन किया जाए तो घर परिवार में सुख शांति और समृद्धि आती है। वास्तु शास्त्र में घर के लिए शुभ और अशुभ पेड़ पौधों का भी जिक्र किया गया है। ऐसा ही एक पौधा है जिसे कांटेदार होने के चलते घर परिवार के लिए शुभ नहीं माना जाता।

वास्तु शास्त्र में कैक्टस यानी नागफनी के पौधे को घर में लगाने से मना किया जाता है। इसके पीछे का कारण है कि इस पौधे को घर के अंदर लगाने से नकारात्मकता आती है और घर में धनाभाव होने लगता है।

नागफनी को ग्रह वास्तु के लिए नकारात्मक बताया गया है। कहा जाता है कि अगर घर में कैक्टस यानी नागफनी का पौधा लगाया जाए तो घर के सदस्यों के बीच कलह होने लगता है और सुख शांति खत्म हो जाती है। इतना ही नहीं घर की शांति के साथ साथ घर की आय पर भी बुरा असर पड़ने लगता है।

लेकिन फिर भी आपने कई लोगों को कैक्टस का पौधा खरीदते देखा होगा। वो लोग कैक्टस कहां लगाते होंगे। इसका भी समाधान वास्तु में दिया गया है।

मनी प्लांट और दूध का किस्मत कनेक्शन कराएगा धनवर्षा, मां लक्ष्मी करेंगी स्थाई निवास

वास्तु कहता है कि घर के अंदर ना लगाकर अगर नागफनी के पेड़ या पौधे को घर से 100 मीटर दूर या घर से कुछ दूर की दक्षिण पश्चिम दिशा में लगाया जाए तो यह शुभ परिणाम भी देता है।

आपने बड़े बड़े घरों में देखा होगा कि लोग शोपीस के तौर पर आंगन और गलियारों में कैक्टस के पौधे रखते हैं। यहां कैक्टस के पौधे रखे जा सकते हैं लेकिन घर के अंदर इसे नहीं रखना चाहिए।

महंगे रत्नों जैसा ही चमत्कारी है तांबे का छल्ला, सबसे बड़ी कमी को करेगा कंट्रोल, लेकिन ये लोग दूर ही रहें

दरअसल वास्तु का आकलन है कि किसी कांटेदार पौधे को यदि घर के नजदीक दक्षिण पश्चिम दिशा में रखा जाए तो घर परिवार के सदस्यों के बिजनेस और नौकरी में तरक्की के योग बनते हैं।

कैक्टस को घर के नजदीक सही दिशा में लगाने के बाद इसे लगातार पानी और दूध से सींचना चाहिए जिससे ये शुभ परिणाम देता है। लेकिन इतना ध्यान रखना चाहिए कि इस पौधे को हमेशा दक्षिण पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए क्योंकि यह नैतृत्य कोण माना जाता है।

घर की इस दिशा में रखिए चांदी की मछली, हो जाएंगे मालामाल, हर तरफ से मिलेगी खुशखबरी

घर में कर लें ये छोटे-छोटे बदलाव

घर के नल से न टपकने दें पानी

अक्सर लोगों के घरों में पानी का कोई न कोई नल टपकता रहता है। वास्तु में इसे शुभ संकेत नहीं माना जाता, ऐसे होने पर आपके घर में पैसों की तंगी हो सकती है। इसलिए अगर घर का कोई नल टपक रहा है तो आपको तुरंत उसे ठीक करवा देना चाहिए। इससे वास्तु से जुड़ी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

इस दिशा को रखें खुला

घर की उत्तर दिशा और उत्तर-पूर्व दिशा को हमेशा खुला रखना चाहिए। इस दिशा में धूप और हवा आनी चाहिए। घर की इस दिशा में अगर कोई खिड़की है तो उसे सुबह के समय जरूर खुला रखें। वहीं इस दिशा को जितना साफ-सुथरा आप रखेंगे उतना ही जीवन में प्रगति के मार्ग खुलेंगे। वहीं अगर आपके घर की दक्षिण दिशा में खिड़की है तो उसके बाहर नीम का पौधा आप लगा सकते हैं, इससे भी घर का वास्तु सुधरता है।

घर में लगाएं नमक का पोछा

ऐसा माना जाता है कि अगर आप घर में नमक का पोछा लगाते हैं तो इससे भी वास्तु दोष दूर होता है। नमक का पोछा लगाकर घर में मौजूद नकारात्मकता दूर होती है और परिवार में कलह-कलेश भी नहीं होते। ये छोटा सा उपाय आपकी आर्थिक तंगी को भी दूर कर सकता है।

घर को इस तरह सजाएं

अगर आप अपने घर में सजावट की चीजें लगाते हैं तो इससे भी काफी हद तक वास्तु दोष दूर हो जाता है। आप घर में प्रकृति की सुंदरता को दर्शाती तस्वीरें लगा सकते हैं। इसके अलावा सुंदरता को बढ़ाने के लिए आप झूमर, गुलदस्ते भी अपने घर में रख सकते हैं। ये चीजें वास्तु दोष को दूर करने में तो कामयाब हैं ही, साथ ही इनके घर में होने से आप भी सकारात्मकता से भरे रहते हैं। इसके साथ ही घर के वास्तु को दूर करने के लिए धूप या कपूर जलाकर चारों दिशाओं में इसका धुआं करना चाहिए।

ऐसा हो घर का दरवाजा

घर के मुख्य दरवाजे से आपके घर और वहां रहने वाले लोगों के बारे में बहुत कुछ पता चलता है। इसलिए घर के दरवाजे को बहुत सलीके से आपको सजाना चाहिए। अगर आप दरवाजे पर ऊँ या स्वास्तिक का चिह्न बनाते हैं तो इससे घर में बरकत आती है। इसके अलावा घर के दरवाजे के सामने पौधे और फूल लगाकर भी आप घर के वास्तु को सुधार सकते हैं।

गलती से भी जूते-चप्पल रखने की जगह घर के मुख्य दरवाजे के आसपास आपको नहीं बनानी चाहिए।

जून में हुआ है जन्म?

ये खूबियां बनाएंगी आपको दूसरों से अलग

जून में जन्म लेने वालों की सूर्य राशि

जून के पहले 15 दिन तक सूर्य ग्रह वृषभ राशि में रहते हैं और उसके बाद मिथुन राशि में गोचर कर जाते हैं। इसलिए जून में जन्म लेने वाले लोगों की सूर्य राशि वृषभ या मिथुन हो सकती है। इसलिए जून महीने में जन्म लेने वाले लोग तार्किक और बुद्धिमान माने जाते हैं, मेहनत करने में ये कभी पीछे नहीं हटते।

स्वभाव- जून में सूर्य की गर्मी चरम पर होती है लेकिन इस महीने में जन्म लेने वालों के दिल में हमेशा ठंडक बनी रहती है। हर किसी से ये लोग विनम्रता से बात करते हैं, दोस्ती करने के मामले में भी काफी अच्छे होते हैं। अपने चुलबुले रवैये से ये हर महफिल की जान बन सकते हैं। एक तरफ जहां इनका मजाकिया अंदाज लोगों को हंसाता है, वहीं दूसरी ओर तार्किक बातें करके ये हर किसी को अपने ज्ञान से परिचित कराने में भी नहीं चूकते। इनकी एक खूबी ये भी होती है कि हर काम को ये बहुत ही सलीके से पूरा करते हैं, फिर चाहे उसमें आवश्यकता से अधिक समय ही क्यों न लग जाए। कई बार लोगों की गलत बातें और धारणाएं इनको क्रोधित कर सकती हैं।

पारिवारिक जीवन- जून में जन्म लेने वाले लोग परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते भी हैं और जिम्मेदारियों को निभाते भी हैं। भले ही घर-परिवार के मामलों को लेकर बहुत ज्यादा गंभीर ये आपको न दिखें लेकिन जरूरत के समय घर के लोगों का ये साथ निभाने आ ही जाते हैं। भाई-बहनों के साथ इनके संबंध सामान्य माने जाते हैं।

करियर -जून में जन्म लेने वाले लोगों की सूर्य राशि वृषभ या मिथुन होती है। इसलिए करियर के क्षेत्र में सफल होने के लिए सही क्षेत्रों का चुनाव इनको करना चाहिए। अक्सर देखा गया है कि इस महीने में जन्म लेने वाले लोगों को मीडिया, टीचिंग, बैंकिंग, राजनीति आदि के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। हालांकि अच्छी बौद्धिक क्षमता होने के कारण ये किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। जून में जन्मे लोग अपनी मीठी वाणी से सहकर्मियों के बीच काफी चर्चित हो सकते हैं। अपने अच्छे स्वभाव के कारण करियर क्षेत्र में इनको प्रगति प्राप्त होती है। इनका अच्छा स्वभाव कारोबार में भी इन्हें उन्नति दिलाता है। इसके साथ ही रचनात्मक कार्यों में भी इनको अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं।

स्वास्थ्य - जून के महीने में जन्म लेने वाले लोग त्वचा से संबंधित परेशानियों का सामना कर सकते हैं, इसलिए खानपान का विशेष ख्याल रखना चाहिए। इन लोगों को गर्म मौसम से ज्यादा ठंडे मौसम में स्वास्थ्य समस्याएं ज्यादा होती हैं। बार-बार सर्दी जुकाम की समस्या भी इनको परेशान कर सकती है।

कन्याकुमारी नाम के पीछे जुड़ी कथा

आज भी यहां देवी कर रही हैं शिव जी का इंतजार

भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में स्थित है कन्याकुमारी शहर, ये जगह हिंदू धर्म के प्रमुख आस्था केंद्रों में से एक है। तीनों ओर से समुद्र से घिरी यह जगह चोल, पांड्य और चेर शासकों के अधीन रह चुकी है। इन शासकों के शिल्प और कारीगरी की छाप आज भी यहां के स्मारकों पर आपको देखने को मिल सकती है। इस स्थान का इतिहास इन शासकों से भी बहुत पुराना है। इस जगह का नाम कन्याकुमारी पड़ने के पीछे भी एक रोचक कथा हमें सुनने को मिलती है। आज हम आपको कन्याकुमारी से जुड़ी कुछ रोचक जानकारियां और इस जगह से जुड़ी पौराणिक कथा के बारे में बताने जा रहे हैं।

कैसे पड़ा कन्याकुमारी नाम?

प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, बानासुरन (कई स्थानों पर इस राक्षस राजा का नाम बाणासुर और बानासुर भी लिखा गया है) नाम के एक असुर का वध करने के लिए माता पार्वती ने जन्म लिया था। बानासुरन को ब्रह्मा जी से ये वरदान प्राप्त था कि, उसकी मृत्यु किसी कुवांरी कन्या के द्वारा ही हो सकती है। बानासुरन को अहंकार हो गया था कि, कोई भी कुंवारी कन्या तो उसका वध कर नहीं पाएगी और बाकी सब को वो आसानी से परास्त कर पाएगा।

बानासुरन शक्ति का करने लगा दुरुपयोग

अपनी शक्ति का गलत इस्तेमाल करते हुए बानासुरन ने इंद्र को भी परास्त कर दिया और स्वर्ग को भी अपने अधीन कर दिया। इंद्र के साथ ही अग्नि, वरुण आदि देव भी बानासुरन के आतंक से परेशान होने लगे। देवताओं ने बानासुरन के आतंक से मुक्ति पाने के लिए माता शक्ति से मदद मांगी। माना जाता है कि तब माता ने धरती पर जन्म लेने का निर्णय लिया।

माता ने लिया धरती पर जन्म

बानासुरन का आतंक जब चरम पर था, तब देवी शक्ति ने उस दौर के एक प्रसिद्ध राजा भरत के घर में जन्म लिया। राजा भरत की 8 पुत्रियां और एक पुत्र था, इनमें से ही उनकी एक पुत्री थी कुमारी जो देवी का स्वरूप थीं। अंत समय में राजा ने अपने राज्य का बंटवारा किया तो उनकी पुत्री कुमारी के हिस्से में वर्तमान का कन्याकुमारी वाला क्षेत्र आया। कहा जाता है कि बचपन से ही कुमारी भगवान शिव की परम भक्त थीं। शिव से विवाह करने के लिए कुमारी ने कठोर तप किया, और उनकी तपस्या देखकर भगवान शिव भी विवाह करने के लिए मान गए। लेकिन नारद जी जानते थे कि अगर कुमारी और शिव जी का विवाह हुआ तो बानासुरन का आतंक कभी खत्म नहीं हो पाएगा।

नारद जी ने नहीं होने दिया विवाह

ऐसा माना जाता है कि, जब भगवान शिव ने कुमारी से विवाह करने के लिए शुचीन्द्रम से यात्रा शुरू की, तो नारद जी ने विवाह रोकने के लिए मुर्गे को बांग देने के लिए कहा। मुर्गे की बांग इस बात का संकेत थी कि, विवाह के लिए अब शुभ मुहूर्त निकल चुका है। मुर्गे की बांग को सुनकर भगवान शिव भी यह सोचकर रुक गए कि, अब शुभ मुहूर्त निकल चुका है। जब सही मुहूर्त पर शिव जी विवाह के लिए नहीं पहुंचे तो कुमारी को बहुत क्रोध आया, लेकिन क्रोध शांत होने के बाद यह सोचकर वो फिर से तप करने लगीं कि, उनकी तपस्या में ही कुछ कमी रह गई होगी।

बानासुरन तक पहुंची कुमारी की ख्याति

कुमारी की तपस्या और उनकी सुंदरता के बारे में जब बानासुरन को पता चला तो उसने विवाह का प्रस्ताव कुमारी के पास भेज दिया। बानासुरन के इस दुस्साहस से कुमारी बहुत क्रोधित हुईं, लेकिन इसके बावजूद भी उन्होंने बानासुरन के समक्ष ये प्रस्ताव रखा कि अगर वो युद्ध में उन्हें हरा दे तो, वो विवाह प्रस्ताव को मान लेंगी। इसके बाद बानासुरन और कुमारी के बीच एक भयानक युद्ध शुरू हुआ। युद्ध के दौरान ही बानासुरन समझ चुका था कि जिससे वो लड़ रहा है वो कोई साधारण कन्या नहीं है। अंत में कुमारी ने बानासुरन को परास्त कर दिया। मृत्यु से कुछ क्षण पहले बानासुरन को ज्ञात हुआ कि, ये कन्या कोई और नहीं बल्कि साक्षात देवी शक्ति का रूप हैं। मृत्यु से पहले बानासुरन ने अपनी गलतियों के लिए माता से क्षमा भी मांगी। माना जाता है कि इसके बाद कुमारी अपने मूल रूप में आयीं और शिव लोक को चली गईं, लेकिन कुमारी ने अम्मन मंदिर में अपनी उपस्थिति बनाए रखी। मान्यता के अनुसार, आज भी कुमारी इस मंदिर में भगवान शिव का इंतजार कर रही हैं। माता शक्ति के कुमारी रूप की याद में ही इस स्थान का नाम कन्याकुमारी पड़ा था।

कुमारी अम्मन मंदिर

कन्याकुमारी का अम्मन मंदिर कुमारी रूप को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर में भक्तों की हर मुराद पूरी होती है। इसके साथ ही आत्मचिंतन और मनन के लिए भी यहां भक्त जाते हैं। मन की सभी उलझनों को माता दूर कर देती हैं, इसलिए आध्यात्म पथ पर चलने वालों के लिए भी यह स्थान बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 3 जून- 2024

कितने सटीक होते हैं एग्जिट पोल?

लोकसभा चुनाव, 2024 का महाआयोजन खत्म हो चुका है। अब इंतजार है तो 4 जून का, जब नतीजों का ऐलान होगा। सबके मन में ऊहापोह चल रही है कि किसकी सरकार बनेगी? क्या भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बना पाएगी या इंडिया गठबंधन इस बार बाजी मारेगा। लेकिन समय के साथ अब एग्जिट पोल्स के नतीजों की भी कोई अहमियत नहीं रह गई है। इनके अनुमान कितने सटीक बैठते हैं और इनका पिछले लोकसभा चुनावों में अनुमानों का क्या इतिहास रहा है। इसको लेकर दिन भर चर्चा होती रही। बता दें कि मतदान कर चुके वोटरों से उनके पसंदीदा प्रत्याशियों या पार्टियों के बारे में जानकारी जुटाना ही एग्जिट पोल्स है। इससे देश के सियासी मिजाज को समझने में मदद मिलती है। एग्जिट पोल्स के अनुमान का बाजार पर असर पड़ता है। मजेदार बात यह है कि सरकार कभी कोई एग्जिट पोल्स नहीं कराती है। इसे केवल प्राइवेट एजेंसियां ही करती हैं। वहीं ओपिनियन पोल्स मतदान से पहले कराए जाते हैं और लोगों की राय जानी जाती है। यह वोटर्स के चुनावी रुझान को जानने की कोशिश भर होती है। भारत में पहली बार 1957 में एग्जिट पोल्स तब आए थे, जब इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन ने देश में दूसरी लोकसभा चुनावों को लेकर सर्वे किया था। उस वक्त जवाहरलाल नेहरू की सरकार थी। पहला बड़ा मीडिया सर्वे 1980 के दशक में हुआ था, जिसे इलेक्शन स्टडीज में माहिर प्रणव राय ने डेविड बटलर के साथ मिलकर किया था। 1996 में दूरदर्शन चैनल ने सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) को भारत में एग्जिट पोल्स कराने को कहा था। तभी से ओपिनियन सर्वे किए जाते हैं, जिसमें कई संगठन और निजी टीवी चैनल्स भी शामिल रहते हैं। चुनाव के आखिरी बूथ पर वोटिंग खत्म होने के 30 मिनट बाद से ही एग्जिट पोल्स जारी किए जाते हैं। एग्जिट पोल्स का मकसद चुनावों के रुझानों के बारे में जानकारी देना है। दरअसल, एग्जिट पोल्स आम आदमी के सेंटिमेंट्स को भी दर्शाते हैं। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126ए के अनुसार, चुनाव के दौरान कोई व्यक्ति किसी तरह का एग्जिट पोल न तो करा सकता है और न ही उसे प्रसारित व प्रकाशित कर सकता है। इस सेक्शन का अगर कोई उल्लंघन करता है तो उसे 2 साल तक की जेल की सजा या जुर्माना या दोनों दंड हो सकते हैं। 44 दिन तक चले इस बार लोकसभा चुनाव के नतीजों की गणना 4 जून को होनी है। बहरहाल, चुनाव आयोग के अनुसार, एग्जिट पोल्स को वोटिंग के दौरान या उससे पहले प्रकाशित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इससे वोटर्स प्रभावित हो सकते हैं। हाल के बरसों में एग्जिट पोल्स की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। 1998 के लोकसभा चुनाव के बाद कराए गए एग्जिट पोल्स अनुमान तकरीबन सटीक रहे थे। वहीं, 1999 के चुनाव में ये जरूरत से ज्यादा अनुमान रहा था। किसी ने भी चुनाव में भाजपा की जीत को लेकर अनुमान नहीं लगाया था। मगर नतीजे आने के बाद केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए गठबंधन की सरकार बनी। लोकसभा चुनाव, 2004 के नतीजों ने सभी चुनावी पंडितों को चौंका दिया था। कांग्रेस की अगुवाई वाले गठबंधन को उस समय पूरी तरह से कमतर बताया गया था। उस वक्त कहा गया था कि भाजपा की अगुवाई वाला गठबंधन यानी एनडीए सत्ता में वापसी कर रहा है। हालांकि, चुनावी नतीजों के बाद कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। 2004 का चुनाव ऐसा था, जिसने एग्जिट पोल्स को ही एग्जिट कर दिया था। यही हाल 2009 के नतीजों को लेकर रहा। सभी एग्जिट पोल्स कांग्रेस की सरकार नहीं बनवा रहे थे। जब नतीजे आए तो एग्जिट पोल्स मुंह के बल गिर पड़े। कांग्रेस की अगुवाई वाले यूपीए गठबंधन ने फिर सरकार बनाई। यूपीए को चुनावों में 2004 के 222 सीटों के मुकाबले 2009 में 262 सीटें मिली थीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में चुनावी पंडितों ने एनडीए को 257 से लेकर 340 सीटों के जीतने का अनुमान लगाया था। मगर, एनडीए ने सबको चौंकाते हुए 336 सीटें जीती थीं। कुछ एग्जिट पोल्स में कांग्रेस की सरकार बनती दिख रही थी। मगर, उस बार देश की सबसे पुरानी पार्टी महज 44 सीटों पर ही सिमट गई थी। 2019 में भी चुनावी पंडित सटीक आकलन करने में नाकाम रहे। ज्यादातर एग्जिट पोल्स ने एनडीए को करीब 285 सीटें मिलने का अनुमान लगाया था। मगर, जब नतीजे आए तो एनडीए को 353 सीटों पर जीत हासिल हुई। भाजपा ने अकेले 303 सीटें जीत ली थीं। वहीं कांग्रेस को 52 सीटें ही मिलीं। 1999 से लेकर 2019 तक पांच लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल्स सटीक तो नहीं रहे हैं। जानकारों का तर्क है कि वोट डालने के बाद भी मतदाता अपना वोट जल्दी किसी को बताना नहीं चाहते हैं और वो गोलमोल जवाब देते हैं। कुछ वोटर्स तो जान-बूझकर गलत जवाब देते हैं। इसके अलावा, मतदाताओं पर स्थानीय नेताओं का दबाव भी रहता है, जिससे वो सही जानकारी देने से बचते हैं, जिसका असर एग्जिट पोल पर पडता है।

गर्मियों में करें पशुओं की देखभाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो चुका है, गर्मी का असर इंसान के साथ-साथ मवेशियों के ऊपर भी दिखने लगा है। इस मौसम में पशुओं को लू लगने का खतरा बना रहता है साथ ही अधिक तापमान का असर दूध देने वाली मवेशियों पर होता है और उनके दूध देने की क्षमता कम हो जाती है। जिसका नुक़सान किसानों को उठाना पड़ता है। ऐसे में पशुपालकों को इस समय पशुओं की उचित देखभाल करनी चाहिए। बढ़ते तापमान को देखते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुओं को लू से बचाने के लिए एडवाइजरी भी जारी की जाने लगी है। पशुपालक को मौसम में होने वाले परिवर्तनो के अनुसार अपने पशुओं का प्रबंधन करना चाहिए जिससे उनके उत्पादन पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। गर्मी के मौसम में पशुओं के बीमार होने की संभावना बढ़ जाती है। गर्म हवाओं एवं तापमान अधिक होने पर पशुओं को लू लगने का भी खतरा बना रहता है।

भारत में पशुपालन के तहत बडे स्तर पर दुधारु पशुओं को पाला जाता है। इनमें सबसे ज्यादा गाय, भैंस, बकरी और ऊंट की तादात शामिल है। जाहिर है कि पशुपालन बेहद जिम्मेदारी वाला काम है, जिसमें समय पर पशुओं की साफ-सफाई, चारा देना, पानी देना, दुहाना और घुमाना शामिल है। लेकिन गर्मियां आते ही तपती धूप में पशुओं को लू लगने के समस्या भी घेर लेती है। हालांकि पहले से ही सावधानियां बरत के बीमारियों को पनपने से रोका जा सकता है। लेकिन फिर भी परेशानी बढ़ जाये तो समय रहते इनकी पहचान करके पशुओं को बीमार होने से बचाया जा सकता है।

हालांकि गर्मी के मौसम का दुष्प्रभाव सभी प्रजातियों के जानवरों में देखा जाता है, लेकिन गाय, भैंस और मुर्गे अधिक प्रभावित होते हैं। यह काले रंग, पसीने की ग्रंथियों की कम संख्या और भैंसों में विशेष हार्मोन के प्रभाव, और मुर्गी में पसीने की ग्रंथियों की अनुपस्थिति और शरीर के उच्च तापमान (107 F) के कारण होता है। जाहिर है कि देश में तपती धूप में कभी-कभी पारा 45 डिग्री तक चला जाता है। ऊपर से गर्म हवाओं से पशुओं को पानी की कमी और हीट-स्ट्रोक हो सकता है। अगर समय से सावधानियां बरती जाये तो बीमरियों की संभावना कम हो जाती है। लेकिन फिर भी पशु गर्मी के चलते बीमार हो जाते हैं तो इन लक्षणों से पहचान कर सकते हैं- पशु को तेज बुखार और बेचैनी होना, ठीक से आहार न लेना, तेज बुखार में हाँफना, नाक और मुंह से लार का बहना, आंखों का लाल होना और आँसू बहना, तेज सांस लेना और लड़खड़ाकर के गिरना, सुस्ती और खाना-पानी बंद कर देना। त्यधिक गर्म आर्द्र या गर्म शुष्क मौसम के दौरान, पसीने और हांफने से गर्मी को दूर करने के लिए मवेशियों की थर्मोरेगुलेटरी क्षमता से समझौता किया जाता है और गर्मी का तनाव होता है। गंभीर गर्मी के तनाव से शरीर के तापमान में वृद्धि हो सकती है, नाड़ी की दर में वृद्धि हो सकती है, परिधीय रक्त प्रवाह में वृद्धि हो सकती है, भोजन का सेवन कम हो सकता है और पानी का सेवन बढ़ सकता है। बढ़ते पारे ने दुधारू पशुओं पर बहुत दबाव डाला है और यह सबसे बुरा तब होगा जब सापेक्ष आर्द्रता 90% से अधिक हो जाएगी। मौजूदा परिस्थितियों में दूध का उत्पादन कम फीड इनटेक और अतिरिक्त हीट लोड के कारण भी कम हुआ है। हरे चारे की मात्रा बढ़ानी चाहिए और लंबे चारे को खिलाने से पहले काटना चाहिए।

पटका सदस्यता राजनीति का अध:पतन

रघु ठाकुर

भारतीय राजनीति के राजनैतिक संस्द्धति में निरंतर गिरावट हो रही है। आजादी के समय में कांग्रेस पार्टी जो देश की प्रमुख पार्टी थी, की सदस्यता के बारे में जो नियम थे वह काफी कड़े थे और जो लोग सदस्य बनते थे उनमें से सभी तो नहीं पर अधिकांश लोग अपनी पार्टी की सदस्यता को स्वीकार करते समय वचन पत्र पर हस्ताक्षर करते थे और नीति व सिद्धांतों को स्वीकार करते थे। कांग्रेस पार्टी के सदस्यता के प्रारूप में खादी पहनना अनिवार्य था और अधिकांश कांग्रेसजन इसका पालन भी करते थे। पार्टी की सदस्यता को लेकर जो स्वअनुशासन और जो निष्ठा थी उसका एक उदाहरण तत्कालीन सी.पी. एण्ड वरार के सागर जिले के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी स्व. केशवराव खांडेकर थे। खांडेकर जी पक्के गांधीवादी थे और उन्हें महाकौशल का गांधी कहा जाता था। यह भी पुराने कांग्रेसजनों के द्वारा बताया जाता रहा है कि महात्मा गांधी चाहते थे कि सी.पी. एण्ड बरार के मुख्यमंत्री खांडेकर जी बने, परंतु खांडेकर जी ने एक सिद्धांत के तौर पर बयान दिया कि अगर मुझे सर्वसम्मति से चुना जायेगा तभी मैं मुख्यमंत्री का पद स्वीकार करूंगा और इसके बाद कांग्रेस के कुछ लोगों ने सुनियोजित ढंग से एक अन्य हरिजन विधायक का नाम उछाल दिया तथा श्री खांडेकर जी ने मुख्यमंत्री बनने से इंकार कर दिया। बाद में स्व. पं. रविशंकर शुक्ला मुख्यमंत्री बने। इस घटना की पुष्टि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मोरारजी देसाई ने की थी। जब वे प्रधानमंत्री बने और मैं उनसे मिलने गया तो वह मुझसे बोले कि मैंने तय कर लिया था कि एक भी व्यक्ति मेरा विरोध करेगा तो मैं प्रधानमंत्री नहीं बनूँगा। परंतु मैंने यह किसी को बताया नहीं था वरना लोग किसी न किसी को खड़ाकर देते और तब उन्होंने स्व. खांडेकर जी की घटना मुझे सुनाई थी। स्व. खांडेकर जी का गांव सागर शहर से लगभग 18 किमी दूर था और आज से लगभग 70-80 वर्ष पूर्व वहां की स्थिति क्या रही होगी इसकी कल्पना आज नहीं की जा सकती। तब न पक्की सड़कें थीं और न वाहन होते थे और वाहनों के नाम पर ग्रामीण क्षेत्रों में बैलगाड़ियांध्घोड़ागाड़ियों का प्रयोग होता था। खांडेकर जी जिस तारीख को कांग्रेस के सदस्य बने थे उसी तारीख को वर्ष पूरा होने पर वे सदस्यता का नवीनीकरण कराने सागर आते थे यहां तक कि कई बार तो मूसलाधार बारिश होने पर भी वह गाँव पैदल चलकर आते थे और अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कराते थे। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी यद्यपि कांग्रेस का अनुषांगिक संगठन जैसा था परंतु जो लोग कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य बनते थे वे भी अपनी सदस्यता, वैचारिक प्रतिबद्धता, नीति प्रतिबद्धता के प्रति संकल्पित होते थे। उस समय कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की सदस्यता भी कैडर आधारित होती थी और जिसे हासिल करने के लिये अनेकों शर्तों को पूरा करना पड़ता था। इसी प्रकार कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता भी कैडर आधारित थी और जिसे हासिल करने के लिये वैचारिक कसौटियों को स्वीकार करना होता था।

आजादी के बाद जब सोशलिस्ट पार्टी अलग बनी तब भी पार्टी की सदस्यता की पवित्रता और कार्यकर्ताओं के आचरण का ध्यान रखा जाता था। मुझे याद है कि जब 1963-64 में मैं डॉ. लोहिया के नेतृत्व वाली सोशलिस्ट पार्टी का सदस्य बना तब भी हम लोग अपनी संस्था के प्रति बहुत गहरा सम्मान रखते थे। पार्टी का सदस्य बनना उसके लिये सदस्यता फार्म पर हस्ताक्षर करना संविधान व नीति वक्तव्य को पढ़कर उसकी स्वीद्धति देना अनिवार्य था, बाद में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी बनी तब कुछ नियम और भी कड़े बनाये गये थे। यानि सक्रिय सदस्य बनने के लिये न्यूनतम निर्धारित सदस्यों को सदस्य बनाना, जन आंदोलन में जेल जाना, पार्टी के प्रशिक्षण शिविरों में शामिल होना अनिवार्य शर्त होती थी और इसका हम लोग कड़ाई से पालन भी करते थे और अपनी सदस्यता के लिये गर्व महसूस करते थे। परंतु 1959 के बाद कांग्रेस पार्टी में सदस्यता का संबंध केवल सदस्यता शुल्क की राशि जमा करना हो गया। और पैसे वाले लोग, उद्योगपति लोगों ने या कहीं के भी राजे रजवाड़ों ने पैसा जमाकर थोक में सदस्यता लेना शुरू कर दिया। उस समय अंग्रेज के मित्रों को यह बड़ा सुखद लगता था कि उनकी तरफ से कोई सेठ हजार दो हजार, पांच हजार का शुल्क जमा करने के लिये पैसा दे रहा है। उन्हें किसी के पास जाने की तकलीफ करने की जरूरत नहीं हैऔर उस राशि के आधार पर वे संगठन के ऊपर काबिज होने लगे। यहीं से पार्टी की गिरावट शुरू हुई और अब इस अधरूपतन की स्थिति में है कि उसकी शुरुआत 1960 से शुरू हो गई थी। 60 के दशक में जनसंघ भी सदस्यता आधारित पार्टी थी उनका संगठन बंद जैसा संगठन था परंतु सदस्य उनकी पार्टी के विचारों पर प्रतिबद्ध व खरा उतरता था। उस समय जनसंघ में पैसे या धन की फर्जी सदस्यता का स्थान नहीं था, यह बात जरूर है कि उनकी पार्टी के प्रत्याशियों के चुनाव के लिये व्यापारी वर्ग के लोग भरपूर सहयोग करते थे क्योंकि वह व्यापारियों की पार्टी मानी जाती थी। कालान्तर में केवल कम्युनिस्ट पार्टी को छोड़कर जो यद्यपि बंद संगठन की पार्टी थी परंतु कैडर बेस पार्टी थी और उसकी सदस्यता संख्या में भले ही कम हो परंतु नियम, कायदों व गुणवत्ता में प्रमाणित थी। 1962-67 के बाद तो लगभग सभी राजनैतिक दलों में खुली मेम्बरशिप का काम शुरू हुआ और सदस्यता की नीतिगत प्रतिबद्धता, सदस्यों की वैचारिक प्रतिबद्धता लगभग पीछे छूट गई। बंद सदस्यता के संगठनों में कुछ बुराईयां आईं, उनका राजनैतिक पतन भी हुआ, श्जैसे प. बंगाल में सी.पी.एम.। परंतु उनका एक वैचारिक ढांचा आज भी बरकरार है, भले ही वह देश और समाज में प्रभावकारी न रहा हो परंतु मूल ढांचा तो कम से कम बचा हुआ है। जनता पार्टी तो एक बगैर संगठन के शुरू हुई थी और लगभग वैसे ही समाप्त भी हो गई थी। लोकदल और कुछ अन्य पार्टियां यथरूउ.प्र. की समाजवादी पार्टी, बिहार की आरजेडी आदि कोई भी सदस्यता आधारित पार्टियां नहीं हैं। बल्कि कुछ जातियां ही इन पार्टियों की समानार्थी बन गई। भाजपा का मूल ढांचा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नियंत्रण में रहा और इस पार्टी को बनाने में उनकी ही भूमिका है। जनता पार्टी को तोड़कर भाजपा बनाना यह संघ की अपनी जरूरत भी थी और रणनीति भी थी। पार्टियों में खुली सदस्यता शुरू होने के बाद दल के पुराने वफादार साथियों का जिन्होंने कठिन समय में पार्टी को चलाया, उनकी पूछ क्रमशरू घटती गई। मूल ढांचे के लोग अपने आपको उपेक्षित और अपमानित महसूस करने लगे। वे क्रमशरू पीछे हटते गये और सत्ता के सहारे उपजे नव धनाढ्य तबके जो अपराध, भ्रष्टाचार व कालेधन से संपन्न बना है उसने अपने भ्रष्ट पैसे की चकाचौंध, विज्ञापनों से पार्टियों के ढांचे पर कैंजा कर लिया जो पार्टियां व्यक्ति केन्द्रित रही उनमें भी आतंरिक लोकतंत्र या परिवार की प्राइवेट कंपनियां जैसी बन गई। जहां कोई विधान, नियम कायदे नहीं हैं, बल्कि जो शीर्ष पर बैठा हुआ है वही सर्वोपरि है। उसका कहा ही पार्टी का नीति व संविधान है। 1990 के दशक तक लगभग 10 वर्ष भाजपा व संगठन के फैसले उनके मातृ संगठन आरएसएस द्वारा लिये जाते थे। परंतु 1997-98 के बाद क्रमशरू भाजपा भी व्यक्ति केन्द्रित पार्टी तथा धन आधारित या उद्योगपतियों, औद्योगिक संचालित पार्टी में बदल गई और अब तो स्थिति किस चरम पतन पर पहुंची है इसकी कल्पना भी कठिन है। अन्य दलों के समान भाजपा में भी आंतरिक लोकतंत्र नहीं है, संविधान या नीति नहीं है, बल्कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुये महाप्रभु जो फतवा जारी कर दें वही पार्टी का नियम, नीति बन जाती है। 2014 में चुनाव के पूर्व सरंघ ने अपनी बैठक में तय कर श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री का प्रत्याशी घोषित किया था परंतु अब स्थिति इतनी उलट है कि संघ की भाजपा के संगठन के भीतर दखल, पकड़, अनुशासन आदि सभी कुछ समाप्त हो चुका है। अब चाहे मुख्यमंत्रियों का चयन

क्या प्राप्त करके लौटे हैं विवेकानंद स्मारक से प्रधानमंत्री ?

श्रवण गर्ग

एक लंबी चुनाव-प्रचार-यात्रा के बाद प्रधानमंत्री के लिये कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद स्मारक पर ध्यान लगाना ज़रूरी हो गया था। अपने इस एकांतवास के दौरान मोदी जो फ़ैसले लिए होंगे उनका पता चार जून के बाद ही चल पाएगा। चार जून के कुछ संकेत तो एक जून के एग्जिट पोल्स में ही देश ने पढ़ लिये हैं। मतदाताओं को अब ज़्यादा साँसें रोककर नतीजों की प्रतीक्षा नहीं करना पड़ेगी।

पिछले पाँच सालों के दौरान मोदीजी का ज़्यादा ध्यान केंद्र में भाजपा की सत्ता को मज़बूत करने और राज्यों में विपक्ष की सत्ताओं को कमज़ोर करने पर केंद्रित रहा था इसलिए वे उस ध्यान के लिए समय नहीं निकल पाए होंगे जो स्वामी विवेकानंद (जन्म नाम नरेंद्र) ने 1892 में कन्याकुमारी के इसी स्थान पर तीन दिनों के लिए किसी दिव्य अवधारणा की अनुभूति के लिए लगाया था।प्रधानमंत्री से सवाल नहीं किया जा सकता है कि ध्यान में उन्हें किस तरह की अनुभूति हुई। खबरों के मुताबिक़, ध्यान के दौरान प्रधानमंत्री के सुरक्षा इंतज़ामों में कोई दो हज़ार पुलिसकर्मियों की तैनाती स्मारक के आसपास की गई थी।

प्रधानमंत्री जब एक जून को स्मारक स्थित पूजा हॉल में ध्यान मुद्रा में रहे होंगे उनके स्वयं के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी और स्वामी विवेकानंद के जन्मस्थान कोलकाता सहित देश के 57 चुनाव क्षेत्रों में मतदान प्रारंभ हो चुका था और उनके कन्याकुमारी से वापस लौटने तक लगभग समाप्त होने को था। पिछले चुनाव के आख़िरी चरण में 18 मई के दिन मोदी ने सत्रह घंटों के लिए केदारनाथ की गुफा में ध्यान लगाया था पर तब नतीजों की तस्वीर ज़्यादा साफ़ थी।

विपक्ष ने इस बात पर आपत्ति ली थी कि अंतिम चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री इस प्रकार का उपक्रम कर रहे हैं ! 'ध्यान' का इस्तेमाल अगर राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है तो निर्वाचन आयोग द्वारा उसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाए। प्रधानमंत्री के ध्यान योग का कैमरों के ज़रिए प्रचार-प्रसार नहीं किया जाना चाहिए। विपक्षी दलों ने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री अगर चाहते तो अपना 'ध्यान' मतदान की समाप्ति के बाद एक जून की शाम से भी लगा सकते थे। देश ने देखा कि विपक्ष की माँग पर निर्वाचन आयोग द्वारा कोई संज्ञान लेने के पहले ही विभिन्न मुद्राओं में प्रधानमंत्री के ध्यान से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो दुनिया भर में जारी हो गए।

इस बात का विश्लेषण किया जा सकता है कि प्रधानमंत्री जब विवेकानंद स्मारक पर ध्यानस्थ रहे होंगे ,देश की जनता उन्हें लेकर क्या सोच रही थी ? विपक्षी दलों का ध्यान किस तरफ़ था ? वाराणसी के मतदाताओं के मन में अपने वीवीआईपी प्रत्याशी को लेकर किस तरह की उथल-पुथल चल रही थी ? केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री के ध्यान के मुहूर्तों का निर्धारण सुयोग्य ज्योतिषियों द्वारा काल-गणना के आधार पर किया गया होगा। विवेकानंद स्मारक पर बिताए गए समय की प्रधानमंत्री के जीवन के बहुमूल्य क्षणों में इसलिए गणना की जानी चाहिए कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले दावों के मुताबिक़ मोदी न तो आराम करते हैं और न छुट्टी लेते हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर रखा है। उनके द्वारा नींद लेने के घंटों के बारे में भी अलग-अलग अनुमान हैं।(प्रधानमंत्री ने अभिनेता अक्षयकुमार को एक साक्षात्कार में बताया था कि वे सिर्फ़ साढ़े तीन घंटे सोते हैं जो उनके लिए काफ़ी है। मोदी ने अक्षयकुमार से यह भी कहा था कि रिटायरमेंट के बाद वे सोचेंगे कि अपनी नींद के घंटे कैसे बढ़ाएँ।)

इसे किसी उच्च-स्तरीय आध्यात्मिक साधना का परिणाम माना जा सकता है कि एक ऐसे समय जब बची हुई 57 सीटों पर मतदान के ज़रिए सरकार का भविष्य तय हो रहा था प्रधानमंत्री बिना विचलित हुए इतने लंबे समय के लिए ध्यान में बैठे रहे होंगे ! उन्हें इस दौरान न तो मतदाताओं के रुझान और न ही मतदान के प्रतिशत को जानने में कोई रुचि रही होगी। उनका पूरा ध्यान विवेकानंद की मूर्ति और स्मारक के पूजा हॉल के एकांतवास में किसी दिव्य अनुभूति से साक्षात्कार पर ही केंद्रित रहा होगा।

प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में इस आशय का कुछ कहा था :' जब तक माँ ज़िंदा थीं तब तक लगता था बायोलॉजिकली जन्म लिया होगा। माँ के जाने के बाद कन्विंस हो चुका हूँ कि परमात्मा ने मुझे भेजा है।बायोलॉजिकल शरीर से नहीं हूँ। ईश्वर ने मुझसे कोई काम लेना तय किया है। मैं सिर्फ़ ईश्वर को समर्पित हूँ।' देश की जिज्ञासा अब ऐसे किसी चमत्कार को देखने की हो सकती है कि 132 साल पहले जिस स्थान पर तैर कर पहुँचने के बाद स्वामी विवेकानंद ने तीन दिनों का ध्यान लगाया था वहाँ से लौटने के बाद प्रधानमंत्री में किस तरह के परिवर्तन हुए हैं ! मोदी अगर तीसरी बार भी बहुमत प्राप्त करके सरकार बनाने में सफल हो जाते हैं (जैसा कि एग्जिट पोल्स संकेत देते हैं) तो भय-मिश्रित उत्सुकता के साथ प्रतीक्षा करना पड़ेगी कि उनके द्वारा विवेकानंद स्मारक पर बिताए गए 45 घंटे अगले पाँच सालों के लिए देश का कैसा भविष्य तय करने वाले हैं ! भय-मिश्रित इसलिए कि किसी आध्यात्मिक स्थल पर एक पवित्र ध्यान-साधना के उद्देश्य के लिए रवाना होने से ठीक पहले चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री के जो रूप प्रकट हुए वे निश्चित ही चिंता उत्पन्न करने वाले हैं।

(होशियारपुर (पंजाब) की अंतिम चुनावी सभा(30 मई) में मोदी ने विपक्षी गठबंधन को ललकारते हुए कहा था :' मैं चुप बैठा हूँ........गलती मत कीजियेगा मोदी को समझने में। इंडी (इंडिया गठबंधन) वाले मेरा मुँह न खुलवाएँ ! जिस दिन मुँह खोलूँगा तो आप की सात पीढ़ियों के पाप निकालकर रख दूँगा।')

नागरिकों के लिए जिज्ञासा का विषय हो सकता है कि अपने विरोधियों के प्रति इतनी नाराज़गी के साथ भी एक अत्यंत शांत स्थल पर इतने कष्ट-साध्य ध्यान-योग में सफलतापूर्वक चित्त लगा लेने के बाद प्रधानमंत्री देश के लिए क्या प्राप्त करके लौटे होंगे ? क्या सरकार के लिए इतने उत्साहवर्धक एग्जिट पोल को चार जून के पहले ध्यान-साधना की बड़ी उपलब्धि नहीं माना जा सकता ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

कैंसर के खिलाफ अनोखी जंग

निरंकार सिंह

हर साल जून के पहले रविवार को 'नेशनल कैंसर सरवाइवर डे' अर्थात राष्ट्रीय कैंसर विजेता दिवस मनाया जाता है। यह उन लोगों का सम्मेलन है, जो कैंसर के इलाज के बाद जीवित बच गये हैं। इससे उन लोगों को प्रेरणा मिलती है, जो इस बीमारी से जूझ रहे हैं। भारत में भी जिन रोगियों ने कैंसर को पराजित करके अपना जीवन बचाया है, उनमें से कुछ लोगों ने कोलकाता में एक संस्था बनायी है। यह संस्था कैंसर रोगियों के बीच जाकर जीवन के प्रति उत्साह को बढ़ाती है ताकि वे हिम्मत के साथ कैंसर का मुकाबला कर अपना जीवन बचा सके। कैंसर का शुरूआती चरण में पता लगने पर जान बचायी जा सकती है। लेकिन सिर्फ 12.5 फीसदी भारतीय ऐसे हैं जो शुरूआत में ही चिकित्सा का सहारा ले पाते हैं। इसलिए जन सामान्य में जागरूकता फैलाकर भी कैंसर से होने वाली मौतों को कम किया जा सकता है। यह संस्था यही काम कर रही है ताकि कैंसर रोगियों की जान बचायी जा सके। इसके लिए उन्होंने बकायदा कौंसिल फार कैंसर केयर (सी.सी.सी.) नामक संस्था बनायी है। कैंसर के कष्टों और कैंसर से हो रही मौतों ने ऐसा भयभीत वातावरण बना दिया है कि कैंसर की घोषणा होते ही कैंसर का रोगी यह मान लेता है कि अब तो मृत्यु निश्चित है लेकिन समय से ली गयी प्रचलित चिकित्सा की सेवाओं तथा वैकल्पिक चिकित्सा के प्रयासों ने इस धारणा को बदलने की पृष्ठभूमि रख दी है। अब कैंसर के हारने का और इंसान के जीतने का सिलसिला शुरू हो गया है। यह संस्था कैंसर की चिकित्सा में कार्यरत प्रचलित चिकित्सा व्यवस्था के साथ-साथ वैकल्पिक चिकित्सा सेवाओं की संभावनाओं के विषय में कैंसर रोगियों को अवगत कराने का अभियान चला रही है। जिसके द्वारा कैंसर को परास्त किया जा सकता है। कौंसिल फार कैंसर केयर (सी.सी.सी.) ने अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए कुछ प्रमुख बिन्दु निर्धारित किये हैं। वह कैंसर रोगियों में व्याप्त निराशा को दूर करने के साथ-साथ कैंसर के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने का अभियान चला रही है। कैंसर के कारण और बचाव के लिए जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ यह कमजोर वर्गो की सहायता के लिए भी प्रयासरत है। जब किसी को पता चलता है कि उसे कैंसर हो गया है तो उसकी प्रतिक्रिया यही होती है कि अब वह ठीक नहीं होगा और उसकी मृत्यु निश्चित है। यह संस्था तमाम ऐसे उपाय कर रही है जिसमें कैंसर रोगी और उसके परिजनों में जीवन के प्रति आशा बनी रहे और अवसाद में जाने से उन्हें बचाया जा सके।

सी.सी.सी. कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों के उस विश्वास को कि कैंसर का मतलब मृत्यु है, उनके दिल से निकालने के लिए कैंसर के विजेताओं को उदाहरण रूप में उनके सामने ला रही है जिससे उनके मन में भी यह विश्वास जगे कि हम भी इनकी तरह कैंसर पर विजय पा सकते हैं। कैंसर के जिन कारणों को कैंसर का उत्तरदायी माना जा रहा है, उसे जन-जन को अवगत कराकर सावधान और सजग रखने की दिशा में यह संस्था अभियान चला रही है। कौंसिल फार कैंसर केयर का कहना है कि कैंसर के मोर्चे पर भारतीय वैज्ञानिकों को बड़ी कामयाबी मिली है। डीएस रिसर्च सेंटर कोलकाता के वैज्ञानिकों ने खाद्य पदार्थो की पोषक ऊर्जा से उस औषधि को तैयार कर लिया है जो कैंसर कोशिकाओं पर लगाम लगाकर उसका उन्मूलन करने में सक्षम है। वैज्ञानिक परीक्षणों में भी इस औषधि के नतीजे बेहतर पाये गये हैं। कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय के नैदानिक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी) के निदेशक डा. टी.के. चटर्जी के अनुसार- 'डीएस रिसर्च सेंटर की पोषक ऊर्जा से तैयार की गई औषधि सर्वपिष्टी के पशुओं पर किये गये परीक्षण के परिणाम उत्साहजनक पाये गये हैं। यदि पशुओं के शरीर पर सर्वपिष्टी का प्रयोग किये जाने के बाद सीआरसी ने उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किये हैं तो ऐसे ही परिणाम इसे मानव शरीर पर प्रयोग करने से भी प्राप्त किये जा सकते हैं, जो कैंसर उपचार के इतिहास में युगान्तकारी घटना होगी। सीआरसी विभिन्न रोगों के लिए दवाईयों का नैदानिक परीक्षण करती है। इसी सिलसिले में उन्होंने सर्वपिष्टी का भी नैदानिक परीक्षण किया था। किसी दवाई की प्रभावकारिता का स्तर सुनिश्चित करने के लिए सामान्यतः दो प्रकार का परीक्षण किया जाता है- पहला, औषधीय (फार्माकोलॉजिकल) परीक्षण और दूसरा, विष विद्या सम्बन्धी (टोक्सीकोलॉजिकल) परीक्षण। ये परीक्षण आयातित सफेद चूहों पर किये गये। पशु शरीर में कैंसर कोशिकाओं को प्रविष्ट कराया गया और जब ट्यूमर निर्मित हो गया तब हमने दवा देना शुरू किया। 'पोषक ऊर्जा' के परीक्षण की स्थिति में 14 दिनों बाद जो प्रतिक्रियायें देखी गयीं उनमें कोशिकाओं की संख्या स्पष्ट रूप से कम होना शुरू हो गई थीं। पशु शरीर में कोई अल्सर पैदा नहीं हुआ। ट्यूमर विकास दर 46 प्रतिशत तक कम हो गई थी और दवाई की विषाक्तता लगभग शून्य थी।

नेताओं की भूख और गरीब की मजबूरी

सुरेश कुमार मिश्रा

गर्मी के दिन थे, मेरे मित्र को बहुत पसीना आ रहा था। मैंने सोचा, चलो गर्मी का असर है। लेकिन हकीकत कुछ और थी। उसने बताया कि स्थानीय दबंग विधायक के बेटे ने पचास बोरी चावल की माँग की है। न देने पर 'आगे खैर नहीं' की धमकी दी है। मैंने पूछा, "इतने बड़े विधायक के घर में खाने के लाले पड़ गए हैं क्या?" उसने कहा, "नेता लोग जोंक की तरह होते हैं। दूसरों का खून चूसने वाले भूख से नहीं मर सकते। ये तो भूख के नाम पर धंधा करते हैं।"जब मैंने पूछा कि वे इन पचास बोरी चावल का क्या करेंगे, मित्र ने कहा, "भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जरूरतमंदों में चावल बाँटकर नाम कमाना चाहते हैं। अपनी जेब से कभी एक पैसा खर्च नहीं करते, इसीलिए उन्होंने मुझे फोन किया।" मैंने कहा, "यह तो बड़ी गजब बात है। चावल दे कोई, बाँटे कोई, और नाम कमाए कोई। यह तो वही बात हुई- काम किसी का, नाम किसी का।"

फिर भी, मित्र ने पचास बोरी चावल पहुँचा दिया। अगले दिन समाचार पत्रों में विधायक जी की बड़ी मुंडी के साथ उनके लाड़ले की छोटी मुंडी भी छपी। उसमें लिखा था कि स्थानीय विधायक जी पार्टी की ओर से अपनी जेब से पैसा खर्च कर पचास बोरी चावल जरूरतमंदों में बाँट रहे हैं। विधायक जी बड़े अक्लमंद हैं। वे भविष्य के लिए मंच तैयार करने के लिए चावल बाँटने की जिम्मेदारी अपने बेटे को सौंप दी। जिले के समाचार पत्रों में बेटे की बड़ी मुंडी वाली फोटो छपी। बड़े-बड़े अक्षरों में बेटे द्वारा चावल बाँटने की बात लिखी थी। बेटा भी कहाँ कम था। उसने यह जिम्मेदारी ब्लॉक के नेताओं को सौंप दी। ब्लॉक के नेताओं ने ब्लॉक स्तर पर अपनी-अपनी मुंडियाँ ऐसे छपवाई जैसे काली माई ने नरमुंडमाला पहनी हो। उन्होंने चावल बाँटने की जिम्मेदारी लंबी जुबान लटकाए अपने पिछलग्गुओं को सौंप दी। अब पिछलग्गु थे लंबी जुबान और मोटी तोंद वाले। सो उन्होंने चावल बाँटने की जगह सारा का सारा चावल हड़प लिया।इस तरह, समाचार पत्रों के हिसाब से जरूरतमंदों में चावल बंट चुका था। विधायक जी की प्रशंसा हो रही थी। सभी समाचार पत्र उन्हीं की खबरों से पटे पड़े थे। विधायक जी की सफलता का जश्न मनाने के लिए बेटे ने स्थानीय नेताओं को आदेश दिया। स्थानीय नेताओं ने अपने पिछलग्गुओं को आदेश का पालन करने के लिए कहा। जश्न वाले दिन हड़पे हुए चावल की बिरयानी बनी। सभी नेताओं ने जमकर खाया। इस अवसर पर ब्लॉक के नेताओं ने कुछ गरीबों को डरा धमकाकर जनसभा में घसीट लाया। इन्हें दो-तीन सौ रूपये, एक बिरयानी का पैकेट और छोटे-से पौवे का लालच देकर विधायक जी की प्रशंसा करने के लिए मंच पर चढ़ा दिया गया। मंच पर चढ़े एक गरीब ने विधायक जी की प्रशंसा के पुल बाँधते हुए कहा, "हमारे विधायक जी भगवान हैं। यदि आज वे न होते तो इस लॉकडाउन में हम भूखों मर जाते।"

मैं 'यहीं' के लिए बनी थी : कृति सेनन

कृति का फिल्मी सफर 10 साल पहले फिल्म 'हीरोपंती' से शुरू हुआ था। फिल्म में डिम्पी का किरदार निभाकर उसने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। हाल ही में बॉलीवुड में एक दशक पूरा करने पर उसने एक भावुक पोस्ट शेयर की। बॉलीवुड में कृति सेनन का फिल्मी सफर बेहद सराहनीय और दिलचस्प रहा है। नॉन-फिल्मी बैकग्राऊंड से फिल्मों में कदम रखने वाली कृति ने अपने करियर में ज्यादातर सफल फिल्में दी हैं। टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'हीरोपंती' से अपने करियर का आगाज करने वाली कृति को फिल्म 'मिमी' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

कृति का फिल्मी सफर 10 साल पहले फिल्म 'हीरोपंती' से शुरू हुआ था। फिल्म में डिम्पी का किरदार निभाकर उसने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। हाल ही में बॉलीवुडमें एक दशक पूरा करने पर उसने एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर की। उसने एक वीडियो शेयर किया जो दिखाता है कि वह एक्ट्रैस बनने के लिए कितनी बेताब थी और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कितनी मेहनत की है। उसने फिल्मों के बहुत से सीन भी वीडियो में दिखाए हैं।

जब पहुंची पहली बार सैट पर वीडियो के साथ कृति ने कैप्शन में लिखा, हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किए हुए मुझे 10 साल हो गए हैं। मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा और मैजिकल दशक। ऐसा लगता है जैसे कल की बात हो, जब मैंने पहली बार फिल्म के सैट पर कदम रखा और ऐसा महसूस हुआ जैसे मैं यहीं के लिए बनी थी।

इंडस्ट्री में बने खास दोस्त

कृति ने आगे लिखा, मैंने बहुत कुछ सीखा, बड़ी हुई और एक एक्टर व एक व्यक्ति के रूप में विकसित हुई हूं। कुछ प्यारे दोस्त मिले, खूबसूरत इक्वेशन और यादें बनाई हैं, जो हमेशा मेरे चेहरे पर मुस्कुराहट लाती रहेंगी। मेरी जर्नी का हिस्सा बनने, मेरा साथ देने वाले, मुझ पर भरोसा दिखाने वाले, मुझे सिखाने वाले और कुछ दूर तक साथ चलने वाले हर शख्स की मैं शुक्रगुजार हूं।

दिया सफलता का मंत्र

कृति ने अपने चाहने वालों को उसका साथ देने के लिए धन्यवाद कहा और उनके लिए सफलता का मंत्र देते हुए लिखा, बड़े सपने देखो, खुद पर भरोसा करो, उसे सब कुछ दे दो, रिपीट करो, क्योंकि अगर मैं कर सकती हूं तो आप भी कर सकते हैं। नोट- अभी और बैस्ट आना बाकी है।

ऐसा दूल्हा चाहती है कृति

कृति इन दिनों अपने कथित ब्वॉयफ्रेंड कबीर बाहिया के साथ डेटिंग की अटकलों के कारण भी चर्चा में बनी हुई है। हालांकि, उसने अभी तक इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया है कि वह किसे डेट कर रही है। जब एक इंटरव्यू में कृति से पूछा गया कि उसे कैसा पार्टनर चाहिए तो उसने हंसते हुए कहा, मुझे नहीं पता। क्या पता जैसा मैं चाहती हूं, वैसा कोई है भी या नहीं ?

इसके बाद वह कहती है, मुझे लगता है कि हम खुद पर बहुत अधिक दबाव डालते हैं, जैसे कि मुझे यह लड़का चाहिए, ऐसा लड़का चाहिए, वैसा लड़का चाहिए। मुझे लगता है जो सही होगा मिल जाएगा। फिर उसने खुलासा किया कि वह ऐसा पार्टनर चाहती है, जो मुझे हंसा सके, जिसके साथ मेरा बहुत अच्छा बॉन्ड हो... जो घंटों मुझसे बात कर सके, जो मेरा और मेरे काम का सम्मान करे और मुझे लगता है कि ये चीजें मेरे लिए बहुत जरूरी हैं। रिश्ते में ईमानदारी होनी चाहिए। उस शख्स में अच्छा सैंस ऑफ ह्यूमर होना चाहिए और हां, उसे केयरिंग होना चाहिए। हमेशा प्यार के लिए समय निकालना चाहिए। प्यार खूबसूरत होता है... प्यार जटिल नहीं होता।

तमन्ना की है एक 'खराब आदत'

मेरी खराब आदत है कि मैं सभी को कहती हूं कि मैं हमेशा किसी भी चीज के लिए तैयार हूं, लेकिन असल में मैं रात 8 बजे के बाद कहीं जाना या कुछ करना पसंद नहीं करती। अगर मैं किसी से मिल रही हूं तो खाने का इंतजाम होना चाहिए और पार्किंग की सुविधा होनी चाहिए, लेकिन यह सब मौसम, मेरे मूड और थकान पर निर्भर करता है।

अब तक लगभग 2 दशक लम्बे अपने करियर में तमन्ना भाटिया ने बॉलीवुड से लेकर साऊथ की कई बड़ी फिल्मों में काम किया है और देश भर में उसके फैन्स मौजूद हैं। उसकी बेहतरीन फिल्मों में 'बाहुबली 2' 'एंटरटेनमेंट', 'बचली बाऊंसर', 'जेलर' जैसे कितने ही नाम शामिल हैं।

वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अवसर चर्चा में रहती है। तमन्ना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक मीम शेयर किया, जिसमें कहा गया, ₹मेरी खराब आदत है कि मैं सभी को कहती हूं कि मैं हमेशा किसी भी चीज के लिए तैयार हूं, लेकिन असल में मैं रात 8 बजे के बाद कहीं जाना या कुछ करना पसंद नहीं करती। अगर मैं किसी से मिल रही हूं तो खाने का इंतजाम होना चाहिए और पार्किंग की सुविधा होनी चाहिए, लेकिन यह सब भौसम, मेरे मूड और थकान पर निर्भर करता है।

इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर की इस बात के साथ उसने एक स्टिकर भी जोड़ा था, जिसमें एक लड़की सहमति में सिर हिला रही थी। इंटीमेट सीन के बारे में तमन्ना की राय तमत्रा बॉलीवुड के साथ-साथ साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम कर रही है। हाल ही में उसने इंटीमेट सीन्स को लेकर बात की और बताया कि इस तरह के सीन शूट करना कितना मुश्किल होता है और इसका जिक्र भी किया है कि हीरो या हीरोइन में से किसे इंटीमेट सीन फिल्माने में ज्यादा दिक्कत आती है।

तमत्रा ने फिल्मों में' नो किसिंग क्लॉज' (चुम्बन न करने की शर्त) रखी थी लेकिन उसने वैब फिल्म 'लस्ट स्टोरीज 2' के दौरान इसे तोड़ दिया, जब इसमें अपने साथ काम कर रहे रियल लाइफ ब्यॉयफ्रैंड विजय वर्मा को उसे किस करना था। इसके अलावा फिल्म 'जी करदा' में भी उसने अपनी सीधी साधी छवि को तोड़ते हुए बोल्ड अवतार दिखाया और इंटीमेट सीन्स के साथ ही सुहाई नैय्यर के साथ किस सीन किए थे। उसने बताया कि कैमरे के सामने इंटीमेट सीन शूट करना ज्यादा मुश्किल होता है लेकिन लोगों को लगता है कि हीरोइनों को ऐसे सीन शूट करने में ज्यादा दिकत होती होगी, लेकिन ऐसा नहीं है, बल्कि हीरो की ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें इस बात का ध्यान रखना होता है कि हीरोइन कम्फर्टेबल हो।

आने वाली फिल्में

तमत्रा की आने बाली फिल्मों पर नजर डालें तो इस लिस्ट में तीन फिल्में 'ओडेला 2', 'स्त्री 2' और 'बेदा' शामिल हैं। ओडेला 2' तेलुगु भाषा में सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म है, जबकि 'स्त्री 2' और 'वेदा' हिन्दी फिल्में हैं। 'स्त्री 2' में वह एक कैमियो रोल में दिखने वाली है। तमना की ये तीनों फिल्में अलग- अलग प्रोडक्शन स्टेज पर हैं। कॉमेडी-हॉरर फिल्म ने की खूब कमाई वह इन दिनों तमिल फिल्म 'अरनमनई 4' में नजर आ रही है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से अधिक कमा लिए हैं। यह 31 मई को हिन्दी में रिलीज होगी।

एक्टिंग के साथ साथ बिजनेस भी करेंगी मानुषी छिल्लर

अब उसकी सारी अपेक्षाएं अपनी पांचवीं फिल्म 'तेहरान' से जुड़ी हैं, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आएगी। दूसरी ओर उसने अभिनय के साथ ही अब बिजनैस जगत में भी कदम रख दिया है। उसने फैशन जगत की अपनी समझ का लाभ उठाने के लिए इस फील्ड में हाथ आजमाने का फैसला किया है।

वर्ष 2017 में 'मिस वर्ल्ड' का ताज पहनकर देश का मान बढ़ा चुकी मानुषी छिल्लर ने 2022 में 'यशराज फिल्म्स' की ऐतिहासिक कहानी पर बनी फिल्म 'पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अक्षय कुमार के साथ बेशक उसकी यह फिल्म सिनेमाघरों में कुछ कमाल नहीं कर सकी लेकिन उसे फिल्में मिलने का सिलसिला नहीं रुका। इसके बाद वह फिल्म 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में विक्की कौशल और 'ऑप्रेशन वैलेंटाइन' में वरुण तेज के साथ नजर आई, परंतु इनका हश्र भी बॉक्स ऑफिस पर उसकी पहली फिल्म जैसा ही हुआ।

है। खास बात है कि यह एक सस्टेनेबल स्विमवियर ब्रांड है। उसने इस ब्रांड के आधिकारिक सोशल मीडिया पेज से एक वीडियो शेयर किया, जिससे स्विमवियर कलैक्शन की झलक मिलती है।

इसमें अलग-अलग तरह की बिकिनी पहने मॉडल्स नजर आती हैं। कई रंगों और पैटर्न के साथ मानुषी ने एक ऐसा स्विमवियर कलैक्शन तैयार किया है जो गर्मियों के लिए परफैक्ट लगता है। वैबसाइट पर दिख रहे 27 उत्पादों की कीमत 1,099 से 19,999 रुपए तक है।

एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में मानुषी अपने ब्रांडकी एक आकर्षक लाल रंग की बिकिनी पहने नजर आती है। यह कोई रहस्य नहीं, कि मानुषी छिल्लर एक' वॉटर बेबी' है यानी उसे पानी और समुद्र तटों से खूब प्यार है। कमाई में कमी नहीं बेशक मानुषी की फिल्में चल न सकी हों, लेकिन अपने हुस्त्र, लुक्स और फिल्मों में अपने रोल्स के जरिए वह जमकर सुर्खियां बटोर रही है और उसकी कमाई में कोई कमी नहीं आई। रिपोर्ट्स के अनुसार मानुषी की नैटवर्थ लगभग 25 करोड़ रुपए के आसपास है। हर महीने मानुषी करीब 24 लाख रुपए की कमाई करती है।

इस साल आई उसके करियर की चौथी फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' मल्टीस्टारर थी लेकिन वह भी बुरी तरह से फ्लॉप हो गई यानी उसके करियर की अब तक चारों फिल्मों में उसे असफलता का मुंह ही देखना पड़ा है।

अब उसकी सारी अपेक्षाएं अपनी पांचवीं फिल्म 'तेहरान' से जुड़ी हैं, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आएगी। दूसरी ओर उसने अभिनय के साथ ही अब बिजनैस जगत में भी कदम रख दिया है। उसने फैशन जगत की अपनी समझ का लाभ उठाने के लिए इस फील्ड में हाथ आजमाने का फैसला किया है। उसने एक नया स्विमवियर ब्रांड लॉन्च किया

फिल्म के लिए लेती है 1 करोड़ रुपए

कहा जाता है कि मानुषी हर फिल्म के लिए 1 करोड़ रुपए फीस चार्ज करती है। वह न केवल फिल्मों, से बल्कि विज्ञापनों से भी मोटी कमाई कर लेती है।

लग्जरी कारों की शौकीन

लग्जरी कारों की शौकीन मानुषी के कार कलैक्शन में 'वोल्वो एक्ससी 90' शामिल है, जिसकी कीमत 90 लाख रुपए के आसपास है। इसके अलावा उसके पास 'मर्सीडीज बैंज' भी है, जिसकी कीमत लगभग 45 लाख रुपए है। मानुषी के पास 83 लाख की 'लैंड रोवर' और 4.48 करोड़ की 'रेंज रोवर' भी है।

रवीना का मारपीट के आरोप लगाने वाली महिला से समझौता दावा- ड्राइवर को भीड़ से बचाने के दौरान हाथापाई हुई थी

शनिवार रात को हुई एक घटना में एक्ट्रेस रवीना टंडन और उनके ड्राइवर पर शराब के नशे में एक बुजुर्ग महिला से मारपीट करने के आरोप लगे थे। पुलिस के सूत्रों की मानें तो दोनों पक्षों के बीच अब समझौता हो गया है। दोनों पक्षों की तरफ से यह लिखित में दिया गया है कि उन्हें अब एक-दूसरे से कोई शिकायत नहीं है।

यह भी जानकारी मिली है कि घटना के वक्त रवीना नशे में नहीं थीं। सीसीटीवी फुटेज में भी साफ नजर आ रहा है कि रवीना की कार से किसी को कोई चोट नहीं लगी है। बल्कि भीड़ रवीना के घर के अंदर तक घुसी थी और वहां दोनों पक्षों में हाथापाई हुई। बताया जा रहा है कि रवीना और उनके ड्राइवर के ऊपर भीड़ आक्रामक हो गई थी जिसके बाद रवीना ने अपने ड्राइवर को बचाने की कोशिश की और इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हुई।

इससे पहले पीड़िता के बेटे ने दावा किया था कि मुंबई के बांद्रा में रिजवी लॉ कॉलेज के पास उनकी मां को रवीना की गाड़ी से चोट लग गई। इसके बाद रवीना का ड्राइवर

गाड़ी से निकला और उनकी मां के साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों से भी बहस करने लगा। वह हाथापाई पर उतर आया। इसके बाद रवीना भी गाड़ी से उतरीं और उन लोगों से मारपीट करने लगीं।

वीडियो शूट ना करने की गुजारिश करती दिखीं रवीना

सामने आए इस वीडियो में रवीना को पीड़ित परिवार और लोकल भीड़ ने घेर रखा है। लोग पुलिस को बुलाने की बात कर रहे हैं। इसी बीच पीड़ित महिला की बेटी रवीना से कहती है, 'आपको पूरी रात जेल में बितानी होगी। मेरी नाक से खून बह रहा है।'

वहीं रवीना भीड़ से कहती हुई सुनाई दीं, 'प्लीज मुझे धक्का मत दो.. मुझे मत मारो..।' एक्ट्रेस वहां मौजूद भीड़ से वीडियो ना शूट करने की भी गुजारिश कर रही हैं।

रविवार सुबह पीड़ित ने थाने में मामला दर्ज कराने की कोशिश की थी लेकिन उनका कहना था कि पुलिस एक्शन लेने में सख्ती नहीं दिखा रही है। जिस महिला को चोट लगने का दावा किया जा रहा था, उसकी उम्र 70 साल बताई जा रही थी।

उसके बेटे मोहम्मद ने कहा- हम लोग अपनी बिटिया का रिश्ता तय करने कहीं बाहर निकले थे। रास्ते में रिजवी लॉ कॉलेज के पास रवीना की गाड़ी खड़ी थी। हम लोग वहां से निकल ही रहे थे तभी गाड़ी थोड़ी रिवर्स हो गई। इसकी वजह से मेरी मां को जोरदार टक्कर लग गई। हम लोगों ने आपत्ति जताई तो ड्राइवर अनाप-शनाप बकने लगा। गाड़ी में रवीना टंडन भी मौजूद थीं। वे भी गाड़ी से निकलकर हमसे बहस करने लगीं। वे शराब के नशे में चूर थीं और मेरी मां के साथ मारपीट करने लगीं।

जब रवीना की मैनेजर और उनकी टीम से बात की थी तो उन्होंने एक्ट्रेस पर लगाए गए सभी आरोपों का खंडन किया था। रवीना की मैनेजर कहा कि एक्ट्रेस ने किसी के साथ मारपीट नहीं की है। उल्टा जिन लोगों ने शिकायत की है उन्होंने रवीना को मारा है। रवीना को बहुत चोट भी आई है।

देर रात हुई इस घटना के कुछ देर बार रवीना टंडन वहां से निकल गईं थीं। पीड़ित के परिवार वाले तुरंत खार पुलिस स्टेशन पहुंचे। रवीना के पति और मशहूर ड्रिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी भी पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। उन्होंने पीड़ित परिवार के साथ मामला सुलझाने की कोशिश की, लेकिन वे केस दर्ज कराने पर अड़े रहे।

'पूनम पांडे' का वीडियो लीक करने की धमकी

पूनम पांडे को सुर्खियों में रहना अच्छे से आता है। पिछले दिनों वह सर्वाइकल कैंसर से अपनी मौत की झूठी खबर फैलाने को लेकर खूब चर्चा में रही थी और लोगों ने उसे जम कर ट्रोल भी किया था। वहीं अब उसने अपने लीक हुए एक प्राइवेट वीडियो को लेकर खुलासा किया है और फिर से चर्चा में आ गई है।

हाल ही में पूनम ने एक इंटरव्यू में अपना बाथरूम वीडियो लीक होने पर खुलासा करते हुए कहा, मुझे आज भी याद है और मैं इसे कभी नहीं भूल पाऊंगी। हम एक-दूसरे से लड़ रहे थे। मुझे खुद को बचाना था। लड़ाई के दौरान उसने ट्रिमर उठाया और मेरे चालों को ट्रिम करने जा रहा था। किसी तरह मैंने उससे ट्रिमर छीना और कमरे से भाग निकली, लेकिन मेरा फोन वहीं छूट गया था। मैं रोते-रोते घर पहुंची और पापा को सारा किस्सा सुनाया।

पूनम ने आगे कहा कि उस लड़ाई के बाद उसके

ब्वॉयफ्रेंड ने प्राइवेट वीडियो लीक करने की धमकी दी। उसने डैडी के फोन पर कॉल किया और कहा कि अगर तुम वापस नहीं आई, तो प्राइवेट वीडियो लीक कर दूंगा। उसे लगा कि यह सब कहने की बातें हैं, वह इतना नीचे नहीं गिरेगा। वह उसके पास नहीं गई तो उसने सच में वीडियो लीक कर दिया।

संजीदा शेख से एक महिला ने की थी छेड़छाड़, नाइट क्लब में हुई घटना से चौक गई थीं अभिनेत्री

'हीरामंडी' की अभिनेत्री संजीदा शेख सीरीज में अपने किरदार को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। संजीदा ने भंसाली की पहली वेब सीरीज में शानदार अभिनय किया है। दर्शक भी अभिनेत्री के अभिनय की सराहना कर रहे हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने साथ एक नाइट क्लब में एक महिला द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की घटना साझा की।

अभिनेत्री संजीदा शेख ने एक साक्षात्कार में बात करते हुए बताया कि उनके साथ जब छेड़छाड़ की घटना एक महिला के द्वारा हुई तो वह चौक गई थीं। उन्होंने बताया कि एक नाइट क्लब में एक महिला चलते हुए आई और गलत तरीके से उनके शरीर को छूने लगी। अभिनेत्री ने बताया कि वह इस घटना से हैरान रह गई थीं। संजीदा ने कहा, 'मुझे एक घटना याद है वह एक लड़की द्वारा की गई थी। मैं एक नाइट क्लब में थी। एक लड़की मेरे पास

से गुजर रही थी और उसने मेरे शरीर को छुआ और चली गई। मैं हैरान रह गई। हमने सुना था कि पुरुष गलत व्यवहार करते हैं, लेकिन लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं।

गलत को गलत कहें

अभिनेत्री ने इस दौरान कहा कि जो गलत है वो गलत है। इसका पुरुष या महिला से कोई लेना देना नहीं है। अभिनेत्री ने कहा, 'इसका पुरुषों या महिलाओं से कोई लेना-देना नहीं है, जो भी गलत है वह गलत है। अगर किसी महिला ने आपके साथ गलत किया है, तो उसे बताएं, क्योंकि मुझे लगता है कि पीड़ित होने का कार्ड खेलना ठीक नहीं है।'

पति से तलाक के बाद थीं दुखी

अभिनेत्री संजीदा शेख अपने पति आमिर अली से साल 2020 में अलग हो गई थीं। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब यह हुआ तो वह खुद को सबसे ज्यादा उदास मानती थी। हालांकि, समय के साथ सब कुछ ठीक होता गया और वह मजबूत होती गईं। अभिनेत्री ने खुद से प्यार करना शुरू कर दिया और वह अब बिल्कुल खुश हैं।

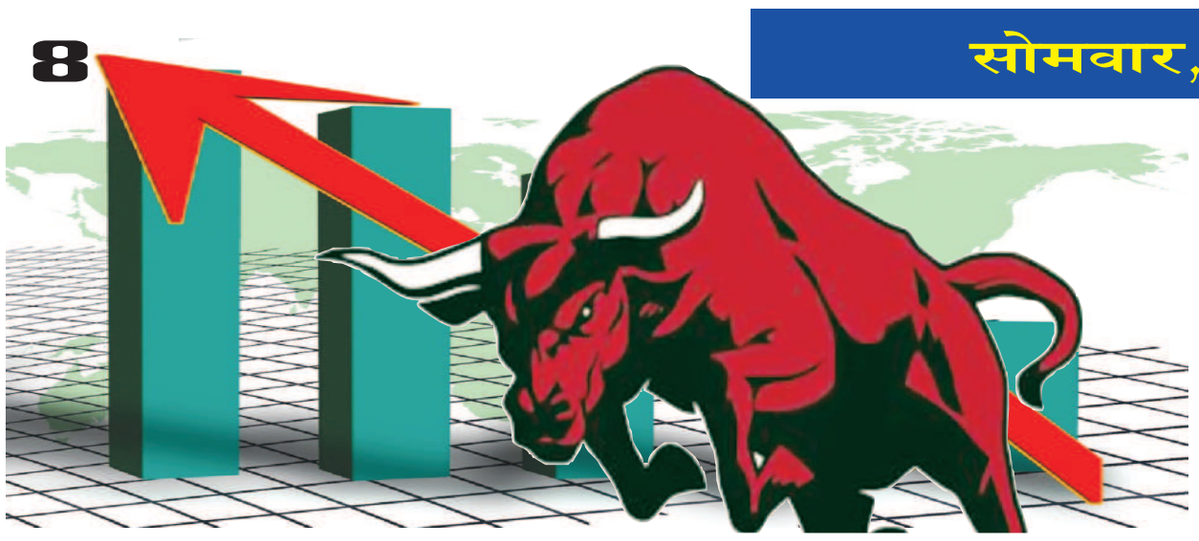

मई में जीएसटी संग्रह 10 प्रतिशत बढ़कर 1.73 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। आयात में गिरावट के बावजूद घरेलू लेनदेन से राजस्व में मजबूत वृद्धि के कारण सकल जीएसटी संग्रह मई, 2024 में सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। हालांकि, यह अप्रैल के रिकॉर्ड 2.10 लाख करोड़ रुपये के कर संग्रह की तुलना में 17.61 फीसदी कम है। मई, 2023 में सरकार को जीएसटी के जरिये 1,57,090 करोड़ की कमाई हुई थी।

वित्त मंत्रालय के शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 1,72,739 करोड़ रुपये के सकल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी की 32,409 करोड़ और राज्य जीएसटी की 40,265 करोड़ रुपये हिस्सेदारी रही। एकीकृत जीएसटी का योगदान 87,781 करोड़ रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर जुटाए 39,879 करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल उपकर संग्रह 12,284 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान घरेलू लेनदेन से राजस्व में 15.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि आयात में 4.3 फीसदी गिरावट रही।

आंकड़ों के मुताबिक, रिफंड के बाद मई के लिए शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.44 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह मई, 2023 की तुलना में 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। केंद्र सरकार ने 67,204 करोड़ रुपये के शुद्ध एकीकृत जीएसटी संग्रह से केंद्रीय जीएसटी के लिए 38,519 करोड़ और राज्य जीएसटी के लिए 32,733 करोड़ रुपये का निपटान किया।

चार वर्ष में 20 देशों तक यूपीआई पहुंचाने की तैयारी

आरबीआई चार वर्ष में यूपीआई को 20 देशों में पहुंचाने की योजना बना रहा है। हालिया सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस लक्ष्य को 2028-29 तक पूरा किया जाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस लक्ष्य के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लि. (एनआईपीएल) के साथ काम कर रहा है। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यूपीआई को बढ़ाया जा रहा है।

इसके लिए यूरोपीय संघ और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) जैसे देशों के समूह के साथ फास्ट पेमेंट सिस्टम (एफपीएस) सहयोग के साथ-साथ बहुपक्षीय संबंधों का भी पता लगाया जाएगा। इसी के तहत जुलाई 2023 में आरबीआई और यूएई के केंद्रीय बैंक ने भुगतान के बुनियादी ढांचे को आपस में जोड़ने के लिए एक समझौता ज्ञापन किया था।

अमेरिका-इंग्लैंड नहीं सिंगापुर से भारत में आया सबसे ज्यादा विदेशी निवेश

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारत को बीते वित्त वर्ष (2023-24) में सिंगापुर से सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मिला है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश में विदेशी निवेश के प्रवाह में 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, 2023-24 में सिंगापुर से एफडीआई प्रवाह 31.55 प्रतिशत घटकर 11.77 अरब डॉलर पर आ गया है, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने उस देश (सिंगापुर) से सबसे अधिक निवेश आकर्षित किया है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), केमैन आइलैंड, जर्मनी और साइप्रस सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह में कमी आई। हालांकि, नीदरलैंड और जापान से निवेश बढ़ा है। वित्त वर्ष 2018-19 से सिंगापुर, भारत के लिए ऐसे निवेश का सबसे बड़ा स्रोत रहा था। 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज्यादा एफडीआई आकर्षित किया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत-मॉरीशस कर संधि में संशोधन के बाद सिंगापुर, भारत में निवेश के लिए पसंदीदा क्षेत्र के रूप में उभरा है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि दुनिया के प्रमुख वित्तीय केंद्रों में से एक के रूप में सिंगापुर उन वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करता है जो एशिया में निवेश करना चाहते हैं। मजूमदार ने कहा, ''हाल ही में रीट विनियम 2014 में संशोधन जैसी भारत की पहल ने सिंगापुर स्थित निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। यही कारण है कि भारत को सिंगापुर से ऊंचा एफडीआई मिल सकता है।'' उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि 2024-25 के उत्तरार्ध में भारत में एफडीआई में तेजी आएगी।

विकासशील देशों में लगा रहे पैसा

सिंगापुर और मॉरीशस ऐसे क्षेत्र हैं जिनका उपयोग वैश्विक निवेशक भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अपना पैसा लगाने के लिए करते हैं। मल्होत्रा ने कहा, ''हालांकि, ऐसे कई भू-आर्थिक और राजनीतिक कारक हैं जिनकी वजह से सिंगापुर ने हाल के दिनों में अधिक महत्व हासिल की है, लेकिन भारत के लिए एफडीआई में उसके सबसे ऊपर रहने का कारण कर है।'' उन्होंने कहा कि सिंगापुर में बहुत प्रतिस्पर्धी घरेलू कर व्यवस्था है और उसका नियामकीय ढांचा काफी दक्ष है।

अगर एग्जिट पोल सही साबित हुए तो इन स्टॉक में तूफानी तेज़ी आएगी, निवेशकों के होंगे वारे न्यारे

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। यदि एग्जिट पोल सटीक होते हैं तो मोदी स्टॉक के तौर पर दिये गए स्टॉक में तेजी आ सकती है. मोदी स्टॉक उन कंपनियों या सेक्टर से हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की नीतियों और पहलों से सीधे लाभ हुआ है.

लोकसभा चुनाव परिणाम मंगलवार को घोषित किये जाएंगे, लेकिन उससे पहले एग्जिट पोल में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने का संकेत दिया गया है. अगर यह एग्जिट पोल सही साबित हुआ तो कुछ ब्रोकरेज हाउस के एनालिस्ट ने कई ऐसे स्टॉक बताए हैं, जिन्हें मोदी 3.0 सरकार बनने से फायदा होगा.

यदि एग्जिट पोल सटीक होते हैं तो मोदी स्टॉक के तौर पर दिये गए स्टॉक में तेजी आ सकती है. मोदी स्टॉक उन कंपनियों या सेक्टर से हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की नीतियों और पहलों से सीधे लाभ हुआ है, जिससे वे सरकार द्वारा संचालित विकास से लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए आकर्षक बन जाते हैं.

ग्लोबल ब्रोकरेज कंपनी सीएलएसए ने 54 स्टॉक को 'मोदी स्टॉक' कहा है, जिन्हें संभावित मोदी सरकार की नीतियों का सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है.

'मोदी स्टॉक' में से आधे स्टॉक पीएसयू स्टॉक हैं. इनमें सेक्टर और स्टॉक इस तरह हैं. डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंगः एचएएल, हिंदुस्तान कॉपर, नाल्को, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कमिंस इंडिया, सीमेंस, एबीबी इंडिया, सेल, भेल, भारत फोर्ज

इंफ्रा स्ट्रक्चर और ट्रांसपोर्ट : इंडस टावर्स, जीएमआर एयरपोर्ट्स, आईआरसीटीसी, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया

पावर और एनर्जीः एनटीपीसी, एनएचपीसी, पीएफसी, आरईसी, टाटा पावर, एचपीसीएल, गेल, जेएसपीएल, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, ओएनजीसी, कोल इंडिया, पेट्रोनेट एलएनजी, बीपीसीएल, आईओसीएल

बैंकिंग एंड फाइनेंस : एसबीआई, पीएनबी, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा

टेलीकॉमः भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया, इंडस टावर्स

अन्यः अडानी पोर्ट्स, अंबुजा सीमेंट्स, एसीसी, इंडियन होटल्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, श्री सीमेंट, द इंडिया सीमेंट्स, डालमिया भारत, द रामको सीमेंट्स.

यस सिक्योरिटीज के कार्यकारी निदेशक अमर अंबानी ने 4 जून को 18वें लोकसभा चुनाव परिणामों से पहले खरीदने लायक कई स्टॉक बताए हैं. इन स्टॉक में एनटीपीसी, टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग (टेक्सरेल), एसबीआई, जीएमआर एयरपोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और भारती एयरटेल शामिल हैं, जिनमें 26% तक संभावित रिटर्न हैं.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

चंद्र २ मंगल, सूर्य गुरु बुध २ शुक्र, राहु १२, ३, ४, ५, ११ शनि, ६ केतु, ७, ८, ९, १०

ग्रह स्थिति

सूर्य-	वृष में
चंद्र-	मेष में
मंगल	मेष में
बुध-	वृष में
गुरु-	वृष में
शुक्र-	वृष में
शनि-	कुंभ में
राहु-	मीन में
केतु-	कन्या में

लग्नारंभ समय

वृष--	04-32 बजे
मिथुन..	06-32 बजे
कर्क...	08-46 बजे
सिंह...	10-56 बजे
कन्या..	13-03 बजे
तुला.....	15-07 बजे
वृश्चिक..	17-18 बजे
धनु.....	19-31 बजे
मकर...	21-38 बजे
कुंभ....	23-28 बजे
मीन...	01-07 बजे
मेष....	02-42 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44 सूर्यास्त. - 18-44
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 00-18 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण, सोमवार 03 June
नक्षत्र - अश्विनी 00-04 तक उपरान्त भरणी
योग - सौभाग्य 09- 10 तक उप शोभन
करण- कौलव 13-29 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - अपरा एकादशी व्रत वैष्णव निंबार्क

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:20 से 08:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	05:44 - 07:20	शुभ	चंचल	18:44 - 20:09	शुभ
काल.।	07:20 - 08:58	अशुभ	रोग	20:09 - 21:31	अशुभ
शुभ.	08:58 - 10:36	शुभ	काल	21:31 - 22:52	अशुभ
रोग	10:36 - 12:14	अशुभ	लाभ	22:52 - 24:14	शुभ
उत्पात	12:14 - 13:52	अशुभ	उत्पात	24:14 - 01:36	अशुभ
चंचल	13:52 - 15:31	शुभ	शुभ	01:36 - 02:58	शुभ
लाभ	15:31 - 17:09	शुभ	अमृत	02:58 - 04:20	शुभ
अमृत	17:09 - 18:44	शुभ	चंचल	04:20 - 05:44	शुभ

रूस 1, इराक 2... भारत के साथ तेल कारोबार का गेम हुआ चेंज, अव्वल रहने वाला सऊदी अरब कहां?

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)।भारत के साथ तेल व्यापार का खेल पूरी तरह से बदल गया है। कभी भारत को तेल आपूर्ति के मामले में अव्वल रहने वाले सऊदी अरब का दबदबा कम होता जा रहा है। अलबत्ता, भारत का सबसे सबसे भरोसेमंद दोस्त रूस इस लिस्ट में टॉप पर पहुंच गया है। मई 2024 में रूस भारत को कच्चे तेल की सप्लाई करने वाले देशों में शीर्ष पर रहा। इसके बाद इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका का स्थान है। मई में भारत का रूसी तेल आयात 10 महीने के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। इसकी वजह यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूस में रिफाइनरी गतिविधि में कमी है। इसके चलते निर्यात के लिए अधिक तेल उपलब्ध हो गया। भारत को रियायती दरों पर रूसी तेल के आयात ने सऊदी अरब से होने वाले तेल के प्रवाह को काफी हद तक प्रभावित किया है।

कमोडिटी मार्केट एनालिटिक फर्म केप्लर के अनुसार, भारतीय रिफाइनर ने मई में 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी कच्चे तेल का आयात किया, जो पिछले जुलाई के बाद से सबसे अधिक है। अप्रैल के आयात से यह लगभग 3% ज्यादा है। मई भारत के रूसी तेल आयात में बढ़ोतरी का लगातार पांचवां महीना है।

सऊदी अरब से आयात में गरिावट

भारत के टॉप क्रूड सप्लायर (मई 2024)

आपूर्तिकर्ता	वॉल्यूम (हजार बीपीडी)	बाजार हिस्सेदारी %)
रूस	1959	40.9
इराक	961	20.1
सऊदी अरब	546	11.4
संयुक्त अरबअमीरात	355	7.4
अमेरिका	210	4.4
अन्य	759	15.8
कुल	4791	100

इसके उलट भारत के तीसरे सबसे बड़े क्रूड (कच्चे तेल) आपूर्तिकर्ता सऊदी अरब से तेल आयात पिछले महीने से लगभग 13% घटकर 5.5 लाख बीपीडी रह गया, जो पिछले साल सितंबर के बाद सबसे कम है। इस गिरावट की मुख्य वजह सऊदी अरब के तेल की तुलना में रूसी कच्चे तेल का किफायती होना है।

केप्लर में क्रूड एनालिसिस हेड विक्टर कैटोना ने कहा, 'यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूसी रिफाइनरियों में उत्पादन मौसमी रूप से कम रहा है। ऐसे में निर्यात के लिए बाजारों में अधिक कच्चा तेल जा रहा है।' कैटोना के मुताबिक, 'भारतीय रिफाइनरीज का सऊदी अरब से आयात कम करने का फैसला पूरी तरह से व्यावसायिक है। यह इस तथ्य को दर्शाता है कि सऊदी और रूसी बैरल के मूल्य निर्धारण में 5-6 डॉलर प्रति बैरल का अंतर बना हुआ है।'

अमेरिका से भी तेल आयात में बढ़ोतरी

मई में भारत का अमेरिका से तेल आयात भी 10 महीने के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। भारत ने 2.1 लाख बीपीडी अमेरिकी कच्चे तेल का आयात किया। यह अप्रैल के आयात से 4.5 फीसदी की बढ़ोतरी थी। पिछले जुलाई के बाद से यह सबसे अधिक है। अमेरिका से आयात में बढ़ोतरी का कारण अमेरिकी कच्चे तेल का पश्चिम एशिया के समान ग्रेड के मुकाबले तुलनात्मक रूप से सस्ता होना है।

यूक्रेन में युद्ध से पहले इराक और सऊदी अरब भारत को कच्चे तेल की आपर्ति में दो टॉप सप्लायर थे। फरवरी 2022 में रूस- यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूसी एनर्जी सप्लाई से खुद को अलग करना शुरू किया। रूस ने अपने कच्चे तेल पर छूट दी तो भारतीय रिफाइनर इन डिस्काउंट वाले बैरल्स को खरीदने लगे। भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है। वह अपनी जरूरत का 85 फीसदी तेल इंपोर्ट करता है। भारत तेल की कीमतों के प्रति बेहद संवेदनशील है। हालांकि, व्यापार स्रोतों ने संकेत दिया है कि पिछले महीनों में रूसी कच्चे तेल पर छूट काफी कम हो गई है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 6.2 फीसदी

प्राकृतिक गैस और बिजली उत्पादन बेहतर होने से बढ़ी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल, 2024 में बढ़कर 6.2 फीसदी पहुंच गई। मार्च में इन उद्योगों की वृद्धि दर 6 फीसदी और अप्रैल, 2023 में 4.6 फीसदी दर्ज की गई थी।

शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली का उत्पादन बेहतर होने से बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बढ़ी है। आंकड़ों से पता चलता है कि प्राकृतिक गैस की वृद्धि दर अप्रैल में 8.6 फीसदी रही। एक साल पहले की समान अवधि में यह 6.1 फीसदी रही थी। रिफाइनरी उत्पादों की वृद्धि दर 3.6 फीसदी से बढ़कर 3.9 फीसदी पहुंच गई। इस दौरान बिजली क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर बढ़कर 9.4 फीसदी पहुंच गई।

एक साल पहले की समान अवधि में क्षेत्र की वृद्धि दर 7.1 फीसदी रही थी। हालांकि, कोयला उद्योग की वृद्धि दर नरम पड़कर 7.5 फीसदी रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 9.1 फीसदी थी। इस्पात उद्योग की वृद्धि दर 16.6 फीसदी से घटकर 7.1 फीसदी पर आ गई। सीमेंट उद्योग की वृद्धि दर साल भर पहले के 12.4 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी के स्तर पर आ गई। सीमेंट क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर भी एक साल पहले के 9 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी रह गई।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें देख-समझकर यह खोजें कि आपको सबसे ज्यादा ऊर्जा किस्से मिलती है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपका मूड बदलता रहेगा आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं आपमें बेहतरीन प्रशिक्षक होने की प्राक्रतिक योग्यता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है आज आराम करें

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ललित मोदी फैमिली में झगड़ा, 11000 करोड़ की संपत्ति को लेकर ठनी... बेटे का आरोप- मां ने पिटवाया!

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय बिजनेस सेक्टर में बड़ा नाम रहे दिवंगत केके मोदी फैमिली की 11,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर पारिवारिक विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है. अब इस मामले में एक नया मोड़ आया है, दरअसल पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी के भाई और गॉडफ्रे फिलिप्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर समीर मोदी ने अपनी मां बीना मोदी पर उनके साथ मारपीट करवाने का गंभीर आरोप लगाया है.

मां बीना मोदी पर लगाया गंभीर आरोप

समीर मोदी की ओर से बीते शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को दी गई एक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मां बीना मोदी ने परिवार में जारी संपत्ति विवाद में लाभ उठाने के लिए उन पर हमला करवाया. बिजनेस टुडे पर छपी ईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि समीर ने अपनी मां, उनके निजी सुरक्षा अधिकारी और ग्राडफ्रे फिलिप्स के अन्य डायरेक्टर्स पर उन्हें गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया है. गौरतलब है कि बीनामोदी भी गॉडफ्रे फिलिप्स की डायरेक्टर हैं.

सिगरेट और कन्फेक्शनरी बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स के बोर्ड मेंबर होने के अलावा समीर मोदी कलरबार कॉस्मेटिक्स, 24/7 रिटेल और डायरेक्ट सेलिंग प्लेटफॉर्म मोदीकेयर के भी प्रमुख हैं. उनके मुताबिक यह सब तब हुआ, जब उनकी मां ने कंपनी में उनकी हिस्सेदारी खरीदने की पेशकश की थी. उन्होंने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे ही ऑफिस में मुझ पर हमला किया जाएगा. शेयरों के निपटान पर मामला अदालत में लंबित है, लेकिन अब मैं अभी अपनी हिस्सेदारी बिल्कुल नहीं बेचूंगा. मुझे बोर्ड से हटाने का प्रयास किया जा रहा है, जो पूरा नहीं होगा.'

'पहले से तैयार था पूरा प्लान...'

दिल्ली पुलिस को दी गई शिकायत में समीर मोदी आपबीती बताते हुए कहा है कि बीते गुरुवार को, जब मैं बोर्ड मीटिंग के लिए गया, तो मेरी मां के सुरक्षा अधिकारी ने मुझे बाहर ही रोक दिया और दर नहीं जाने दिया. जब मैंने कोशिश की, तो उसने मेरा हाथ पकड़कर मरोड़ दिया. दर्द के बावजूद, मैं बोर्ड मीटिंग में गया और फिर वहां से अस्पताल पहुंचा. मुझे संदेह है कि पूरा हमला मुझे कंपनी की बैठक में प्रवेश करने से रोकने के उद्देश्य से पहले से प्लान किया गया था.

पारिवारिक संपत्ति का बड़ा हिस्सा

रिपोर्ट में कहा गया है कि समीर मोदी के साथ मारपीट से जुड़ा ताजा घटनाक्रम दिवंगत उद्योगपति केके मोदी द्वारा छोड़ी गई 11000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर मोदी परिवार के भीतर गहराते मतभेद को उजागर करता है.

समीर मोदी ने शिकायत में यहा तक कहा कि उन्हें इस मारपीट के दौरान इतनी तेजी से धक्का दिया गया कि उनकी उंगली तक टूट गई. हालांकि, बिजनेस टुडे या आजतक इस रिपोर्ट की पुष्टि नहीं करता है. गौरतलब है कि उन्होंने कथित तौर पर अपनी मां को परिवार की संपत्ति के मैनेजमेंट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में घसीटा है. इस पारिवारिक संपत्ति में गॉडफ्रे फिलिप्स के लगभग 50% शेयर शामिल हैं, जिनकी कीमत 5,500 करोड़ रुपये से अधिक है, साथ ही मोदी समूह की अन्य फर्मों में हिस्सेदारी भी शामिल है.

कांग्रेस के बाद अब सीएम भजनलाल ने भी एग्जिट पोल के अनुमानों को नकारा

बोले- हम 25 सीटें जीत रहे हैं

लोकसभा चुनाव / एग्जिट पोल-2024/ राजस्थान / सीटें:25

एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
एबीपी-सी वोटर	21-23	1-3	00
इंडिया न्यूज डी डायनामिक	20	04	00
इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया	16-19	5-7	1-2
इंडिया टीवी-सीएनएक्स	21-23	2-4	00
जन की बात	21-23	2-4	00
न्यूज 24-टुडेज चाणक्य	22	02	00
न्यूज नेशन	22	03	00
रिपब्लिक भारत- मैट्रिज	22-24	0-3	00
इंडिया टीवी	21	04	00
टाइम्स नाऊ- ईटीजी	18	07	00
इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया	16-19	5-7	1-2
रिपब्लिक पीमारक्यू	23	2	00

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। जारी किए गए एग्जिट पोल के अनुमानों में बीजेपी देश में तीसरी बार स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाती दिख रही है। लेकिन राजस्थान में अलग-अलग एग्जिट पोल्स में 2 से लेकर 9 सीटों तक का नुकसान बीजेपी को बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विपक्ष के पास कोई पीएम चेहरा नहीं है. दिल्ली में 'आप' और कांग्रेस एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं. पंजाब और हरियाणा में क्या हुआ? वें वहां एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

सभी 25 सीटें जीतेंगे

सीएम ने कहा, ₹2014 में और 2019 में हमने सभी 25 सीटें राजस्थान में जीती थीं। अब हम 2024 में भी सभी 25 सीटें जीतेंगे। अलग-अलग एजेंसियों के अनुमान के मुताबिक औसतन एनडीए को 358 सीटों पर पहुंचा रहा है, वहीं विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की उम्मीदें 148 सीटों पर सिमटती दिख रही हैं।''

गौरतलब है कि राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों पर आए अगल-अलग एग्जिट पोल के अनुमानों में कांग्रेस को 2 से लेकर 9 सीटों तक का फायदा बताया जा रहा है। हालांकि ज्यादातर एक्जिट पोल बीजेपी को 20 से उपर सीटें दे रहे हैं। लेकिन सभी एग्जिट पोल यही बता रहे हैं कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस का खाता खुलने जा रहा है। जबकि बीते 2 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने यहां एक भी सीट नहीं जीती थी। एग्जिट पोल में टाइम्स नाऊ- ईटीजी ने बीजेपी को 18, कांग्रेस को 7 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया ने बीजेपी को 16 से 19, कांग्रेस को 5 से 7 व अन्य को 1-2 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। हालांकि कांग्रेस करीब 12 सीटों पर अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है वहीं बीजेपी 2 से 3 सीटों का नुकसान मान कर चल रही है।

एक्जिट पोल पर अशोक गहलोत ने उठाए सवाल

मोदी के डर में भाजपा को एकतरफा जीतता हुआ दिखाया जा रहा

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। देश में लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले मीडिया संस्थानों ने अपने-अपने एक्जिट पोल जारी किए है। जिसके बाद राजनीतिक पार्टियां भी जीत का दावा कर रही है। इसी कड़ी में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्जिट पोल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल परसों की पब्लिक रैली में किया था। उसी डर में भाजपा को एकतरफा जीतता हुआ दिखा रहे हैं।'

मोदी के डर में मीडिया का एक्जिट पोल- गहलोत

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्जिट पोल आने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल परसों की पब्लिक रैली में किया था उसी का असर आज एग्जिट पोल्स में दिख रहा है और चैनल उसी डर में भाजपा को एकतरफा जीतता हुआ दिखा रहे हैं। जनहित इसी में है कि एग्जिट पोल्स का हाल 2004 की तरह हो।'

बता दें कि पंजाब में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पीएम नरेंद्र मोदी होशियारपुर में पहुंचे थे। जहां वे रामलीला ग्राउंड में इंडिया गठबंधन पर खूब बरसे।

मोदी ने कहा था कि मैं अभी चुप बैठा हूं, जिस दिन मोदी मुंह खोलेगा तुम्हारी सात पीढ़ी का हिसाब निकाल कर बाहर रख देगा।

आरटीई प्रवेश 2024 : सरकार अगर नहीं देगी भुगतान तो प्रवेश नहीं, स्कूल एसोसिएशन का एलान

उदयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। शिक्षा का अधिकार यानि आरटीई के तहत निजी स्कूलों में फ्री प्रवेश के लिए 13 मई को ऑनलाइन लॉटरी निकाली गई। अब छात्रों को स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा का अधिकार मिल सकेगा। पर उदयपुर में आरटीई की समस्याओं को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर्स एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन, उदयपुर एवं सलूंबर जिला प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में प्राइवेट स्कूल की मुख्य समस्याओं को लेकर बैठक हुई। सचिव डॉ उपेन्द्र रावल ने वर्तमान में आ रही चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ कर दो मुख्य बिंदुओं पर निर्णय की आवश्यकता बताई। अध्यक्ष जितेश श्रीमाली ने बताया कि आरटीई के अंतर्गत कक्षा नर्सरी का सरकार द्वारा भुगतान नहीं किया जाएगा तो अभिभावकों को भुगतान करना होगा व नहीं देने की स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा।

लीगल बोर्ड रैपिड एक्शन फोर्स का होगा गठन

साथ ही अध्यक्ष जितेश श्रीमाली ने यह भी निर्णय लिया कि गत वर्ष आरटीई के अंतर्गत इन कक्षाओं में प्रवेशित विद्यार्थियों को भी सरकार द्वारा भुगतान नहीं करने की स्थिति में निकाला जाएगा। एक लीगल बोर्ड रैपिड एक्शन फोर्स का गठन किया गया, इसमें महावीर विद्या मंदिर के निदेशक गजेंद्र मेहता, क्यूरियस किड्स के निदेशक अभय जैन और गायत्री स्कूल के प्रेम पुष्करणा को मनोनीत कर आने वाली परेशानियों को कोर्ट में ले जाकर हल निकालने को कहा गया।

बांसवाड़ा जिले में है सोने का भंडार, खुदाई के बाद रोजगार में आएगा बूम

5 जून के बाद होगा बड़ा एलान

बांसवाड़ा, 2 जून (एजेंसियां)। बस 5 जून का इंतजार है। आचार संहिता हटने के बाद राजस्थान सरकार तय कर देगी कि बांसवाड़ा में कौन सी कंपनी सोने का खनन करेगी। कर्नाटक, रतलाम, उदयपुर, अहमदाबाद और छत्तीसगढ़ की 5 कंपनियां घाटोल क्षेत्र के भूकिया व काकरिया में 943 हैक्टेयर खनन के लिए आवेदन कर चुकी हैं। स्वर्ण का भंडार की जानकारी सामने आने के बाद खनन कंपनी तय होने में करीब 33 साल का समय लग गया है। वहीं सोना निकलने में करीब 7 साल का समय और लगने का अनुमान है।

इसके बाद बांसवाड़ा, स्वर्ण खनन करने वाले देश के 4 चुनिंदा जिलों में शामिल हो जाएगा। अभी कर्नाटक के 2, बिहार और आंध्र प्रदेश एक एक जिले में खनन हो रहा है। हमारे यहां पर रेत के छोटे-छोटे कण रूप में सोना मिलेगा, जिसे अन्य रूप के मुकाबले निकालने में लागत कम आएगी। देश में जितना भी स्वर्ण खनन होता है उसमें हमारी हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत हो जाएगी।

खनन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी का नाम तय होने के बाद कई प्रकार एनओसी व अन्य कागजात तैयार कराने होते हैं। करोड़ों रुपए की राशि सरकार को जमा होनी है। इसमें ही करीब 2 वर्ष का समय लग जाएगा। इसके बाद कंपनी यह तय करेगी कि वह खनन कैसे करेगी, जैसे टनल बना या फिर कुएं के जरिए इसके बाद रिफाइनरी लगाएगी। किस तरह की रिफाइनरी होगी और जमीन पर इन चीजों को आने में करीब 5 साल का समय लग ही जाएगा। इससे बांसवाड़ा ही नहीं राज्य की अर्थव्यवस्था में भी परिवर्तन आएगा। कई प्रकार के उद्योग धंधे खुलेंगे इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 11 जनवरी को बांसवाड़ा में स्वर्ण खनन के लिए सभी तैयारियों के निर्देश दिए थे। तत्कालीन सचिव आनंदी को इसका जिमा सौंपा गया। साथ ही ऑक्शन का काम उदयपुर खनन निदेशक को दिया गया। इसके बाद बांसवाड़ा के भूकिया के 2 ब्लॉक का ऑक्शन कर दिया गया। पर खनन का मौका किस कंपनी को मिलेगा उसके खुलासा आचार संहिता के कारण रोक दिया गया है। फाइल पर लिखा गया है कि कॉफिडेंसल ड्यू टू इलेक्शन। विभागीय अधिकारियों को माने तो नाम तय हो चुके हैं। आचार संहिता हटते ही नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

नए रोजगार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर होंगे प्राप्त

बांसवाड़ा से जो अयस्क निकलेंगे उससे देश और प्रदेश में इलेक्ट्रोनिक, पेट्रोलियम, पेट्रोकेमिकल, बैटरी, एयर बैग सहित कई उद्योगों में नए निवेश के अवसर पैदा होंगे। नए रोजगार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर प्राप्त होंगे। कॉपर का इलेक्ट्रोनिक क्षेत्र में कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ेगी। वहीं निकल से बैटरी उद्योग, सिक्कों की ढलाई, इलेक्ट्रोनिक उद्योग आदि को बूम मिलेगा। कोबाल्ट एयर बैग, पेट्रोकेमिकल उद्योग आदि में उपयोग आ सकेगा और इनके कच्चे माल की आपूर्ति के लिए विदेशों पर निर्भरता कम होगी।

भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने सबसे पहले 1990-91 में यहां का सर्वे किया था। इसमें पहली बार स्वर्ण के संकेत मिले थे। इस पर 69.658 वर्ग किलोमीटर के तीन ब्लॉक एक्सप्लोरेशन के लिए आरक्षित किए गए थे। इस क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन के दौरान 15 ब्लॉकों में 171 बोर होल्स में 46037.17 मीटर ड्रिलिंग करने पर स्वर्ण भंडार पाए गए। इससे तैयार की रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चला कि 14 ब्लॉकों में 1.945 ग्राम प्रति टन के लगभग 114.76 मिलियन टन सोने के भण्डार का अनुमान है।

घाटोल तहसील के भुकिया-जगपुरा के 14 वर्ग किमी क्षेत्र में सोने का विशाल भंडार हैं। इस क्षेत्र में व्यापक अन्वेषण के बाद 114.76 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क का प्रारंभिक अनुमान लगाया गया, इसमें स्वर्ण धातु की मात्रा 222.39 टन आंकी गई है। एक मोटे अनुमान के मुताबिक यहां सोने के अयस्क के खनन के दौरान 1 लाख 74 हजार टन से अधिक तांबा और 9700 टन से अधिक निकल और 13500 टन से अधिक कोबाल्ट खनिज प्राप्त होगा।

गुलाबी नगरी पर बरसी राहत की बूंदें

तापमान में आई गिरावट; लोगों की मिली राहत

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी से जूझ रहे राजस्थान में अब कुछ राहत महसूस की जा रही है। नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते प्रदेश में कई जगह हल्कि बारिश हुई जिसके बाद तापमान में कमी आई। हालांकि, कुछ हिस्सों में अभी भी लू का प्रकोप जारी रहने की चेतावनी है। राजधानी जयपुर में नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले 48 घंटों के दौरान आसमान में बादल छाए रहने और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। बीते 3 दिनों मं यहां अधिकतम तापमान में करीब 3 डिग्री की गिरावट आई है।

हीट स्ट्रोक से मौतें

राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही अब 5 हजार से ज्यादा लोग हीट स्ट्रोक का शिकार हो चुके हैं। इसमें 9 मौतें सरकार ने हीट स्ट्रोक से मानी है। हालांकि गैर पुष्ट आंकड़ों के अनुसार हीट स्ट्रोक से अब तक 50 से भी ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। राजधानी जयपुर में ही एक नेपाली युवक की मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि हीट स्ट्रोक के चलते उसकी तबियत बिगड़ी थी।

पूर्वी राजस्थान के लिए यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने जयपुर, दौसा, अलवर और भरतपुर जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की से भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके चलते अगले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है।

आरपीएससी सदस्य जसवंत राठी का निधन

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य जसवंत सिंह राठी का आज रविवार को जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में निधन हो गया। राठी लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। ख़राब स्वास्थ्य की वजह से गुरुवार को जसवंत राठी को एसएमएस अस्पताल के मेडिकल आईसीयू में भर्ती किया गया था। डाक्टरों ने काफी प्रयास किया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनका अंतिम संस्कार वैशाली नगर खातीपुरा के मोक्षधाम में किया जाएगा। जसवंत राठी के निधन पर सभी वर्गों में शोक की लहर दौड़ गई। अशोक गहलोत के कार्यकाल में अक्टूबर 2020 में जसवंत राठी को आरपीएससी सदस्य बनाया गया था। जसवंत राठी की पत्नी की मृत्यु भी कैंसर से ही हुई थी। जसवंत सिंह राठी का जन्म 10 मार्च 1964 को जयपुर में हुआ था। उनके पिता का नाम राजेन्द्र सिंह राठी है। वैशाली नगर जयपुर में उनका आवास है।

घर में ही बना रखा था पूरा पेट्रोल पंप

टीम ने खुदाई की तो निकले 3 टैंक, 2 में भरा हुआ था पेट्रोलियम पदार्थ

श्री गंगानगर, 2 जून (एजेंसियां)। गणेशगढ़ में आग लगने की घटना में नया मोड़ आ गया है। जिस घर में डीजल की वजह से आग लगी थी, वहां पूरा पेट्रोल पंप बना हुआ था। जिला रसद अधिकारी सुमित्रा बिश्नोई की अगुवाई में टीम ने जब घर और पास के नोहरे में खुदाई कराई तो वहां पेट्रोलियम पदार्थों के तीन टैंक निकले। इनमें दो टैंकों की क्षमता बीस-बीस हजार लीटर और तीसरे टैंक की क्षमता 13 हजार लीटर की निकली। इसके लिए बकायदा नोजल और पाइपें पंप की तरह लगी हुई थी। यहां तक कि पेट्रोलियम पदार्थ को वाहन में डालने के लिए बकायदा पंप की तर्ज पर मीटर बोर्ड आदि सब कुछ बनाया हुआ था।

यह देखकर पूरी डीएसओ की टीम हैरान रह गई। यहां एक सौ या दो सौ लीटर नहीं बल्कि हजारों लीटर पेट्रोलियम पदार्थ का स्टोरेज किया हुआ था। गनीमत यह रही कि यह आग इन तीनों टैंको तक नहीं पहुंची अन्यथा गणेशगढ़ में बड़ा हादसा हो सकता था।

रसद विभाग ने तीनों टैंकों में कारीगरों के माध्यम से जांच कराई तो वहां 13 हजार लीटर का टैंक खाली था लेकिन बीस-बीस हजार लीटर क्षमता के इन दोनों टैंकों से 23 हजार 650 लीटर जिसे किलो के रूप में बरामद कर सीज किया गया है। यह केमिकल गुजरात से लाना बताया गया। इसे बायोडीजल के रूप में प्रचारित कर वाहनों में डालकर बेचा जा रहा था। हालांकि मकान मालिक का कहना था कि यह गुजरात से मंगवाकर इसे पंजाब की फैक्ट्रियों में बेचने की प्रक्रिया अपनाई जाती है, लेकिन इसके पास महज एक कागज मिला, इस पर सम पेट्रोल केमिकल खरीद के संबंध में वर्ष 2021 अंकित किया हुआ था। डीएसओ ने बताया कि डीजलनुमा पदार्थ को सीज कर किया गया है। इस केमिकल्स के बारे में जांच कराई जाएगी। इसके अलावा यह भी पता लगाया जाएगा कि यह पदार्थ पंजाब में बेचा जा रहा था या इलाके के वाहनों या पंप संचालकों को बेचा जा रहा था।

भालू ने किया किसान पर हमला

अजमेर, 2 जून (एजेंसियां)। जानकारी के मुताबिक सेंदड़ा निवासी अरविन्द ने बताया कि उसके पिता देवेन्द्र सिंह रविवार को सुबह करीब छह बजे खेत पर गए। इस दौरान उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर लोग पहुंचे, वे भी वहां पहुंच गए।

देखा तो पिता नीचे पडे. थे और हाथ से खून बह रहा था। इस पर उनको अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसे उन्हें अजमेर रेफर कर दिया। जब पिता से बात की तो पता चला कि भालू ने उन पर हमला कर दिया। बड़ी मुश्किल से वे बचे।

अरविन्द ने बताया कि गांव में दो-चार दिनों से दो तीन भालू का मूवमेंट जारी है। इसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई। हरिपुर निवासी प्रवीण कुमार ने ग्राम हरिपुर से बगड़ी कलालिया मार्ग के कालब जंगल में मार्ग से गुजरते तीन भालू देखे, इसका वीडियो भी बनाया।

इस दौरान चालक ने वाहन रोक दिया। इसके बाद रीछ जंगल की ओर निकल गए। सेंदड़ा क्षेत्र के वन्यजीव एक्सपर्ट सुरेंद्र सिंह के अनुसार, हरिपुर, बगड़ी-कलालिया, सेंदड़ा, कुणेजा क्षेत्र में भालू विचरण करते हैं। इन क्षेत्रों के रिहायशी इलाकों में भालू का विचरण दर्ज किया जाता है। इन क्षेत्रों में कई बार रीछ ग्रामीणों पर हमले भी कर चुका है। इसलिए रात के वक्त इन क्षेत्रों से गुजरते वक्त सचेत रहना चाहिए।

पति ने पत्नी के सिर में लाठी मारी मृत्यु नहीं हुई तो गला घोंटकर की हत्या

सीकर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले के परडोली छोटी गांव में झगड़े के बाद पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पहले तो पति ने पत्नी के सिर पर लाठी से वार किया और इसके बाद रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। सदर थाना पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पत्नी की मौत हो गई और पति हत्या के आरोप में जेल चला जाएगा, ऐसे में अब बच्चों के पालन-पोषण व उनकी पढ़ाई पर संकट आ गया है। पीहर पक्ष की ओर से लड़की के भाई ने सदर थाना में मामला दर्ज करवाया है।

सदर थानाधिकारी इंद्राज मरोड़िया ने बताया कि थाना क्षेत्र के गांव परडोली छोटी में त्रिलोकचंद मेघवाल का अपनी पत्नी सुमित्रा देवी (35) के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। विवाद बढ़ने पर त्रिलोकचंद ने पहले तो पत्नी के सिर पर लाठी से वार किया और बाद में रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को एसके अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

ग्रामीणों व पुलिस ने बताया कि मृतका सुमित्रा देवी के एक बेटा और बेटी है। बेटी करीब 13 साल का है और बेटा 6 साल का है। आरोपी त्रिलोकचंद मेघवाल कारीगर है और मेहनत कर अपने परिवार का पालन कर रहा था। झगड़े के बाद आवेश में आकर उसने यह कदम उठाया है। ग्रामीणों का कहना है कि अब बच्चों की पढ़ाई व उनके लालन-पालन का संकट खड़ा हो गया है। माता-पिता दोनों का सानिध्य बच्चों को नहीं मिल पाएगा।

दो बार पहले भी मामला दर्ज हुआ था

1999 में त्रिलोकचंद व सुमित्रा देवी की की शादी हुई थी। मुकलावा 2004 में हुआ था। दो बार पहले भी मारपीट के बाद मृतका ने मामला दर्ज करवाया था। त्रिलोकंद थोड़ा सनकी था, ऐसे में विवाद होता रहता था। दो बार मामला दर्ज होने पर परिवार व रिश्तेदारों ने दोनों के बीच में राजीनामा करवाया था।

गलियों में पहुंचे कलक्टर साहब, घरों में जाकर पूछा 'पानी आ रहा है या नहीं?'

उदयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। घरों में जाकर जलापूर्ति के बारे में पूछा। कई जगहों पर लोगों ने कम दबाव से जलापूर्ति और पानी की गुणवत्ता खराब होने की शिकायतें की। कलक्टर ने स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए। कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने महालक्ष्मी चौक, कसारों की ओल, मेहतों का टिम्बा, जगदीश रोड, सूर्य मार्ग, सोलंकियों की घाटी, पीपलेश्वर महादेव की गली, रावजी का हाटा, नजरबाग, समोर बाग क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान शहर विधायक ताराचंद जैन, उपमहापौर पारस सिंघवी सहित क्षेत्रीय पार्षद भी साथ थे। पार्षदों और क्षेत्रवासियों ने समस्या बताई। कसारों की ओल में स्थिति जांचने के लिए कलक्टर ने एक मकान के बाहर नल से खुद पानी पीया।

कलक्टर ने कहा कि गर्मी में सरकार की पहली प्राथमिकता पर्याप्त बिजली-पानी की आपूर्ति करना है। इसके लिए मुख्यमंत्री भी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन आपके साथ है और समस्या का यथासंभव समाधान कर रहे हैं।

टायर फटने से बेकाबू होकर पलटी स्कॉर्पियो

भुजेला गांव के समीप हादसा, एक व्यक्ति की मौत, 3 घायल

सिरोही, 2 जून (एजेंसियां)। स्वरूपगंज-आबूरोड फोरलेन पर भुजेला गांव के समीप अपराह्न हुए एक सड़क हादसे में डेगाना, नागौर से अहमदाबाद, गुजरात जा रही स्कॉर्पियो कार का टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। इस दुर्घटना में कार में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर रोहिड़ा पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को 108 एंबुलेंस से आबूरोड के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार कार में सवार लोग डेगाना, नागौर से अहमदाबाद, गुजरात जा रहे थे। भूजेला गांव के समीप अचानक स्कॉर्पियो का टायर फट गया। इससे स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। दुर्घटना में पूर्णाराम पुत्र रामचंद्र की मौत हो गई, जबकि किशनलाल, रोहित और कौशल्यादेवी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर रोहिड़ा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

श्रम विभाग के माध्यम से सेटविन को सभी क्षेत्रों में मजबूत किया जाएगा : डॉ.ई. गंगाधर

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य श्रम विभाग के अतिरिक्त आयुक्त और तेलंगाना भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के सीईओ डॉ.ई. गंगाधर ने कहा कि राज्य सरकार के संगठन सेटविन के माध्यम से राज्य भर में संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के 90,000 बच्चों को कौशल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है।

रविवार को तेलंगाना राज्य सरकार निगम सेटविन के तत्वाधान में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन किये गये। सेटविन के प्रबंध निदेशक के.वेणुगोपाल राव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में डॉ. गंगाधर ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले युवक-युवतियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया।

नैक, सेटविन ने कहा कि श्रम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न सफल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कौशल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण लिया है, उन्हें महत्वाकांक्षी उद्यमियों के रूप में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। सेटविन प्रबंधक मोहम्मद अब्दुल मोइज़, और अधीक्षक पीबीएस प्रसाद राव, राधा कृष्ण, और समन्वयक नवीन कुमार, आसिफ अली और अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतर्गत सेटविन में प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा आयोजित फैशन शो एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मनोरंजन किया। इससे पहले संस्था के प्रबंध निदेशक के वेणुगोपाल राव ने राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया।

बेंगलुरु हाइवे पर दर्दनाक हादसा

परिवार के चार लोगों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के हैदराबाद-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोगुलम्बा-गडवाल जिले में एर्रविली क्रॉस रोड के पास एक ट्रक से टकराने से चार लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार घायलों को कुरनूल के जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सभी पीड़ित एक ही परिवार के थे और कुरनूल जिले के अल्लागड्डा के मूल निवासी थे और एक एसयूवी से हैदराबाद लौट रहे थे। वाहन हैदराबाद की ओर जा रहे एक ट्रक से टकरा गया। मरने वालों में एसयूवी चालक वेंकटेश (37), उनकी पत्नी पुष्पा (35), उनकी मां लता (55), उनका भतीजा आदित्य (8) शामिल हैं। घायलों में उनका बेटा तरुण (9), बेटी नंदू (6) और उनकी बहन कविता (38) शामिल हैं।

टैंकबंड में झमाझम बारिश से स्थापना दिवस में बाधा

हैदराबाद भारी बारिश के लिए तैयार रहें : आईएमडी

6 जून तक येलो अलर्ट जारी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लंबे समय तक सूखे के बाद, हैदराबाद में आज कई इलाकों में भारी बारिश हुई। जिससे गरमीसे राहत तो मिली लेकिन टैंकबंड इलाके में आयोजित तेलंगाना स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का मजा किरकिरा हो गया। लगातार चली बारिश के कारण यातायात में भी बाधा उत्पन्न हुई और लोगों को परेशानी का सामना करना पडा। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने दक्षिण, पूर्व और मध्य तेलंगाना जिलों में शक्तिशाली गरज के साथ बारिश का अनुमान बताते हुए 6 जून तक येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

तेलंगाना राज्य योजना और विकास सोसाइटी के आंकड़ों के अनुसार, दोपहर 12 बजे तक, पूरे शहर में न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से ऊपर था। हालांकि, आईएमडी ने शाम तक गरज के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है और रात में भी जारी रहेगी।

हैदराबाद के सभी क्षेत्रों- चारमीनार, खैरताबाद, कुकटपल्ली, एलबी नगर, सिकंदराबाद और सेरिलिंगमपल्ली- और राज्य के अन्य हिस्सों में अपेक्षित गरज के साथ बारिश के मद्देनजर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी हैदराबाद के निदेशक डॉ. के नागरत्ना ने कहा, "ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) क्षेत्र में दोपहर से रात तक हल्की से मध्यम तीव्र बारिश का अनुमान है।" तेलंगाना के दक्षिण, पूर्व और मध्य जिलों में भारी बारिश की संभावना है, गरज के साथ बारिश होगी और हवा की गति 40-50 किमी/घंटा से बढ़कर 60 किमी/घंटा तक हो सकती है।

अपेक्षित वर्षा के कारण, तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने का अनुमान है, जिससे मौजूदा गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। हल्की से मध्यम बारिश का संकेत देने वाला येलो अलर्ट 6 जून तक हैदराबाद में प्रभावी रहेगा। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, मानसून 6 जून के बाद हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य जिलों में दस्तक दे सकता है। रविवार के लिए प्रतिबंधित आवाजाही की सलाह जारी की गई है। कई स्थानों पर सड़कों और निचले इलाकों में पानी जमा होने की संभावना है, जिससे कई जगहों पर यातायात जाम हो सकता है। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम संबंधी सलाह से अपडेट रहें और अपेक्षित भारी बारिश के दौरान सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें।

अग्रवाल समाज तेलांगना की बालानगर शाखा की बैठक में सावन की सैर, गत वर्ष के कार्यक्रमों एवं शाखा की गति विधियों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में शाखा संस्थापक प्रमोद मोदी, अध्यक्ष सुरेश गर्ग, सुनील मित्तल, कोशाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, ललित अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, प्रमोद मोदी एवं अन्य सदस्य उपस्तिथ थे।

नागरिक आपूर्ति निगम के लोगो का इस्तेमाल करने वाले समानांतर नेटवर्क का भंडाफोड़

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के लोगो और लेबल का इस्तेमाल करके लंबे समय से बड़े पैमाने पर नागरिक आपूर्ति कार्यों में लिप्त एक समानांतर नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है। निगम की प्रवर्तन कार्य बल (ईटीएफ) और पुलिस कार्य बल ने संयुक्त कार्रवाई में संगारेड्डी के पटानचेरू के पास पाशा मेलाराम में एक गोदाम पर छापा मारा और बड़े पैमाने पर भूमिगत संचालन करने वाले नेटवर्क का पता लगाया।

यह नेटवर्क काफी समय से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चावल को फर्जी ई-वे बिल बनाकर विभिन्न मिलों से ताजा कस्टम मिल्ड चावल के रूप में एफसीआई और राज्य वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के गोदामों में भेजने में शामिल था। सात ट्रकों में अवैध रूप से संग्रहीत और परिवहन किए जा रहे पीडीएस चावल के लगभग 750 मीट्रिक टन को जब्त किया गया।

यह भी पाया गया कि यह विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए पीडीएस चावल को साफ करता था, रीसाइक्लिंग के लिए नए बोरों में फिर से पैक करता था और पीडीएस सिस्टम को वापस आपूर्ति करता था। तेलंगाना नागरिक आपूर्ति निगम के लोगो और लेबल वाले बोरों का इस्तेमाल इसके सभी भूमिगत कार्यों के लिए किया जाता था। नागरिक आपूर्ति निगम की सतर्कता और प्रवर्तन शाखा ने जब्ती के संबंध में एक गोदाम मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया था और अवैध संचालन के पीछे लोगों की तलाश जारी है।

सामग्री के परिवहन के लिए लगे ट्रकों के ड्राइवरों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए हैं। नागरिक आपूर्ति सतर्कता और प्रवर्तन टीमों ने सामग्री के परिवहन में लगे 148 वाहनों के साथ 28,610 क्विंटल पीडीएस चावल जब्त किया है। इसके अलावा, महाराष्ट्र के साथ अंतरराज्यीय सीमा पार करने से ठीक पहले, कलेश्वरम में प्रवर्तन कार्य बल टीम द्वारा चार ट्रकों में ले जाए जा रहे 767 क्विंटल पीडीएस चावल को जब्त कर लिया गया।

जामबाग नगरसेवक राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संसद के परिणामों में भाजपा और सहयोगी दलों के लिए अब की बार 400 पार की प्रार्थना की और मोदी के नेतृत्व और अच्छे स्वास्थ्य के लिए हिंदी नगर राम मंदिर में 108 नारियल चढ़ाए। सुरेश टोलडी, अनिल यादव, काजल, रघु, संदीप, बाबू सिंह, नरसिंह और भाजपा नेता और कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए।

सिरसिला में तेंदुए ने बछड़े को मार डाला

राजन्ना सिरसिला, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोनारावपेट मंडल के धर्माराम में तेंदुए के संदिग्ध हमले में एक बछड़े की मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के एक किसान दादिगे लक्ष्मीनारसु ने शनिवार रात को सत्यनारायणपल्ले के पास अपने कृषि क्षेत्र में स्थित मवेशी शेड में भैंस और बछड़े को छोड़ दिया था। रविवार सुबह जब वह खेतों में गया तो बछड़ा मृत पाया गया। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना वन अधिकारियों को दी।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुडा बेगमपेट शाखा की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शाखा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

शृंग ऋषि भवन में आगामी 15 जून को सर्व राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा आयोजित जॉब मेले की प्रचार सामग्री का विमोचन करते हुए विशेष शर्मा एवं रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, धर्माराम ढाका, राजेश पंडित एवं अन्य।

तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर बोईनपल्ली एग्रीकल्चर मार्केट यार्ड के सलेक्शन ग्रेड सेक्रेटरी व्यंकन्ना ने झंडा फहराया। इस अवसर पर सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली मार्केट व्यापार संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, महासचिव हरीकिशन बंग, कोषाध्यक्ष मधूबाबू, सदस्य राजकुमार दिवाण, राजाराम चौधरी, वेजिटेबल एसोसिएशन के चंद्रा रेड्डी, एम श्रीनिवास, प्रभाकर, श्रीनाथ रेड्डी, मार्केटिंग ऑफिसर सत्यनारायण जहांगीर एवं अन्य उपस्थित थे।

नाव संचालकों के प्रयास से बची महिला की जान

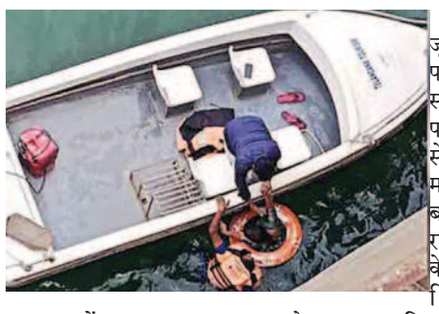

कोत्तागुडेम, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन नाव संचालकों की समय पर की गई कार्रवाई से एक विवाहित महिला की जान बच गई, जिसने रविवार को जिले के पलोंचा में कि न्न र सा नी जलाशय में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था।

जब नाव संचालकों में से एक ने महिला को स्लुइस गेट के ऊपर से जलाशय में कूदते देखा तो कर्मचारी उसे बचाने के लिए दौड़ पड़े। नाव संचालकों में से एक ने जलाशय में छलांग लगा दी; लाइफ रिंग की मदद से उसे नाव में खींचकर किनारे लाया गया। दो बच्चों की मां सुनीता पलोंचा कस्बे की रहने वाली है। उसने स्थानीय पुलिस को बताया कि वह पारिवारिक विवादों के कारण अपनी जान देना चाहती थी। बाद में पुलिस ने उसके पति संजीव रेड्डी को बुलाया और दोनों की काउंसलिंग की। पुलिस और स्थानीय लोगों ने पर्यटन नाव संचालकों की समय पर की गई कार्रवाई और महिला की जान बचाने के उनके साहसिक कार्य की सराहना की।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल सिकंदराबाद में अग्रवाल समाज तेलंगाना की साधारण सभा संपन्न हुई।

सभा की शुरूआत में समाज के दिवंगत सदस्यों को याद करते हुए २ मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात् अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने अपने संबोधन में इस वर्ष में की गई गतिविधियों जैसे कन्यादान योजना के अंतर्गत कन्या विवाह, धन संग्रह पात्र योजना, शिक्षा सहायता, चिकत्सा सहायता, टैली प्रशिक्षण, वैदिक शाला, गीता ज्ञान प्रशिक्षण, महिला सशास्तिकरण योजना के अंतर्गत सिलाई मशीन सहायता, क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन, करिअर काउन्सलिंग सेमीनार, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस प्रशिक्षण, शीतल पेय जल शाला का निर्माण, कुकटपल्ली में व्यापारी की सहायता, नई शाखा का गठन आदि के संबंध में सभा को बताया। उन्होंने आग्रह किया कि वह अपने अपने नाम के आगे अग्रवाल लगाएं। अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सदस्य संख्या बढ़ाने और धन संग्रह पात्र योजना पर सभी शाखाओं को ध्यान देने को कहा।

कोषाध्यक्ष एवं मछली प्रसाद वितरण संयोजक नवीन अग्रवाल ने सभा को मछली प्रसाद वितरण में सहायता सम्बन्धित कार्यक्रम बताया एवं विभिन्न शाखाओं से आर्थिक एवं स्वयं सेवक के सहयोग का अवहान किया।

मानद मंत्री कपूर चंद द्वारा समाज की इस वर्ष की गतिविधियों की जानकारी सभा को दी गई। उपाध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने सभा के समक्ष वर्ष 23-24 का वितीय लेखा जोखा प्रस्तुत किया। इसके पश्चात सदन में जिलाऊँ में महिला शाखा और संपूर्ण तेलंगाना में युवा शाखा की संख्या 50 से 25 करने के संविधान संशोधन पर चर्चा की गई जिसे पारित कर दिया गया। सभा में केंद्रीय पदाधिकारियों के साथ साथ विभिन्न समितियों के चेयरमैन वाईस चेयरमैन सदस्य, विभिन्न शाखाओं से केंद्रीय समिति सदस्य उपस्थित थे।

जियागुडा श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में ब्रम्होत्सवम

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जियागुडा डिवीजन में ऐतिहासिक श्री श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में शनिवार रात 9 बजे से 12 बजे तक श्री रंगनाथ स्वामी के ब्रम्होत्सवम के अवसर पर श्री श्री रंगनाथ स्वामी श्रीदेवी और भूदेवी की पूजा करने के बाद उन्हें विशेष रूप से सजाए गए।

मुख्य अतिथि नगरसेवक शंकर यादव, जियागुड़ा नव भारत संघम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण लक्ष्मीनारायण, शिवा यादव, बोड्ड राम और मंदिर के ट्रस्टी एनटी चारी, प्रतिनिधि शेषाचार्य ने विशेष पूजा की।

विशेष पूजा के बाद, रंगनाथ स्वामी मंदिर से पुरानापुल तक रथ यात्रा निकाली गई जिसमें लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

जियागुडा में विभिन्न समुदायों के नेताओं के साथ-साथ राजनीतिक नेता डीवीएस राजू, आदि जाम्भवा नेता बालकृष्ण, सुदर्शन मुदिराज, विनोद चौगल, सी. बाबू एवं अन्य लोगों विशेषकर महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। ट्रस्ट के मुख्य पुजारी श्रीनिवास रंगनाथ ने इमामपुरा नव भारत संघम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, कोषाध्यक्ष एम महेश बाबू को सम्मानित किया।

तेलंगाना के शहीदों के परिवारों में निराशा; विरोध प्रदर्शन से टैंकबंड में तनाव

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के शहीदों के परिवार के सदस्यों ने मृतकों की तस्वीरें लेकर तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह में अपना गुस्सा और निराशा व्यक्त की, क्योंकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने उनके मुद्दों को हल करने का आश्वासन नहीं दिया। शहीदों के कई परिजनों ने कांग्रेस सरकार से घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार पहचान पत्र जारी करने, 250 वर्ग गज के मकान आवंटित करने और 25,000 रुपये मासिक पेंशन देने की मांग की। शहिदों के परिवारों के इस प्रदर्शन के कारण टैंकबंड में कुछ समय के लिए तनाव उत्पन्न हो गया।

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए गए दर्जन से अधिक परिवारों को कथित तौर पर पुलिस ने प्रवेश से मना कर दिया, जिसके कारण पुलिस और मेहमानों के बीच बहस हुई। स्थानीय पुलिस ने एम समय पर उन्हें सख्ती से वहां से चले जाने को कहा, क्योंकि भारी भीड के चलते उन्हें किसी को भी कार्यक्रम स्थल पर भेजने का आदेश नही था। इसपर परिवारों ने शिकायत की कि यह उनके और तेलंगाना राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति देनेवाले शहीदों के लिए किसी अपमान से कम नही है। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारीयों ने हस्तक्षेप कर मामले को सुलझाया।

पानी के टैंकर की टक्कर में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आउटर रिंग रोड हिमायतसागर जंक्शन पर शनिवार रात पानी के टैंकर की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गई। पीड़ित तेजा और मनीष ने पुलिस अकादमी के पास ओआरआर जंक्शन पर अपनी कार सड़क किनारे खड़ी की थी और सड़क पर खड़े थे, तभी पानी के टैंकर चालक प्रशांत ने उन्हें टक्कर मार दी। इस घटना में दो कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना मिलने पर राजेंद्रनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि चालक नशे में था।

विश्व साइकिल दिवस और तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर साइकिल रैली का आयोजन

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस और 3 जून को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर रविवार को आयोजित 25 किलोमीटर की साइकिल रैली में 200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। हैदराबाद साइकिलिस्ट ग्रुप और समता युवा संघ के सहयोग से आयोजित इस साइकिल रैली का उद्देश्य तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और साइकिल चलाने को एक स्वस्थ जीवनशैली विकल्प के रूप में बढ़ावा देना था। डॉ. गोपीचंद मन्नम ने कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल तंबाकू के उपयोग के खतरों को उजागर करना है, बल्कि समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना भी है।

पैदल चलना, साइकिल चलाना और दौड़ना व्यायाम के सबसे सस्ते रूप हैं, जो न्यायसंगत और लागत प्रभावी हैं। हैदराबाद साइकिलिस्ट ग्रुप एसोसिएशन के अध्यक्ष रवींद्र रेड्डी ने कहा कि मध्यम तीव्रता की नियमित शारीरिक गतिविधि जैसे पैदल चलना, साइकिल चलाना या कोई अन्य खेल खेलना सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ देता है।

काचीगुडा लॉज में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया व्यक्ति

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात काचीगुडा के एक लॉज में संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति मृत पाया गया। पुलिस ने बताया कि उप्पुगुडा निवासी राहुल (21) शनिवार शाम 7 बजे लॉज में आया था और आधी रात के कुछ समय बाद वह कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवाया। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस ने क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज खंगाली और उसके कॉल रिकॉर्ड की जांच की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

डीपी मनु ने ताइवान ओपन में भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता

81.52 मीटर का रहा सर्वश्रेष्ठ प्रयास

ताइपे, 2 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु ने ताइपे में 81.58 मीटर थ्रो के साथ ताइवान ओपन 2024 में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ने अपने पांचवें प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया और पहले स्थान पर रहे। ताइवान ओपन विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर की प्रतियोगिता है। इसमें खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक भी मिलते हैं।

मनु के पांच प्रयास

मनु ने 78.32 मीटर थ्रो के साथ शुरुआत की, जबकि उनका दूसरा प्रयास 76.80 मीटर का रहा। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे प्रयास में 80.59 मीटर और पांचवें प्रयास में 81.52 मीटर दूर फेंका। हालांकि, उनका चौथा प्रयास फाउल रहा था।

व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी दूर

हालांकि, यह प्रदर्शन मनु के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.35 मीटर से बहुत दूर था। यह मौजूदा सत्र में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रयास 82.06 से भी कम है, जो पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में आया था। वह फेडरेशन कप में ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

अब तक क्वालिफाई नहीं कर सके मनु

पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहने वाले मनु को अभी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करना बाकी है, जिसके लिए क्वालिफिकेशन मार्क 85.50 मीटर है। चोपड़ा और किशोर जेना पहले ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

अमेरिका ने चेज किया रिकॉर्ड टारगेट

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ओपनिंग मैच में कनाडा को 7 विकेट से हराया

डलास, 2 जून (एजेंसियां)। T20 वर्ल्ड कप के ओपनिंग मैच में एक रिकॉर्ड कनाडा ने बनाया तो दूसरा उसी मैच में अमेरिका ने बनाकर अपनी शानदार जीत की कहानी लिखी. इस तरह T20 वर्ल्ड कप में डेब्यू करने वाली दो टीमों के बीच हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिला. कनाडा जहां पहले खेलते हुए 20 ओवर में 194 रन बनाकर, सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाला एसोसिएट नेशन बना. वहीं अमेरिका ने T20 इंटरनेशनल में पहली बार रिकॉर्ड टारगेट को चेज किया. इससे पहले उसने कभी भी 195 रन जितने बड़े स्कोर का T20 इंटरनेशनल मैच में पीछा नहीं किया था.

अमेरिका को जब लक्ष्य मिला था, तब इससे पार पाना मुश्किल ही लग रहा था. दूसरी ही गेंद पर जब USA टीम का पहला विकेट गिरा तो ऐसा लगा कि शायद वो दबाव में हैं. लेकिन, फिर टीम के उप-कप्तान आरोन जोंस और एंड्रिज गूज ने मिलकर जो किया, उसके बाद मुकाबले का सारा नजारा पलट गया. दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 131 रन की धुआंधार साझेदारी ने मैच को यूएसए की झोली में डालने का काम किया

आरोन जोंस के तूफान में उड़ा कनाडा

उप-कप्तान आरोन जोंस टीम के सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने सिर्फ 40 गेंदों पर नाबाद 94 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और 4 चौके शामिल रहे. इस दौरान आरोन जोंस का स्ट्राइक रेट 235 का रहा. 14 गेंद पहले ही छक्के के साथ मैच खत्म करने वाले आरोन जोंस ने अपनी इस इनिंग के दौरान यूएसए के लिए सबसे तेज अर्धशतक भी लगाया. ये कमाल उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 6 छक्के और 1 चौके के साथ किया.

14.29 की रनरेट से 131 रन की साझेदारी

आरोन जोंस ने यूएसए को जीत दिलाने में खुद तो रिकॉर्ड बनाए ही. अपने साथी खिलाड़ी एंड्रिज गूज के साथ मिलकर जो कमाल किया, वो भी बेमिसाल रहा. दोनों ने 14.29 की रनरेट से तीसरे विकेट के लिए 131 रन जोड़े. टी20 वर्ल्ड कप में आज तक किसी भी सेंचुरी पार्टनरशिप में इतना ज्यादा रनरेट नहीं रहा है. एंड्रिज गूज ने 46 गेंदों पर ताबड़तोड़ 65 रन बनाए.

कनाडा के हारने की वजह सिर्फ अमेरिका की बल्लेबाजी नहीं है!

194 रन का बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी कनाडा के हार की बड़ी वजह अमेरिका की बल्लेबाजी तो रही ही. इसके अलावा उससे हुई फील्डिंग में चूक भी रही. कनाडा के फील्डर ने कैच पकड़ने के कई आसान मौके गंवाए, जिससे मैच अमेरिका की झोली में समाता चला गया और उसने ओपनिंग मैच जीतकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 का धमाकेदार आगाज किया है.

हार्दिक पंड्या ने टीम इंडिया की जर्सी पहनते ही जीता दिल

जो दे रहे थे गाली वो बजाने लगे ताली!

न्यू यॉर्क, 2 जून (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के वॉर्मअप मुकाबले में हार्दिक पंड्या ने कमाल की बैटिंग कर अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया. हार्दिक पंड्या ने बांग्लादेश के खिलाफ 23 गेंदों में नाबाद 40 रनों की पारी खेली. पंड्या ने अपनी पारी में 4 छक्के और 2 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 173 से ज्यादा का रहा. हार्दिक पंड्या की ये पारी बेहद खास है क्योंकि पिछले दो महीने तक वो बेहद खराब फॉर्म में चल रहे थे. आईपीएल 2024 के दौरान उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही. इस दौरान पंड्या को काफी हूटिंग भी सहनी पड़ी लेकिन जैसे ही ये खिलाड़ी टीम इंडिया की जर्सी में आया उनके तेवर बदल गए.

पंड्या ने दिखाया दम

हार्दिक पंड्या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने आते ही तनवीर इस्लाम के ओवर में लगातार तीन छक्के लगा दिए. तनवीर की गेंदों पर दो छक्के उन्होंने सामने की ओर मारे और फिर मिडविकेट पर उनके बल्ले से लंबा छक्का निकला. न्यूयॉर्क की पिच काफी ज्यादा मुश्किल थी और उसपर आते ही बड़े शॉट खेलना काफी मुश्किल था लेकिन पंड्या ने इस मुश्किल को आसानी में बदल दिया. वो पंड्या की ही बैटिंग थी जिसके दम पर टीम इंडिया 182 रनों तक पहुंची. क्योंकि मिडिल ऑर्डर में शिवम दुबे ने 14 रन बनाने के लिए 16 गेंद खेली और जडेजा भी 6 गेंदों में 4 रन बना पाए.

पंड्या की तारीफ

हार्दिक पंड्या की बैटिंग देख कमेंट्री कर रहे संजय मांजरेकर भी बेहद खुश दिखाई दिए. संजय मांजरेकर ने कहा कि ये खिलाड़ी जब भी टीम इंडिया की जर्सी में होता है तो वो कुछ अलग ही तेवर में नजर आता है.

पंड्या का ये कॉन्फिडेंस टीम इंडिया के लिए बेहतरीन भी है क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप में पंड्या की बैटिंग और बॉलिंग दोनों टीम के लिए जीत की चाबी हो सकती है.

प्रैक्टिस मैच में दिखा पंत का भी दम

पंड्या के अलावा प्रैक्टिस मैच में ऋषभ पंत ने भी दम दिखाया. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरा और इस खिलाड़ी ने 32 गेंदों में 53 रनों की पारी खेली. पंत ने 4 छक्के और 4 चौके लगाए. उनके अलावा सूर्यकुमार यादव ने 18 गेंदों में 31 रनों की पारी खेली. हालांकि रोहित शर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे न्यूयॉर्क में कुछ खास नहीं कर सके.

दिनेश कार्तिक ने लिया संन्यास

बर्थडे के दिन ही खेल को कह दिया अलविदा

मुंबई, 2 जून (एचेंसियां) टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर और बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने संन्यास ले लिया है. दिनेश कार्तिक ने इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ घरेलू क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया है. हाल ही में आईपीएल 2024 में आरसीबी की एलिमिनेटर मुकाबले में हार के साथ ही उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था. दिनेश कार्तिक का इंटरनेशनल करियर 2004 में शुरू हुआ था और तकरीबन 20 साल बाद उन्होंने अब इस खेल को अलविदा कह दिया है.

दिनेश कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक मिनट का वीडियो पोस्ट कर अपने संन्यास का ऐलान किया और उन्होंने सभी फैंस को शुक्रिया कहा. दिनेश कार्तिक ने वीडियो में अपने बचपन से लेकर करियर के अंत तक की तस्वीर को शामिल किया.

दिनेश कार्तिक रिटायरमेंट का ऐलान करते हुए काफी इमोशनल हुए और उन्होंने अपने फैंस और कोच का धन्यवाद अदा किया. उन्होंने लिखा कि वो अपने कोच, कप्तान, सेलेक्टर और टीम के साथी खिलाड़ियों के शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने इतने बड़े सफर में उनका साथ दिया. कार्तिक ने कहा कि उनके माता-पिता ने उन्हें हमेशा शक्ति दी और अगर वो नहीं होते तो वो कभी इस मुकाम तक नहीं पहुंचते. दिनेश कार्तिक ने अपनी पत्नी दीपिका पल्लीकल को भी शुक्रिया कहा जिन्होंने इस खिलाड़ी के करियर को आगे बढ़ाने के लिए अपने करियर को थामा.

दिनेश कार्तिक ने अपने करियर में कुल 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी20 इंटरनेशनल खेले. इसके अलावा उन्होंने 167 फर्स्ट क्लास मैच, 260 लिस्ट ए और 401 टी20 मुकाबले खेले. कार्तिक ने टेस्ट में 1025 रन बनाए. वनडे में उनके बल्ले से 1752 रन निकले. वहीं टी20 में उन्होंने 686 रन बनाए. इस खिलाड़ी ने फर्स्ट क्लास करियर में 28 शतक और लिस्ट ए में 12 सेंचुरी लगाई. इंटरनेशनल क्रिकेट में वो एक ही शतक जमा सके.

दिनेश कार्तिक का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने 10 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया. वो दो सालों तक कुवैत में रहे जहां उनके पिता काम करते थे. दिनेश कार्तिक ने कुवैत में भी पढ़ाई की लेकिन इसके बाद वो चेन्नई शिफ्ट हो गए. दिनेश कार्तिक के कोच उनके पिता ही थे जो कि फर्स्ट डिविजन क्रिकेटर रह चुके थे. उनके पिता ने अपने बेटे का करियर बनाने के लिए खुद उन्हें ट्रेनिंग दी. कार्तिक ने 2002-03 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया और 2004 में वो टीम इंडिया तक पहुंच गए.

दिनेश कार्तिक अब बतौर क्रिकेटर नहीं बल्कि कमेंटेटर के तौर पर क्रिकेट के मैदान पर नजर आएंगे. कार्तिक आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भी कमेंट्री करते नजर आएंगे, इसके अलावा वो आईपीएल और दूसरी बड़ी लीग्स में भी इस भूमिका में नजर आ सकते हैं.

न्यूयॉर्क पहुंचते ही विराट कोहली को मिला खास सम्मान, आईसीसी ने शेयर किया वीडियो

न्यूयॉर्क, 2 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप के लिए विराट कोहली भी अमेरिका पहुंच गए हैं। हालांकि कोहली ने वार्मअप मैच में हिस्सा नहीं लिया था। लेकिन विराट टूर्नामेंट में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। टी20 विश्व कप में कोहली आंकड़े भी काफी शानदार हैं। वहीं न्यूयॉर्क पहुंचने पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) विराट को एक खास सम्मान से नवाजा। साल 2023 में कोहली ने कमाल का प्रदर्शन किया था। खास वनडे विश्व कप में जिस तरह से कोहली ने बल्लेबाजी की थी उसको कोई नहीं भुला सकता है।

वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर 2023

साल 2023 विराट कोहली के लिए बेहद खास रहा था। इस साल विराट ने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए थे। वनडे विश्व कप में कोहली ने वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। वहीं अब न्यूयॉर्क में आईसीसी ने विराट कोहली को वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 के पुरस्कार से नवाजा है। जिसका वीडियो भी आईसीसी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है।

विराट कोहली ने साल 2023 में 27 वनडे मुकाबले खेले थे। जिसकी 24 पारियों में कोहली ने 1377 रन बनाए थे। इस दौरान विराट का स्ट्राइक रेट 99.13 और औसत 72.47 रहा था। पिछले साल कोहली ने वनडे क्रिकेट में 6 शतक और 8 अर्धशतक लगाए थे। वहीं साल 2023 में वनडे क्रिकेट में कोहली का हाई स्कोर 166 का रहा था। पिछले साल एशिया कप के दौरान कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों पर 122 रनों की नाबाद अहम पारी खेली थी।

दोनों टीमों के बीच ये सुपर चार का अहम मुकाबला था। इसके अलावा वनडे विश्व कप 2023 में विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। इस टूर्नामेंट में कोहली ने 11 मैच खेले थे, जिसमें विराट के बल्ले से 765 रन निकले थे। इस दौरान कोहली ने 3 शतक और 6 अर्धशतक लगाए थे।

मुक्के बाजी में भारत हासिल कर सकता है एक और ओलंपिक कोटा

जैस्मीन का शानदार प्रदर्शन

बैंकाक, 2 जून (एजेंसियां)। मुक्केबाजी में भारत को एक और ओलंपिक कोटा मिल सकता है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के 57 किग्रा क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड की एना मारिजा मिलिसिक पर शानदार जीत दर्ज करके पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के करीब पहुंच गई हैं। भारत की इस 22 साल की खिलाड़ी ने अंतिम 16 मुकाबले में जजों के सर्वसम्मत निर्णय (5-0) से मिलिसिक को शिकस्त दी। निशांत देव (71 किग्रा) के अलावा महिला वर्ग में निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पहले ही पेरिस के लिए अपना स्थान पक्का कर चुके हैं।

क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में चार कोटा स्थान है। जैस्मीन को पेरिस खेलों में अपनी जगह पक्की करने और भारत के लिए 57 किग्रा कोटा पुनः प्राप्त करने के लिए रविवार को अपना क्वार्टर फाइनल जीतना होगा। परवीन हुड्डा ने 2023 एशियाई खेलों में 57 किग्रा कोटा हासिल किया था, लेकिन पिछले महीने डोपिंग के आरोप में उन्हें निलंबित कर दिया गया था, जिससे भारत को कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

भारत ने प्रो लीग में जर्मनी को 3-0 से हराया

आठ जून को एक बार फिर भिड़ेंगी दोनों टीमें

लंदन, 2 जून (एजेंसियां)। एफआईएच प्रो हॉकी लीग के भारत और जर्मनी के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में हरमनप्रीत सिंह की टीम ने विश्व चैंपियन को 3-0 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की। जर्मनी ने इस मुकाबले में शानदार शुरुआ की थी, लेकिन कुछ इसे जारी नहीं रख सकी। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत (16वें मिनट), सुखजीत सिंह (41वें मिनट) और गुरजंत सिंह (44वें मिनट) ने युवा जर्मन टीम को खासा परेशान किया और जीत छीन ली।

दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत 13 मैचों में 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना जिसे भारत ने प्रो लीग के एंटवर्प चरण के दौरान दो बार हराया था, 14 मैचों में 26 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। नीदरलैंड 12 मैचों में 26 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है। दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पहले क्वार्टर में जर्मनी के दो पेनल्टी कॉर्नर को नाकाम किया, जबकि दूसरे क्वार्टर के पहले मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर के साथ मैच का पासा पलट दिया।

फ्रेंच ओपन: मुसेटी को कड़े मुकाबले में हराकर जोकोविच अगले दौर में पहुंचे

फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

पेरिस, 2 जून (एजेंसियां)। महिला और पुरुष मिलाकर सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने वाले सर्बिया के विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। जोकोविच को हालांकि इटली के लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ जीत दर्ज करने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन 24 बार के इस ग्रैंडस्लैम विजेता खिलाड़ी ने अपना दबदबा बनाते हुए पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज कर यहां खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। जोकोविच और मुसेटी के बीच पुरुष सिंगल्स वर्ग के तीसरे दौर का चार घंटे और 30 मिनट तक चला जिसमें आखिरकार जोकोविच ने बाजी मारी। जोकोविच ने मुसेटी को 7-5, 6-7 (6), 2-6, 6-3, 6-0 से हराया। मुसेटी ने जब लगातार दो सेट जीते तो लग रहा था कि जोकोविच के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा लेकिन सर्बिया के इस खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार खेल दिखाया तथा खुद को रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम और फ्रेंच ओपन में अपने चौथे खिताब की दौड़ में बनाए रखा।

प्रज्ञानंद ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को हराया

क्लासिकल शतरंज में हासिल की ये विशेष उपलब्धि

नॉर्वे, 2 जून (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फाबियानो कारुआना को क्लासिकल शतरंज के पांचवें दौर में हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानंद ने क्लासिक शतरंज में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन और दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को पहली बार हराया है।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष-10 पर पहुंचे प्रज्ञानंद

प्रज्ञानंद अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की विश्व रैंकिंग में शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं। 18 वर्ष के भारतीय ग्रैंडमास्टर ने इससे पहले तीसरे दौर में कार्लसन को हराया था। फिड शतरंज विश्व कप के गत उपविजेता प्रज्ञानंद ने शानदार चाल चलते हुए कार्लसन को मात दी थी। इससे पहले भी अपने करियर में कुछ मौकों पर प्रज्ञानंद ने कार्लसन को रेपिड और ब्लिट्ज गेम को मात दी थी।

नाकामुरु ने बढ़त मजबूत की

अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने खराब फॉर्म में चल रहे चीन के विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन पर अपनी बढ़त को एक अंक तक बढ़ा दी। नाकामुरा के 10 अंक हैं। कार्लसन ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। अब जबकि टूर्नामेंट में पांच दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं तब प्रज्ञानंद 8.5 अंक लेकर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन के बाद तीसरे नंबर पर हैं। अलीरेजा के 6.5 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर हैं। कारुआना पांच अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि डिंग लिरेन की खराब फॉर्म जारी है। उनके केवल 2.5 अंक हैं। प्रज्ञानंद और कारुआना के बीच शुरू में मोहरों की अदला बदली देखी गई।

चैंपियंस लीग : डॉर्टमुंड को एकतरफा अंदाज में हराकर रियल मैड्रिड बना चैंपियन, 15वीं बार जीता खिताब

लंदन, 2 जून (एजेंसियां)। डानी कारवाजल और विनिसियस जूनियर के एक-एक गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को हराकर यूएफा चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। रियल मैड्रिड ने डॉटमुंड को 2-0 से हराया और 15वीं बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस तरह रियल मैड्रिड ने अपने पिछले नौ यूरोपियन कप फाइनल्स जीते हैं और पिछले 11 सीजन में से छह बार टूर्नामेंट जीता है। रियल मैड्रिड के लिए डानी ने टोनी क्रूस के कॉर्नर पर 74वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद विनिसियस जूनियर ने 83वें गोल कर रियल मैड्रिड की बढ़त को दोगुना किया। अंतिम सीटी बजने तक डॉर्टमुंड की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

सरकार तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करेगी : मुख्यमंत्री

सीएम ने तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह में लोगों को संबोधित किया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि धन में वृद्धि हो और उसे गरीबों में वितरित किया जा सके।

रविवार को यहां परेड ग्राउंड में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। राज्य पर कर्ज का बोझ 7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। राज्य सरकार ने विधानसभा में एक श्वेत पत्र पेश किया है और लोगों को तथ्यों को समझाया है। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के अलावा, सरकार राज्य के कल्याण और विकास को भी प्राथमिकता देगी। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को हर महीने की पहली तारीख को वेतन का भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भविष्य की पीढ़ियों के लिए दीर्घकालिक योजनाओं की कल्पना करके एक मजबूत नींव रख रही है। उन्होंने कहा कि पूरे तेलंगाना के लिए 'ग्रीन तेलंगाना-2050 मास्टर प्लान' तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया, हम तेलंगाना राज्य को तीन क्षेत्रों में विभाजित कर रहे हैं। हैदराबाद आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर का क्षेत्र शहरी तेलंगाना है और आउटर रिंग रोड और क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के बीच का क्षेत्र उप शहरी तेलंगाना होगा। ग्रामीण तेलंगाना को क्षेत्रीय रिंग रोड से तेलंगाना राज्य की सीमाओं तक के क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि मेगा प्लान के तहत, सरकार स्पष्ट रूप से घोषणा करेगी कि तीनों क्षेत्रों में कहां विकास होना चाहिए और किस तरह का बुनियादी ढांचा बनाया जाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने मूसी रिवरफ्रंट विकास परियोजना के माध्यम से मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्र को रोजगार सृजन क्षेत्र में बदलने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये पहले ही आवंटित किए जा चुके हैं। प्रस्तावित परियोजना निश्चित रूप से हैदराबाद की ब्रांड छवि को बढ़ाएगी और इसे दूसरे स्तर पर ले जाएगी। इसमें तीन आयाम हैं: पर्यटन, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण। मूसी पूर्ववर्ती रंगारेड्डी और नलगोंडा जिलों की सिंचाई आवश्यकताओं को भी पूरा करेगी। मेट्रो रेल विस्तार के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोगों की बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विस्तार कार्यों को पूरा करने की योजना बना रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, सबसे पहले, हम क्षेत्रीय रिंग रोड को जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश करेंगे। इसी तरह, कम लागत पर अधिक पानी उपलब्ध कराने के लिए सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दी जाएगी। हम राज्य की अर्थव्यवस्था के पुनरूद्धार के लिए कुछ निर्णय लेंगे।

साइबराबाद में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय परिसर में आज तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए पुलिस आयुक्त ने सभी को तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 2 जून 2014 को औपचारिक रूप से गठित तेलंगाना राज्य ने रविवार को 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उन्होंने पुलिस कर्मियों से तेलंगाना राज्य के भविष्य की मजबूत नींव रखने में पूरे मनोयोग से अपना कर्तव्य निभाने का आग्रह किया। इस अवसर पर साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात डी. जोएल डेविस, डीसीपी, माधापुर, जी. विनीत, शमशाबाद डीसीपी नारायण रेड्डी, बालानगर डीसीपी श्रीनिवास राव, राजेंद्रनगर डीसीपी श्रीनिवास, मेडचल डीसीपी नितिका पंत, साइबराबाद डीसीपी अपराध नरसिम्हा कोथपल्ली, डीसीपी ईओडब्ल्यू के. प्रसाद, महिला एवं बाल सुरक्षा डीसीपी श्रीजना कर्णम, एसबी डीसीपी साई श्री, मेडचल ट्रैफिक डीसीपी डीवी श्रीनिवास राव, आईपीएस, कानून एवं व्यवस्था डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी, सीएओ एडमिन गीता, सीएओ अकाउंट्स चंद्रकला, इंस्पेक्टर, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सीएम को लोगों की आकांक्षाओं की समझ नहीं : केटीआर

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व मंत्री केटीआर ने तेलंगाना के शहीदों को एक दिन पहले श्रद्धांजलि देने की तुलना पाकिस्तानियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस पहले मनाने से करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सीएम को तेलंगाना आंदोलन और तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं की न्यूनतम समझ नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी एक दशक के समारोह को सिर्फ एक दिन तक सीमित रग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में होती, तो वे महीने भर चलने वाले समारोह आयोजित करते। केटीआर ने तेलंगाना स्थापना दिवस पर भी "जय तेलंगाना" नहीं कह पाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने इस आलोचना को दोहराते हुए कहा कि रेवंत रेड्डी आज अपने बधाई संदेश में भी "जय तेलंगाना" नहीं कह पाए। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि रेवंत रेड्डी एक "जैकपॉट मुख्यमंत्री" हैं, जिन्हें तेलंगाना के लोगों के बलिदान और आंदोलन के बारे में कुछ भी नहीं पता है, यही वजह है कि वे नाममात्र के लिए तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह आयोजित कर रहे हैं। राज्य के गठन के दस साल पूरे होने के अवसर पर केटीआर ने अपनी पार्टी और बीआरएस पार्टी के साठ लाख कार्यकर्ताओं की ओर से तेलंगाना के सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उन शहीदों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लिए अपने प्राणों की आहुति देने सहित अनेक बलिदान दिए।

केटीआर ने उल्लेख किया कि 2001 में केसीआर ने आंदोलन के दूसरे चरण के साथ एक नई क्रांति की शुरूआत की, इतिहास की दिशा बदल दी और तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तेलंगाना राष्ट्र समिति पार्टी की स्थापना की। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए किए गए बलिदानों का फल मिला और एक दशक की अवधि में अलग तेलंगाना राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। तेलंगाना जो करता है, राष्ट्र उसका अनुसरण करता है, देश के लिए एक आदर्श बन गया है। केटीआर ने पिछले 24 वर्षों से केसीआर के साथ जुड़े सभी लोगों को हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने आंदोलन का समर्थन करने वाले कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्रों, वकीलों, पत्रकारों और युवाओं को विशेष शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को हार्दिक बधाई दी और कामना की कि तेलंगाना निरंतर विकास करता रहे और दशक के उत्सव के भव्य समारोहों के बीच राष्ट्र के लिए एक आदर्श के रूप में खड़ा रहे। केटीआर ने हैदराबाद में तेलंगाना भवन में पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व की मौजूदगी में पार्टी ध्वज के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

शहर के विकास के लिए समर्पण और भागीदारी के साथ काम करें : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी ने आज कहा कि जीएचएमसी के विकास के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सामूहिक रूप से समर्पण के साथ काम करना चाहिए ताकि राज्य आगे विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। मेयर ने रविवार को तेलंगाना के स्थापना दिवस के अवसर पर जीएचएमसी मुख्यालय में जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस के साथ पुलिस सलामी लेने के बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए मेयर ने कहा कि जीएचएमसी में लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सभी को शहर के विकास में शामिल होना चाहिए और कहा कि सभी को सामूहिक प्रयासों के साथ समर्पण के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर शहर के लोगों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान मेयर ने उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना तेलंगाना आंदोलन में अपनी जान गंवा दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के लिए सभी वर्गों के लोगों के एकजुट संघर्ष के कारण 2 जून 2014 को राज्य का गठन हुआ। उन्होंने जीएचएमसी में लागू किए जा रहे कल्याण और विकास कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से नहीं बताया क्योंकि संसदीय चुनावों के मद्देनजर आचार संहिता लागू है। इस अवसर पर जीएचएमसी के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी ईएनसी जियो उद्दिन, ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, सीई देवानंद, अतिरिक्त आयुक्त के. श्रीवास्तव, नलिनी पद्मावती, गीता राधिका, सुनंदा, यादगिरी राव, सत्यनारायण, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नायक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा, मुख्य लेखा परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, संपदा निदेशक भाषा, मुख्य कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, एसीपी श्रीनिवास, एसीपी श्रीनिवास, ए.पी. सरथ चंद्र के कर्मचारी और अन्य लोग शामिल हुए।

तेलंगाना और भारत के विकास में योगदान देने का संकल्प लें : सीपी राधाकृष्णन

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने तेलंगाना राज्य के दशवर्षीय स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तेलंगाना, झारखंड के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने आज राजभवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। इस कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य के दशवर्षीय स्थापना दिवस के समारोह को चिह्नित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, जैसा कि हम तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस का जश्न मना रहे हैं, हमें तेलंगाना और हमारे राष्ट्र, भारत के विकास में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए। ईमानदारी और पारदर्शिता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, हम रिश्वतखोरी को खत्म करेंगे और प्रशासन में पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विकास का लाभ सबसे गरीब लोगों तक पहुंचे। अपने भाषण के बाद राज्यपाल ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया और राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। सद्भावना के संकेत के रूप में, उन्होंने कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से मिठाई वितरित की।

आरटीसी कर्मचारियों ने 'हम भी' कहते हुए 29 दिन की हड़ताल की थी : सज्जनार

टीजीएसआरटीसी ने तेलंगाना स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी ने तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर बोलते हुए एमडी वीसी सज्जनार ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के पहले और दूसरे चरण में कई लोग शहीद हुए थे और उन्होंने कहा कि टीजीएसआरटीसी परिवार की ओर से वे राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा, 2011 में आरटीसी कर्मचारियों ने 'हम भी' कहते हुए 29 दिन की हड़ताल जारी रखी थी। यह आम हड़ताल देश के इतिहास की सबसे बड़ी हड़तालों में से एक थी। इस हड़ताल में बड़ी संख्या में 56,604 आरटीसी कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और स्वराज्य हासिल करने के लिए अथक प्रयास किए। तेलंगाना आंदोलन में आरटीसी कर्मचारियों की भूमिका इतिहास में दर्ज हो गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए महालक्ष्मी-मुफ्त बस यात्रा योजना सरकार की घोषणा के 48 घंटे के भीतर लागू कर दी गई थी और कहा कि आरटीसी कर्मचारियों द्वारा आंदोलन की भावना से काम करने के कारण ही महालक्ष्मी को सफलतापूर्वक लागू किया जा सका। उन्होंने कहा, महालक्ष्मी योजना लागू होने से पहले औसतन 45 लाख लोग प्रतिदिन यात्रा करते थे। वर्तमान में औसतन 55 लाख लोग प्रतिदिन टीजीएसआरटीसी बसों से यात्रा करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार की मदद से सात साल से अधिक समय से लंबित 2017 वेतन संशोधन को भी उन्होंने पूरा किया। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए 21 प्रतिशत फिटमेंट की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि नौ लंबित डी.ए. स्वीकृत किए गए हैं। सज्जनार ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 1,500 नई डीजल बसें खरीदी गई हैं और उन्हें उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा, महालक्ष्मी योजना के साथ बढ़ती भीड़ के अनुरूप, प्रबंधन ने चरणबद्ध तरीके से 2000 नई डीजल और 990 इलेक्ट्रिक बसें उपयोग में लाने का फैसला किया है। डीजल और इलेक्ट्रिक बसों सहित कुल 2,990 नई बसें जल्द ही उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने नई बसों के अनुरूप 3 हजार नौकरियों को बदलने का फैसला किया है और कहा कि यह पता चला है कि सरकार की अनुमति से उन्हें जल्द से जल्द बदल दिया जाएगा। टीजीएसआरटीसी के मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. रविंदर, वित्त सलाहकार विजया पुष्पा, सीईआईटी राजशेखर, सीटीएम (वाणिज्यिक) श्रीधर, सीपीएम उषादेवी, सीसीओएस विजयभास्कर और अन्य ने तेलंगाना राज्य अवतारण समारोह में भाग लिया।

एमएलसी सीट जीतना हमारे लिए गर्व की बात : पूर्व मंत्री

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी सीट जीत पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए केटीआर ने कहा, मुख्यमंत्री के गृह जिले में एमएलसी सीट जीतना हमारे लिए गर्व की बात है। यह जीत न केवल खुशी लाती है बल्कि हमारी जिम्मेदारियों को भी काफी हद तक बढ़ाती है। हमें विश्वास है कि यह जीत सिर्फ शुरूआत है और भविष्य में कई और सफलताओं का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने दोहराया कि बीआरएस हमेशा से तेलंगाना की एकमात्र पार्टी रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा, यह परिणाम एक बार फिर साबित करता है कि बीआरएस तेलंगाना की घरेलू पार्टी है, जो लोगों की सच्ची आकांक्षाओं को दर्शाती है।

केसीआर ने कांस्टेबल किष्टैया की बेटी की मेडिकल शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के प्रमुख और तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव एक बार फिर कांस्टेबल किश्तैया के परिवार के साथ खड़े हुए, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

केसीआर, जिन्होंने वादा किया था कि वह किष्टैया के बलिदान के कारण अपने मुखिया को खोने वाले परिवार के साथ हैं, अपना वादा निभा रहे हैं। किष्टैया की मृत्यु के समय उनकी बेटी एक बच्ची थी। वह उसकी शिक्षा सहित हर मुश्किल समय में उसके साथ खड़े रहे। केसीआर, जो अपने परिवार को हिम्मत दे रहे हैं और उनका ख्याल रख रहे हैं, किष्टैया की बेटी की एमबीबीएस मेडिकल शिक्षा के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की है। किष्टैया की बेटी प्रियंका, जिसने एमबीबीएस पूरा कर लिया है, अब पीजी की पढ़ाई कर रही है। केसीआर ने आज नंदी नगर में किश्तैया के परिवार को मेडिकल कॉलेज में भुगतान की जाने वाली फीस के लिए 24 लाख रुपये का चेक सौंपा। इसके बाद उन्होंने उनके साथ दोपहर का भोजन किया। इस अवसर पर केसीआर ने उनके बेटे राहुल द्वारा किए जा रहे काम के बारे में पूछताछ की। उन्हें उनकी कठिन समस्याओं के बारे में पता चला। जब आपके पिता राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति देते हुए मर गए, तब आप छोटे बच्चे थे। कठिन समय में भी इस अवसर पर, किश्तैया के परिवार ने घर के मुखिया के रूप में उनके परिवार का समर्थन करने के लिए केसीआर को धन्यवाद दिया।

लोगों के संघर्ष और आकांक्षाओं के अनुरूप हुआ राज्य का गठन : तरुण जोशी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में राचाकोंडा आयुक्त तरुण जोशी ने नेरेडमेट में राचकोंडा कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए कमिश्नर ने कहा कि स्वराष्ट्र का गठन तेलंगाना राज्य के लोगों के संघर्ष और आकांक्षाओं के अनुरूप किया गया था और उन्होंने खुद अलग राज्य का संघर्ष देखा है। उन्होंने कहा कि इन दस वर्षों में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस विभाग में कई नये कार्यक्रम चलाये गये है। बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ कर्मचारियों की भर्ती, प्रशिक्षण कक्षाओं और प्रभावी प्रक्रियाओं के माध्यम से अपराध दर को कम किया गया है। पुलिस विभाग के सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि हम सब मिलकर काम कर रहे हैं इसलिए राज्य में शांति है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि पुलिस के प्रयासों से लोकसभा चुनाव के साथ-साथ राज्य विधानसभा चुनाव भी शांतिपूर्ण तरीके से सपन्न हुए। इस कार्यक्रम में डीसीपी एडमिन इंदिरा, एसीपी अन्य अधिकारी और कार्यालय स्टाफ ने भाग लिया।

बीआरएस ने जीता महबूबनगर एमएलसी उपचुनाव

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य गठन के दशकीय समारोह के बीच, रविवार को महबूबनगर स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव में बीआरएस ने जीत हासिल की। बीआरएस उम्मीदवार नवीन कुमार रेड्डी ने 763 वोट हासिल किए और उपचुनाव में अपने कांग्रेस समकक्ष मन्ने जीवन रेड्डी के खिलाफ 108 के बहुमत से जीत हासिल की।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के गृह जिले महबूबनगर में बीआरएस की जीत मंगलवार को लोकसभा चुनाव की मतगणना से पहले सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है। मौजूदा बीआरएस एमएलसी कासिरेड्डी नारायण रेड्डी के इस्तीफे के कारण उपचुनाव की जरूरत पड़ी, जिन्होंने अपनी वफादारी कांग्रेस में बदल ली और 2023 के विधानसभा चुनावों में कलवाकुर्ती विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की।

महबूबनगर गवर्नमेंट बॉयज जूनियर कॉलेज में सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई। 28 मार्च को हुए मतदान में 1,439 मतदाताओं के मुकाबले करीब 1,437 निर्वाचित प्रतिनिधियों ने वोट डाले। हालांकि, लोकसभा चुनाव के कारण मतगणना में देरी हुई। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव, वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव और कई अन्य लोगों ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में विश्वास बनाए रखने के लिए महबूबनगर स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने नवीन कुमार रेड्डी को भी बधाई दी और पार्टी की जीत के लिए अथक परिश्रम करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.